ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

32.25 करोड़ की लागत से काबिनी बांध का जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया..@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 21 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-200

यूनुस की शक्ल में कट्टरपंथी उन्मादियों का बांग्लादेश पर कब्जा

बांग्लादेश को हिंदू-मुक्त बनाने का तेजी से चल रहा अभियान

महज हिंदू नाम के कारण हुआ गोपालगंज नरसंहार

सूफी यायावर

16 जुलाई 2025 बांग्लादेश के इतिहास में हमेशा के लिए एक काले दिन के रूप में दर्ज हो गया है। उस दिन बांग्लादेश की सेना ने गोपालगंज जिले में मानवता के विरुद्ध घोर अपराध किया। बांग्लादेश की सेना एक ऐसी संस्था रही है, जिसे कभी संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अपनी भूमिका के लिए वैश्विक सम्मान प्राप्त था। लेकिन वह सब पुरानी बातें रह गईं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के बहाने बांग्लादेशी सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के गृहनगर में निहत्थे नागरिकों को गोलियों से भून डाला और अकल्पनीय क्रूरता का परिचय दिया।

अंतरराष्ट्रीय अपराध अनुसंधान प्रतिष्ठान (आईसीआरएफ) द्वारा संयुक्त राष्ट्र को किए गए चौंकाने वाले खुलासों और तमाम रिपोर्टों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि गोपालगंज में हुआ अत्याचार खूनी नरसंहार था। आईसीआरएफ ने संयुक्त राष्ट्र के आचार कार्यालय को लिखे एक औपचारिक पत्र में न केवल गोपालगंज नरसंहार, बल्कि बांग्लादेश में व्याप्त राजनीतिक हिंसा, विरासत के विनाश और घोर मानवाधिकार उल्लंघन के एक परेशान करने वाले सुनियोजित तौर-तरीकों को भी उजागर किया है।

यूनुस के इशारे पर बांग्लादेशी सेना ने किया कत्लेआम

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश सरकार और वहां की सेना के चेहरे पर कालिख पुतने के बाद क्षति नियंत्रण के हताशाजनक प्रयास में बांग्लादेशी सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि उसे आत्मरक्षा में घातक हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जबकि जो लोग मारे गए वे सब के सब निहत्थे थे। सरकार और सेना की मनगढ़ंत कहानी को राज्य-नियंत्रित मीडिया और यूनुस शासन के वफादार प्रचारकों द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है, जिनमें कई विदेशी मीडिया संस्थान भी शामिल हैं। जबकि, जमीनी स्तर पर सच्चाई ठीक इसके विपरीत और कहीं ज्यादा गंभीर है। सोशल मीडिया पर ऐसे बयानों और वीडियो की बाढ़ आ गई है जिनमें नागरिकों की ओर से कोई प्रतिरोध नहीं दिख रहा है। इसके बजाय, जमीनी हकीकत यही है कि रात-रात भर छापेमारी जारी है और पुरुषों, महिलाओं और यहां तक कि बच्चों को अगवा किया जा रहा है। परिवार के परिवार रातो रात गायब किए जा रहे हैं। यह बांग्लादेश की भयावह सच्ची तस्वीर है। विडंबना देखिए कि सेना की गोली से मारे गए लोगों के पोस्टमॉर्टम तक नहीं कराए गए और उनका राज्य प्रायोजित

▶10 पर

संसद के मानसून सत्र को लेकर हुई सर्वदलीय बैठक

फिर एक महीने चलेगा लोकतंत्र का प्रहसन

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार में मतदाता सूची के संशोधन का मसला संसद के मानसून सत्र में विपक्ष का केंद्रीय मुद्दा रहेगा। विपक्ष इस मसले पर सदन में हंगामा करेगा, लेकिन तथ्यों और आंकड़ों के आगे मुंह के बल गिरेगा। संसद सत्र शुरू होने के पहले होने वाली सर्वदलीय बैठक की औपचारिकता आज पूरी की गई। उस बैठक में विपक्ष के तीन एजेंडे खुल कर सामने आ गए, जो संसद के मानसून सत्र में रखे जाएंगे। विपक्ष पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाएगा। साथ ही युद्ध विराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विरोधाभासी बयानबाजियों पर भी विपक्ष केंद्र सरकार से जवाब मांगेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का एजेंडा ही है कि युद्ध विराम के मसले पर भारत सरकार को नीचा दिखाया जाए। राहुल गांधी के इशारे पर सदन में पाकिस्तान परस्त भी शोर-शराबा होने की आशंका है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा।

विपक्ष करेगा हंगामा सरकार पास करेगी विधेयक

इसमें कुल 21 बैठकें होंगी। 12 अगस्त से 18 अगस्त के बीच सदन की कोई बैठक निर्धारित नहीं की गई है।

संसद के मानसून सत्र से पहले आज सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। बैठक सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में शुरू हुई। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सरकार ने सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों के सुचारू संचालन को लेकर बात की। इस सत्र में केंद्र सरकार 8 महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। ▶10 पर

संविधान में राष्ट्रपति सर्वोच्च या सुप्रीम कोर्ट!

यह भी तय करने चला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति से सुप्रीम कोर्ट ऊपर है या नीचे, इसका फैसला भी सुप्रीम कोर्ट ही करेगा। आपको याद ही होगा कि विधेयकों को मंजूरी देने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों राज्यपाल से राष्ट्रपति तक को निर्देश देने से परहेज नहीं किया। यह जानते हुए कि संविधान के शीर्ष आसन पर राष्ट्रपति आसीन होता है और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति भी राष्ट्रपति ही करता है, सुप्रीम कोर्ट के दो सामान्य न्यायाधीशों ने तमिलनाडु के प्रसंग में राज्यपाल के साथ-साथ राष्ट्रपति को भी निर्देश देने की हरकत की। अब सुप्रीम कोर्ट की संविधान-पीठ इस बात पर विचार करेगी कि सुप्रीम कोर्ट का तमिलनाडु संदर्भित फैसला संविधान-सम्मत था या नहीं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ 22 जुलाई को इस मामले की सुनवाई करेगी।

विधेयक पर राष्ट्रपति को निर्देश देने का मामला

राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत मांगे गए प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। यह मामला राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा निर्णय लेने की समयसीमा तय करने से जुड़ा है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ में मुख्य न्यायाधीश के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 मई को अनुच्छेद 143 (1) के तहत सुप्रीम कोर्ट की सलाह मांगी थी। इस अधिकार के तहत राष्ट्रपति कानून या तथ्य से जुड़े किसी प्रश्न पर ▶10 पर

भारत में संगठित अपराध बन गया है अवैध खनन

समानांतर सरकार चला रहे हैं खनन माफिया

वैश्विक रिपोर्ट ने पर्यावरण पर गंभीर खतरा बताया

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार, झारखंड, ओड़ीशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, पंजाब और महाराष्ट्र से लेकर हिमालयी राज्यों तक फैले खनन माफिया नेटवर्क सरकार की आंखों के सामने समानांतर सत्ता चला रहे हैं। अवैध खनन अब जंगलों और वन्य समुदायों को निगलता जा रहा है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में अवैध खनन पर्यावरणीय आपदा का रूप ले चुका है। यह संगठित अपराध, मानवाधिकार उल्लंघन और हिंसक संघर्षों की बड़ी वजह भी बन गया है। भारत में कोयले से लेकर रेत तक खनिजों की बेहिसाब लूट ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और पर्यावरण समूह ग्रीनपीस व रेनफॉरेस्ट एक्शन नेटवर्क की रिपोर्ट ने इस खतरे को उजागर करते हुए भारत सरकार और संबद्ध राज्य सरकारों को आगाह किया है। इस वैश्विक जांच रिपोर्ट में अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उन देशों की पड़ताल की गई है जहां खनन अब जंगलों और समुदायों को निगलता जा रहा है। भारत में अवैध खनन न सिर्फ एक पारिस्थितिक संकट है बल्कि यह भ्रष्टाचार और प्रशासनिक मिलीभगत की जीती-जागती मिसाल भी बन चुका है। झारखंड के रांची, चतरा और दुमका में कोयला और लौह अयस्क की अवैध खुदाई हो रही है जबकि ओड़ीशा के क्योंझर और सुंदरगढ़ जैसे जिलों में करोड़ों के लौह अयस्क की चोरी सामने आई है। ▶10 पर

बीआरएस पर शिकंजा कसने की तैयारी में कांग्रेस सरकार

सियासत के सिर पर नाच रहा फोन टैपिंग का भूत

अदालत में रखना होगा फोन टैपिंग का पूरा ऑडियो रिकॉर्ड

हैदराबाद, 20 जुलाई (ब्यूरो)।

तेलंगाना फोन टैपिंग मामले का भूत सियासत पर सिर पर बैठा लगातार नाच रहा है। तेलंगाना में साल 2023 में विधानसभा चुनाव हुए थे। इससे ठीक पहले तेलंगाना की स्पेशल ऑपरेशन टीम की एक एसओटी ने कथित तौर पर कम से कम 600 लोगों के फोन टैप किए। इस बात की जानकारी हैदराबाद पुलिस की तरफ से की गई जांच में मिली है। उस वक्त राज्य में चंद्रशेखर राव की बीआरएस सत्ता में थी और कांग्रेस और भाजपा विपक्ष में थी।

टैपिंग 16 नवंबर से 30 नवंबर 2023 के बीच हुई थी। टैपिंग 2018-19 में भी हुई थी। जो सबूत मिले हैं वह साबित करते हैं कि राज्य विधानसभा चुनाव से 15 दिन पहले कम से कम 600 लोगों की बिना किसी कारण के निगरानी की गई थी। जिन लोगों के फोन सर्विलांस पर रखे गए थे, उनमें राजनेता, चुनावी एक्सपर्ट, पत्रकार, पार्टी वर्कर और कारोबारी शामिल थे। सर्विलांस का दायरा इतना बड़ा था कि 600 लोगों के रिश्तेदारों, कर्मचारियों और यहां तक कि ड्राइवर के फोन तक भी टैप किए गए थे। जिन लोगों के फोन टैप किए गए, उनमें से ज्यादातर का संबंध विपक्ष से था। हालांकि सत्ता गलियारे में बैठे एक शीर्ष अधिकारी का कहना है कि फोन टैपिंग के ठोस सबूत पुलिस के पास नहीं हैं। अदालत में फोन टैपिंग का पूरा ऑडियो रिकॉर्ड रखना होगा। ▶10 पर

जगन कार्यकाल में हुआ 3,200 करोड़ का शराब घोटाला

वाईएसआरसीपी सांसद मिधुन रेड्डी गिरफ्तार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी कर रहा है घोटाले की जांच

अमरावती, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश पुलिस ने वाईएसआरसीपी के लोकसभा सांसद पीवी मिधुन रेड्डी को पिछली सरकार के दौरान हुए 3,200 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में गिरफ्तार कर लिया। शराब घोटाले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को मिधुन रेड्डी से कई घंटों तक पूछताछ की और शाम लगभग 7.30 बजे विजयवाड़ा में उन्हें गिरफ्तार किया। गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें अदालत में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इस शराब घोटाले की जांच के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। आंध्र प्रदेश में पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान शराब घोटाले के मुख्य आरोपी कासिरेड्डी राजा शेखर रेड्डी की रिमांड रिपोर्ट में एसआईटी ने कई लोगों के नाम लिए हैं। मिधुन रेड्डी आंध्र प्रदेश के राजमपेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। मई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इस शराब घोटाले की जांच के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। आंध्र प्रदेश में पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान शराब घोटाले के मुख्य आरोपी कासिरेड्डी राजा शेखर रेड्डी की रिमांड रिपोर्ट में एसआईटी ने कई लोगों के नाम लिए हैं। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,01,160/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,14,350/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 21^0

राहुल गांधी का वैचारिक दिवालियापन कर रहा बंटाधार

संघ और सीपीएम दोनों से मेरा वैचारिक संघर्ष : राहुल

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वैचारिक दिवालियापन इंडी गठबंधन का बंटाधार करता जा रहा है। अब बिहार चुनाव में राहुल गांधी कांग्रेस को डुबोने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। राहुल गांधी का हाल का बयान पूरी कांग्रेस पार्टी को बिहार चुनाव में मुश्किल में डाल रहा है। राहुल गांधी ने कहा, मेरा आरएसएस और वामपंथियों दोनों से वैचारिक संघर्ष है। मैं वैचारिक तौर पर संघ और सीपीएम दोनों से लड़ता रहता हूं। राहुल का यह बयान बिहार चुनाव के पहले सियासी गलियारे में आग में घी का काम कर रहा है।

राहुल गांधी की वैचारिक उलझन कोई नई बात नहीं है। महाराष्ट्र में वह शिवसेना (यूबीटी) के साथ गठबंधन में हैं, जो पहले भाजपा की सहयोगी थी। केरल में वह कम्युनिस्टों का विरोध करते हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में 2021

राहुल के बयान से वामदलों में भीषण नाराजगी

के चुनाव में सीपीएम के साथ गठजोड़ किया और हार गए। बिहार में विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट शुरू होते ही सियासी हलचल तेज हो गई है। लेकिन इस बार राहुल गांधी के बयान को लेकर तमाम निंदा प्रस्ताव जारी हो रहे हैं। केरल के कोट्टायम में एक कार्यक्रम में राहुल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम को लेकर कहा, मैं आरएसएस और सीपीएम दोनों से वैचारिक रूप से लड़ता हूं। मेरी सबसे बड़ी शिकायत यह है कि इन दोनों में लोगों के लिए भावनाएं नहीं हैं। राहुल गांधी के इस बयान ने इंडी गठबंधन के सहयोगी वामपंथी दलों को भीषण नाराज कर दिया।

यह बयान बिहार जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां वामपंथी पार्टियां इंडी गठबंधन का मजबूत हिस्सा हैं, एक बड़े सियासी तूफान का कारण बन रहा है। लोग यह सवाल उठाने लगे हैं कि राहुल गांधी की ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

सामाजिक पहल आनंद सबके लिए के तहत छात्रों में खुशियां बांटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय, अरिकेरे में अपने बहुप्रतीक्षित सामाजिक पहल आनंद सबके लिए का आयोजन किया। यह कार्यक्रम मंच की शिक्षा संबंधित परियोजना विद्या वंदन शिक्षा सबके लिए का एक अभिन्न अंग है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को न केवल शैक्षणिक सहयोग देना है, बल्कि उनके चेहरों पर मुस्कान लाना भी है। इस पहले आयोजन में लगभग 375 छात्रों की खुशियों ने यही सिद्ध किया। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक छात्र को स्कूल स्टेशनरी प्रदान की गई एवं जुलाई में जन्मदिन मनाने वाले सभी छात्रों को मंच द्वारा विशेष रूप से उपहार देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनमें आत्म-सम्मान की भावना और अधिक मजबूत हुई। मारवाड़ी युवा मंच की राष्ट्रीय समिति द्वारा घोषित पर्यावरण माह को ध्यान में रखते हुए, कक्षा 4 से 7 तक के छात्रों के लिए हरियाली और पर्यावरण विषय पर निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों की रचनात्मकता ने सभी को चकित किया, जिससे विजेताओं का चयन शिक्षकों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य बना। विजेताओं को उत्साहपूर्वक पुरस्कार दिए गए, जिससे उनकी खुशी दोगुनी हो गई। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स के कई सदस्य अपने परिवारों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस नेक काम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई और देने की खुशी का अनुभव किया। कार्यक्रम की सफलता का श्रेय जन सेवा संयोजक अभिनव डोकनिया, दीपा चौधरी, पर्यावरण कल्याण संयोजक प्रदीप अग्रवाल एवं समस्त कार्यकारिणी के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। शाखा, प्रांतीय सहायक सचिव खंड क, श्याम जालान एवं शाखा के पूर्व अध्यक्ष रौनक कुमत का भी आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति से शोभा बढ़ाई। पूरे कार्यक्रम की खूबसूरत मेजबानी के लिए सोनम जैन को विशेष धन्यवाद दिया गया। जन सेवा संयोजक ने विद्यालय के सभी शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि मंच आगे भी इस तरह के समाज कल्याण कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

गुरु कृतज्ञता ज्ञापन यात्रा संघ 2025 के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परमपूज्य गुरुदेव द्वारा इस वर्ष राजराजेश्वरी नगर को चातुर्मास प्रदान करने हेतु श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा राजराजेश्वरी नगर द्वारा साध्वी श्री पुण्ययशाजी के पावन सान्निध्य में 'गुरु कृतज्ञता ज्ञापन यात्रा-2025' की घोषणा एवं बैनर का अनावरण किया गया। यात्रा के संयोजक के रूप में उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़ के नाम की घोषणा की गई। संयोजक राजेश छाजेड़ ने बताया कि 15 से 17 सितंबर तक जानेवाले इस संघ में 121 लोगों के आवागमन की व्यवस्था की गई है। यात्रा के दौरान अक्षरधाम एवं शंखेश्वर पार्श्वनाथ का भ्रमण का भी आयोजन किया गया है। यात्रा के प्रायोजक के रूप में सारिका-सुनील कुमार नाहटा परिवार ने सहर्ष अनुमति प्रदान की। सभा द्वारा नाहटा परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया गया एवं सुनील नाहटा का जैन पट्ट द्वारा सम्मान व अभिनंदन किया गया। अनावरण के अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, सभा उपाध्यक्ष सरोज आर बैद, अनिल सुराना, राजेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया, सहमंत्री बुधमल बैंगाणी एवं राजेश भंसाली, समाज के वरिष्ठ गणमान्य श्रावकों सहित तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर, तेममं अध्यक्ष मंजु बोथरा एवं यात्रा प्रायोजक सुनिल नाहटा की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। तदुपरांत सभा द्वारा तपस्विनी बहन रेखा मरोठी के तप का अभिनंदन किया गया। साध्वीजी ने तप अनुमोदना करते हुए तपस्विनी बहन को अट्ठाई की तपस्या का प्रत्याख्यान करवाया एवं श्रावक समाज से सोमवार को होने वाली मौन की नौ रंगी से जुड़ने का आह्वान किया। राजराजेश्वरी नगर में गतिमान सभी तपस्वियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।

दाधीच महिला मंडल का सावन सेल कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दाधीच महिला मंडल द्वारा शनिवार को राजराजेश्वरी नगर स्थित देसी मसाला होटल में सावन सेल का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन अध्यक्षा प्रमिला शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल, नृत्य और सावन के गीतों की प्रस्तुति हुई, जिससे उपस्थित सभी महिलाओं ने भरपूर आनंद लिया। कॉर्नर और झूला सजावट ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। कार्यक्रम का संचालन शशि ओझा द्वारा किया गया। सरिता असोपा और सारिका पलोड़ ने मंडल की 2 वर्षों की बैलेंस शीट प्रस्तुत कर संगठन की पारदर्शिता और कार्यक्षमता को दर्शाया, जिससे सभी सदस्य गौरवान्वित हुए। सदस्यों ने मंडल की ओर से सर्वेसर्वा सरोज ओझा, सरस्वती दायमा, सारिका पलोड़, शशि ओझा, वंदना जोशी, सरिता असोपा, चंद्रकांता जोशी, पुष्पा तिवारी, सरोज जोशी, कुसुम दाहिमा, मीना जोशी, किरण मुंडेल, बरखा जोशी, रेणु जोशी, पद्मावती इटोदीया, अनमोल सूँठवाल समेत समस्त कार्यकारिणी को 2023-2025 वर्ष के सफलता पूर्वक कार्य के लिए बधाईयां दी। कार्यक्रम के अंत में चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। पुष्पा तिवारी को ताज पहनाकर 2025-2027 बेंगलूरु दाधीच महिला मंडल की नई अध्यक्षा घोषित किया गया और नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जब नजरिया बदलता है, तब दरवाजे अपने आप खुलने लगते हैं: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कैसे खोलें बंद किस्मत का ताला विषय पर समझाते हुए कहा कि जीवन में ऐसे पल अक्सर आते हैं जब लगता है जैसे हर रास्ता बंद हो गया है, मेहनत के बाद भी परिणाम नहीं मिलते, और किस्मत का ताला जैसे जंग लगाकर बंद हो गया है।

परंतु याद रखिए ताले किस्मत के नहीं, सोच और दृष्टिकोण के बंद होते हैं। जब नजरिया बदलता है, तब दरवाजे अपने आप खुलने लगते हैं। पहला मंत्र कर्म ही सबसे बड़ी चाबी है। ईमानदारी से किया गया निरंतर प्रयास हर असंभव को संभव बना सकता है। किस्मत उन्हीं का साथ देती है जो थकने के बाद भी रुकते नहीं। संघर्ष से बड़ा कोई भाग्य नहीं, और परिश्रम से बड़ी कोई पूजा नहीं। सोच बदलो, संसार बदलेगा।

नकारात्मक सोच ताले पर ताले जड़ती है। लेकिन जैसे ही आप आशा, आत्मविश्वास और साहस से सोचते हैं, नई राहें खुलने लगती हैं। सूरज हर दिन उगता है, पर उजाला तभी होता है जब आंखें खुली हों। साधना और सच्चे मार्गदर्शन का सहारा। सही मार्गदर्शक, आध्यात्मिक ज्ञान और सकारात्मक संगत आत्मबल बढ़ाते हैं।

महापुरुषों की वाणी और जी-वनदर्शन हमारे जीवन की दिशा बदल सकते हैं। दान और सेवा भाग्य बदलने का श्रेष्ठ उपाय कई बार किस्मत तब खुलती है जब हम दूसरों की किस्मत बनते हैं। अन्नदान, ज्ञानदान, समयदान या भावनात्मक सहयोग ये सब 'पुण्य की कुंजी' हैं। जिसने दिया, वही बना जिसने जोड़ा, वही पीछे छूटा। क्षमा और आत्ममंथन भीतरी ताले भी खोलें कभी-कभी दुर्भाग्य हमारे अंदर की गांठों से बंधा होता है। घृणा, ईर्ष्या, और पछतावे से। क्षमा, आत्ममंथन और शुद्धि से मन हल्का होता है और भीतर का ताला खुलने लगता है। किस्मत उन्हीं की बदलती है जो उसे बदलने का साहस रखते हैं। ताले कभी बाहर से नहीं खुलते चाबी हमेशा भीतर होती है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान आरती का लाभ संघवी महावीरकुमार घेवरचंद, मंगल दीपक संघवी सुरेशकुमार घेवरचंद, गुरुदेव की आरती संघवी अनिलकुमार घेवरचंद परिवार ने लिया।

दूसरों की गलतियों में दिलचस्पी नहीं लेने वाला होता है सच्चा उपासक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि सच्चा उपासक वही होता है जो दूसरों की गलतियों में दिलचस्पी नहीं लेवे। पद प्रतिष्ठा एक नशा होता है और उत्तम पुरुष इस नशे से दूर रहते हैं। तीर्थंकर का पद सर्वोच्च होता है किंतु तीर्थंकर कभी अपने पद का अहंकार नही करते हैं। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने घर को स्वर्ग बनाने का पहला सूत्र बताते हुए कहा कि घर परिवार संघ समाज में आपसी विश्वास जरूरी है। शंका दीमक के समान रिश्तों को खोखला कर देती है। शंका मन का प्रदूषण है। मन की दीवारें घर में दीवारों का निर्माण करा देती हैं। इसीलिए आज संयुक्त परिवार इतिहास बनते जा रहे हैं। परिवार में कम से कम सप्ताह में एक बार भजन और भोजन साथ में होना चाहिए। अधिकार और कर्तव्य दोनों की जानकारी होगी तो ही हम सद्गृहस्थ बन सकते है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि अगले रविवार को डॉ. मुनि पदमचंद जी का जन्म दिवस गुण स्मरण के साथ मनाया जाएगा। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

कलश यात्रा के साथ महाशिवपुराण कथा का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बानसवाड़ी स्थित सीताराम कल्याण मंडप में शिव महापुराण कथा शुक्रवार से शुरू हुआ। कथा से पहले कलश यात्रा निकाली गई। श्री शिव महापुराण कथा 18 जुलाई से 24 जुलाई तक चलेगी। इस दौरान कथा वाचक संत वेंकटेश भाई (श्रीधाम वृन्दावन) के मुखारविंद से शिव महापुराण का वाचन किया जाएगा। कथा शुरू होने से पूर्व ओम शक्ति मंदिर से कथा स्थल तक एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मुख्य बाजार 80 फीट, मेन रोड बानसवाड़ी होते हुए कथा स्थल सीताराम कल्याण मंडप परिसर में जाकर समाप्त हुई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं जल से भरा कलश सिर पर रखकर चल रही थी।

कलश यात्रा में कृष्ण गोशाला के पुखराज महाराज, कथा वाचक वेंकटेश के साथ आयोजक कर्ता भवानी, शंकर पारीक, प्रकाश चौहान, ओगड़राम चौहान, सवाईसिंह, भीमसिंह, आनंद बंसल, ओम प्रकाश जाट आदि जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा कथा स्थल पर पहुंचीं। यहां पर विधिवत पूजा अर्चना कर कथा का शुभारंभ किया गया। कथा वाचक संत वेंकटेश ने अमृतमयी शिव महा-पुराण कथा के महात्म्य से श्रद्धालुओं को जीवन का मर्म समझाया। उन्होंने श्रीरामचरित मानस में वर्णित शिव की महिमा को बताया। उन्होंने कहा जिसके साथ शिव हैं, शक्ति भी उसी के पास होती है। महाकाल का पूजन और ध्यान अकाल मृत्यु के भय से मुक्त करने वाला होता है। इस अवसर पर राजस्थानी प्रवासी के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दादावाड़ी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने साध्वीवृंद के किए दर्शन वंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के पदाधिकारी और सदस्य अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा के नेतृत्व में गच्छ गणिनी पूज्य साध्वी जी सुलोचना श्री जी, सुलक्षणा श्री जी के दर्शन वन्दन हेतु हैदराबाद पहुंचे। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि सभी साध्वी जी भगवन्तों ने सकल संघ को धर्मलाभ और आशीर्वाद फरमाया है और चातुर्मास में धर्माराधना में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि साध्वी जी भगवन्तों ने धर्मचर्चा में कहा कि जीवन की सांझ होने से पूर्व हमें अपनी आत्मा के घर की ओर लौटना होगा। सांझ होने से पहले हमें सम्यक ज्ञान, दर्शन और चारित्र के प्रकाश में अंधकार को दूर करना है। परमात्मा की पूजा वन्दना हमारे पाप, ताप और संताप दूर करने वाली होती है। सुलसा श्राविका के जैसा परमात्मा के प्रति समर्पण हमारा भी होना चाहिए। घर में हमारा सुबह का पहला प्रणाम हमारे बड़ों को होना चाहिए। हम हमारे बड़ों को प्रणाम करके हमारे बच्चों द्वारा उनसे बड़ों को प्रणाम करने का संस्कार देना चाहिए। गुरु दर्शन यात्रा संघ में अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, धर्मेंद्र संकलेचा, मोतीलाल लल-वानी, कैलाश संकलेचा, सज्जनसिंह खटोड़, राकेश डाकलिया, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जवरीलाल गुलेच्छा, वीरचंद चौपड़ा, रमेश धारीवाल के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे।

विचारों की निगरानी से ही जीवन का निर्माण संभव: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चातुर्मास प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत रविवार प्रातःकालीन धर्मसभा में साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपासना जी ने अपने मंगल प्रवचनों द्वारा श्रोत-ाओं को श्रेष्ठ विचार, श्रेष्ठ जीवन विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया। साध्वी ने कहा कि घड़ी का पाँचवाँ घंटा हमें यही संदेश देता है कि हम अपनी पाँचों इन्द्रियों को वश में रखें।

जब व्यक्ति अपनी इन्द्रियों पर संयम रखता है, तभी आत्मा के उत्थान और कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने अपने विचारों की निगरानी रखो पर बल देते हुए कहा कि विचारों की पवित्रता ही जीवन की दिशा तय करती है। तुच्छ विचारों का त्याग कर हमें उच्च विचारों को अपनाना चाहिए। हमारे विचार ही हमारे जीवन का स्वरूप बनाते हैं। जब हमारे भीतर श्रेष्ठ विचार होते हैं, तब हमारा जीवन गंगाजल की तरह पवित्र हो जाता है। उन्होंने विशेष रूप से यह सूत्र प्रस्तुत किया - उत्तम कार्यों को तुरंत कर लेना चाहिए और घृणित विचारों को कल पर टाल देना चाहिए। विचारों और भावों की प्रधानता हमारे जीवन को ऊँचाइयाँ प्रदान करती है। सिंपल लिविंग एंड हाई थिंकिंग यानि सादा जीवन उच्च विचार। विचारों की शुद्धता आवश्यक है। साध्वी ने आगे कहा कि हमारा बाहरी परिधान चाहे साधारण हो, पर हमारे विचार सदैव उच्च, निर्मल और आत्मिक होने चाहिए। विचारों की गहराई में झांककर ही हम आत्म-निरीक्षण कर सकते हैं और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। इस मौके पर जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक हरियाणा से संदीप जैन एवं मीनू जैन, भायंदर से दिलीप कछारा, लोनावला से अमूल नाहर, डोंबिवली से मनोहर बड़ाला, नरेंद्र राजावत, राजमल कोठारी एवं श्याम कागरेचा के अलावा जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश छल्लानी, कोप्पल से प्रांतीय संगठन मंत्री गौतम मेहता व अन्य संघों के पदाधिकारी मौजूद रहे। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या ने मांगलिक प्रदान किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

राजाजीनगर में सामायिक दिवस का सफल आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक प्रांत के मार्गदर्शन में युवा शाखा कर्नाटक द्वारा शनिवार को तप कौमुदी महासती निर्मला जी के सानिध्य में राजाजीनगर स्थानक भवन में सामायिक दिवस का आयोजन चेयरमैन राकेश लोढ़ा जैन, को-चेयरमैन मनोज बोहरा जैन के मार्गदर्शन से अत्यंत श्रद्धा और उल्लासपूर्वक हुआ।

सामयिक दिवस कार्यक्रम का विषय युवा के लिए, आत्मचिंतन का समय ` सामायिक के संग तथा रील्स नहीं, रियल ज्ञान ` सामायिक स्वाध्याय है असली प्लान था, जिसने युवाओं को डिजिटल व्यस्तताओं से दूर आत्मचिंतन और धर्म की ओर प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन राजाजीनगर श्रीसंघ एवं युवा मंडल के तत्वावधान में किया गया, जिसमें प्रातः 7 से 8 बजे तक बहुत से श्रद्धालुओं ने सामायिक एवं स्वाध्याय किया। युवाध्यक्ष आशीष कुमार भंसाली जैन एवं महामंत्री किशोर बाफना जैन ने उत्तम व्यवस्था की सराहना करते हुए श्रीसंघ एवं युवा संघ का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा युवा शाखा द्वारा हो रहे अनेक योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी दी।

युवा प्रचार प्रसार मंत्री यश बाफना जैन ने बताया कि इस पुण्य अवसर पर कर्नाटक प्रांतीय महामंत्री नेमीचंद दलाल जैन, मंत्री सुनील लोढ़ा जैन, शंकर दक जैन, राष्ट्रीय युवा पदाधिकारी अजय धोका जैन, अभय कातरेला जैन, प्रांतीय कोषाध्यक्ष रुपेश सिसोदिया जैन, सह कोषाध्यक्ष सुनील बम्ब जैन, प्रवीण मुथा जैन, चेतन रेदासनी, मनीष लुंकड़ जैन, धीरज बाफना जैन, महावीर गुगलिया जैन, कपिल कालिया जैन, चेतन गन्ना जैन, राजाजीनगर श्रीसंघ युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, युवा मंत्री नमित कोठारी, मिलाप धारीवाल, नरेश लुंकड़, विशाल कोठारी एवं अनेक साधकों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर धर्म के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांतीय युवा महामंत्री किशोर बाफना जैन ने सुंदर संचालन किया।

32.25 करोड़ की लागत से काबिनी बांध का जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया जाएगा: मुख्यमंत्री

काबिनी जलाशय को बागीना अर्पित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही 32.25 करोड़ की लागत से काबिनी बांध के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू करेगी। रविवार को काबिनी जलाशय को बागीना अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि हाल ही में एमएम हिल्स में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लगभग 51 वर्ष पुराने इस बांध के जीर्णोद्धार परियोजना को मंजूरी दे दी गई है। काबिनी जलाशय का निर्माण 1959 में शुरू हुआ और 1974 में पूरा हुआ। चूँकि इसके निर्माण को 51 वर्ष बीत चुके थे, इसलिए सरकार ने इसके जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया था। हालाँकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सरकार के जीर्णोद्धार कार्य का मतलब यह नहीं है कि बांध कमजोर हो गया है। उल्लेखनीय है कि बांध की संरचना में छोटी-मोटी दरारों और गड्ढों को लेकर कुछ क्षेत्रों में चिंताएँ व्यक्त की गई थीं। लेकिन, कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड (सीएनएनएल) ने बांध को किसी भी तात्कालिक खतरे से इनकार किया है। उन्होंने आगे कहा सरकार तारक नहर प्रणाली के आधुनिकीकरण पर भी काम शुरू करेगी। उन्होंने कहा केरल में जन्म लेने वाली और टी. नरसीपुरा में कावेरी में मिलने वाली काबिनी नदी, कावेरी की एक सहायक नदी है। काबिनी नदी 1,08,000 एकड़ भूमि की सिंचाई करती है। सिद्धरामैया ने कहा कि सरकार केआरएस जलाशय पर वृंदावन गार्डन की तर्ज पर एक उद्यान बनाने की भी योजना बना रही है। एक प्रश्न के उत्तर में, मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु में निर्धारित मात्रा से अधिक पानी बह रहा है और उन्होंने खेद व्यक्त किया कि केंद्र राज्य को मेकेदातु में एक संतुलन जलाशय बनाने की अनुमति नहीं दे रहा है। जब उनका ध्यान भाजपा के इस सुझाव की ओर दिलाया गया कि कांग्रेस सरकार को अपने सहयोगी दल डीएमके, जो पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में सत्तारूढ़ है, को मना लेना चाहिए, तो सिद्धरामैया ने पलटवार करते हुए पूछा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता, भाजपा शासित गोवा में अपनी पार्टी के नेताओं को कर्नाटक में महादयी परियोजना की अनुमति देने के लिए क्यों नहीं मना पा रहे हैं, जो लंबे समय से लंबित है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर केंद्र मेकेदातु परियोजना के लिए अनुमति देता है, तो राज्य सरकार इसके लिए तैयार है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जिनके पास जल संसाधन विभाग भी है, ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग एक साल पहले तुंगभद्रा बांध के एक शिखर द्वार के बह जाने के बाद, बांधों की सुरक्षा का अध्ययन करने के लिए अपनी तकनीकी टीमें सभी बांधों पर भेजी थीं। सरकार बांधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर करेगी और साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि काबिनी बांध के जीर्णोद्धार का काम भी शुरू किया जाएगा। एचडी कोटे के विधायक अनिल चिक्कमडु के अनुरोध पर, राज्य सरकार सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत काबिनी बांध पर एक उद्यान विकसित करने की परियोजना पर विचार कर रही है। काबिनी उत्सव मनाने की मांग के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि वह मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच.सी. महादेवप्पा से इस मामले पर चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा सरकार पहले ही केआरएस जलाशय पर कावेरी आरती आयोजित करने की योजना बना चुकी है और कहा कि इस परियोजना से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार भी पैदा होगा। हालाँकि, उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता बांधों की सुरक्षा है। इस मौके पर महादेवप्पा, विधायक अनिल चिक्कमडु, हरीश गौड़ा, ए.आर. कृष्णमूर्ति और दर्शन ध्रुवनारायण और विधान पार्षद डी. थिम्मैया और अन्य भी काबिनी को बगीना अर्पित करते समय मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ थे।

छोटे व्यापारियों के लिए जीएसटी नोटिस पर भ्रम के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को कहा कि छोटे व्यापारियों को जीएसटी कर नोटिस जारी करने के मामले में राज्य सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिनियम केंद्र सरकार ने बनाया है। जीएसटी परिषद भी राज्य सरकार के नियंत्रण में नहीं है। इसलिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। अगर राज्य सरकार के पास छोटे व्यापारियों की सुविधा के लिए कोई अवसर हैं, तो हम राज्य सरकार के वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में केंद्र सरकार से भी परामर्श करेंगे। शनिवार को मैसूरु में आयोजित साधना समावेश में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का अपमान नहीं किया गया। भाजपा इस मुद्दे का दुरुपयोग करके राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होगा। शिवकुमार कार्यक्रम में नहीं थे। इसलिए उनका नाम नहीं पुकारा गया। भाजपा दही में पत्थर ढूँढने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा जो भी वहाँ मौजूद हो, उसका नाम पुकारना रिवाज है। इस बीच, सिद्धरामैया के बगल में बैठे डी.के. शिवकुमार ने मुख्यमंत्री का समर्थन करते हुए कहा कि वह वहाँ थे ही नहीं। अपने भाषण को जारी रखते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा हमारे बीच फूट डालकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। लेकिन वह कामयाब नहीं होगी। भाजपा हमेशा भ्रम में रहती है। इस पर डी.के. शिवकुमार ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

जीएसटी चुकाने का नोटिस जारी करके

राज्य सरकार हजारों परिवारों को बेघर करने की कर रही कोशिश: टीए सरवण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य टी. ए. सरवण ने कहा कि हजारों छोटे व्यापारियों को जरा भी आभास दिए बिना, रातोंरात लाखों रुपये का जीएसटी चुकाने का नोटिस जारी करके राज्य सरकार हजारों परिवारों को बेघर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाला है कि जिन छोटे व्यापारियों को उस दिन व्यापार करना है और अपना पेट भरना है, उन्हें लाखों रुपये का जीएसटी चुकाने का नोटिस जारी किया गया है। कॉफी, चाय, सब्जियाँ, फल, रेहड़ी-पटरी और ब्यूटी पार्लर चलाने वाले हजारों व्यापारी आज संकट में हैं। छोटे व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल

ने मेरे सामने अपनी पीड़ा और लाचारी व्यक्त की है। मैं इन लोगों की ओर से हूँ। मुझे उनके जीवन के प्रति सहानुभूति है और मैं पीड़ित व्यापारियों के प्रति समर्थन व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को तुरंत हस्तक्षेप कर इस समस्या का समाधान करना चाहिए। व्यापारियों में जीएसटी प्रणाली के बारे में जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। उन्होंने अपील की है कि अगर विभाग को लगता है कि किसी का बकाया है, तो उसे पूरी तरह से माफ किया जाना चाहिए और छोटे व्यापारियों की सुरक्षा की जानी चाहिए।

निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च आसमान छू रहा है: मंत्री

मातृ अस्पताल ने कोविड काल में अच्छी सेवा प्रदान की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी ने प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों में इलाज की बढ़ती लागत पर असंतोष व्यक्त किया। बसवेश्वरनगर स्थित मातृ मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल के नए उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि उचित नियंत्रण के बिना निजी अस्पतालों में इलाज की लागत महंगी हो गई है। मातृ अस्पताल ने कोविड काल में अच्छी सेवा प्रदान की है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि अस्पताल जनता को भी अच्छा इलाज प्रदान कर रहा है। पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र

हाल ही में महंगे हुए हैं। सुखी जीवन के लिए स्वास्थ्य को खराब करना उचित नहीं है। अनुशासित जीवनशैली, कार्य और पर्यावरण से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होगा, बल्कि जीवन प्रत्याशा भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यदि आप स्वच्छ हवा, पानी और भोजन का उपयोग करेंगे, तो आपको अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त होगा। मीडिया को हृदयाघात को इस तरह से प्रचारित नहीं करना चाहिए जिससे लोग घबराएँ, बल्कि ऐसी खबरें प्रसारित करनी चाहिए जो आपको हिम्मत दिलाएँ और आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करें। मातृ अस्पताल शुरू से ही जनता को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में और अधिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जानी चाहिए। केएमएफ एक किसान संगठन है और नंदिनी ने दूध, घी और अन्य उत्पादों के अधिक उपयोग का आह्वान किया। राज्यसभा सदस्य जी.सी. चंद्रशेखर ने कहा कि डॉक्टरों को भगवान का रूप माना जाता है। प्रतिस्पर्धी दुनिया में, स्वास्थ्य क्षेत्र और भी महत्वपूर्ण हो गया है और स्वास्थ्य समस्याएँ विकराल होती जा रही हैं। उन्होंने मातृ अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान की सराहना की। पूर्व मंत्री और विधायक के. गोपालैय्या ने कहा कि मातृ अस्पताल ने कोविड काल में उचित उपचार प्रदान करके सैकड़ों लोगों की जान बचाई है। उन्होंने कामना की कि स्वास्थ्य क्षेत्र में अच्छी सेवाएँ प्रदान करने वाला यह अस्पताल और भी ऊँचाइयों को छुए और लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करे। पूर्व सांसद एल.आर. शिवरामेगौड़ा ने कहा कि बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। नई बीमारियाँ सामने आ रही हैं। इस संदर्भ में, अधिक से अधिक शोध किए जाने चाहिए। बेंगलूरु में अधिक से अधिक मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल खुल रहे हैं। उन्होंने कामना की कि यह अस्प-ताल एक बहुराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल बने। विधायक डॉ. एच.डी. रंगनाथ ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि रोबोटिक तकनीक समय तो बचाती है, लेकिन इसकी लागत बढ़ती जा रही है। विधान परिषद सदस्य दिनेश गूलीगौड़ा ने कहा कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में 40 प्रतिशत डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों की कमी है, जबकि निजी अस्पताल गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऐसे मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल खोले जाने चाहिए।

सरकार ने धर्मस्थल क्षेत्र में लापता व्यक्तियों और अप्राकृतिक मौतों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार ने कहा है कि धर्मस्थल में पिछले 20 वर्षों से लापता महिलाओं और छात्राओं के साथ-साथ अप्राकृतिक मृत्यु, हत्या और बलात्कार के मामलों की पुलिस महानिदेशक स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जाँच की जाएगी। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, आंतरिक सुरक्षा प्रभाग, बेंगलूरु के पुलिस महानिदेशक डॉ. प्रणव मोहंती के नेतृत्व में 4 आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। यह एसआईटी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष द्वारा मुख्यमंत्री

सिद्धरामैया को लिखे गए एक पत्र के आधार पर गठित की गई है। पत्र में एक व्यक्ति ने अदालत में बयान दर्ज कराया है कि धर्मस्थल में सैकड़ों शव दफनाए गए हैं। एक निजी मीडिया संस्थान ने मानव खोपड़ी मिलने और एक लापता मेडिकल छात्रा के परिवार के बयान की खबर प्रसारित की है। महिला आयोग ने इसे गंभीरता से लिया है। बताया गया है कि पिछले 20 वर्षों में कई महिलाओं और छात्राओं के खिलाफ अत्याचार, हत्या, बलात्कार, अप्राकृतिक मृत्यु और गुमशुदगी जैसे गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं। धर्मस्थल पुलिस स्टेशन में बीएनएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गृह विभाग ने कहा है कि वह महिला आयोग के पत्र के आधार पर इस मामले सहित व्यापक जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) का गठन करेगा। प्रणव मोहंती एसआईटी के प्रमुख हैं, और अन्य आईपीएस अधिकारियों में पुलिस उप महानिरीक्षक एम.एन. अनु-चेथ, बेंगलूरु केंद्रीय प्रशासनिक सेवा (सीएआर) मुख्यालय की पुलिस उपायुक्त सौम्यमलता और बेंगलूरु आंतरिक सुरक्षा प्रभाग के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार दयामा शामिल हैं। धर्मस्थल में दर्ज मामले के साथ-साथ राज्य के अन्य पुलिस थानों में दर्ज और दर्ज होने वाले सभी अन्य आपराधिक मामलों को महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक द्वारा इस विशेष जाँच दल को हस्तांतरित किया जाएगा। निर्देश दिया गया है कि टीम को आवश्यक अधिकारी और कार्मिक उपलब्ध कराए जाएँगे, दक्षिण कन्नड़ जिला पुलिस कार्यालय में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जाएगा और जाँच की प्रगति की जानकारी समय-समय पर महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक को सौंपी जाएगी। एसआईटी को पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक के माध्यम से सरकार को जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर 40 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर, राजस्व खुफिया निद-शालय (डीआरआई) की बेंगलूरु क्षेत्रीय इकाई ने देवनहल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 40 करोड़ रुपये मूल्य की 4 किलोग्राम से अधिक कोकीन के साथ एक पुरुष यात्री को गिरफ्तार किया। जब्त किए गए कोकीन का वजन 4,006 ग्राम (4 किलोग्राम से अधिक) था और इसका अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 40 करोड़ रुपये आंका गया है। वित्त मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोहा से आए आरोपी को बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोका गया। यात्री के सामान की सावधानीपूर्वक जाँच करने पर पता चला कि उसके पास दो सुपरहीरो कॉमिक्स/पत्रिकाएँ थीं। वे असामान्य रूप से भारी थीं। अधिकारियों ने पत्रिकाओं के कवर में छिपाए गए सफेद पाउडर को सावधानीपूर्वक जब्त कर लिया। पाउडर में कोकीन पाया गया और उसे एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया। बाद में यात्री को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पिछले मार्च में इसी तरह की एक घटना में, 12.56 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी सोने की छड़ें ले जा रहे एक यात्री को बेंगलूरु हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था। विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, डीआरआई अधिकारियों ने लगभग 33 वर्षीय एक भारतीय महिला यात्री को रोका और उसकी तलाशी ली, जो 3 मार्च, 2025 को दुबई से एमिरेट्स की उड़ान से बेंगलूरु पहुँची थी। इस दौरान उसके पास से 14.2 किलोग्राम सोने की छड़ें बरामद हुईं, जिन्हें बड़ी चालाकी से छिपाया गया था। सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत 12.56 करोड़ रुपये मूल्य की यह प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर ली गई। छापेमारी के बाद, डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलूरु के लावेल रोड स्थित उसके आवास पर तलाशी ली, जहाँ वह अपने पति के साथ रहती थी। तलाशी के दौरान, 2.06 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये मूल्य की भारतीय मुद्रा जब्त की गई।

सरकारी क्वार्टर में एक साल में दूसरी चोरी से चिंता बढ़ी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन के पास राजस्व विभाग के सरकारी क्वार्टर में शनिवार देर रात चोरी की सूचना मिली, जो रविवार की सुबह तक जारी रही। परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि 3 से 4 बदमाशों का एक समूह इसमें शामिल था।

कथित तौर पर अपराधियों ने कम से कम तीन घरों में सेंध लगाई और कई हजार रुपये का कीमती सामान लेकर फरार हो गए। इसी क्वार्टर में यह दूसरी ऐसी घटना है। लगभग एक साल पहले भी चोरों ने इस इलाके को निशाना बनाया था और लाखों रुपये के सोने के आभूषण चुरा लिए थे। उस समय सीसीटीवी निगरानी नहीं थी। उस घटना के बाद, निवासियों ने कैमरे लगवाने की पहल की। हालाँकि, पिछले मामले के अपराधियों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। एक साल के भीतर दूसरी चोरी की घटना के साथ, निवासियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और वर्तमान में जाँच चल रही है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सिद्धरामैया पहले सत्ताधारी पार्टी के विधायकों के सवालों का जवाब दें: विजयेंद्र

अनुदान का इंतजार कब तक करना होगा

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पहले सत्ताधारी पार्टी के विधायकों के सवालों का जवाब देने की चुनौती दी है। शहर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया पहले कांग्रेस विधायकों के सवालों का जवाब दें और फिर विपक्षी पार्टी को चुनौती दें। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि मैसूरु अधिवेशन में जो हुआ, वह पूरे राज्य की जनता ने देखा है। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में विधायक निधि के अभाव से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता इस बात पर बहस कर रही है कि सिद्धरामैया राज्य के मुख्यमंत्री हैं या सिर्फ कांग्रेस विधायकों के मुख्यमंत्री हैं। सिद्धरामैया ने कोई दस्तावेज नहीं दिया है कि वे विकास के लिए 50 करोड़ रुपये का अनुदान देंगे। उन्होंने सिर्फ कांग्रेस विधायकों को पत्र लिखा है। उन्होंने तंज कसा कि 50 करोड़ रुपये के अनुदान का इंतजार कब तक करना होगा। विपक्षी पार्टी को धन देने के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। कांग्रेस पार्टी के भीतर इस बात पर विचार-विमर्श चल रहा है कि किसे मुख्यमंत्री बनाया जाए। संकेत मिल रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल में भी विधायकों की खरीद-फरोख्त शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ दल के विधायकों के उनके खिलाफ जाने पर 50 करोड़ रुपये का अनुदान देने का फैसला किया है। हालाँकि, ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों को मुख्यमंत्री पर भरोसा नहीं है। नतीजतन, उन्होंने विश्लेषण किया कि कांग्रेस प्रभारी सुरजेवाला बार-बार कर्नाटक आकर विधायकों को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार ने नवंबर या उससे पहले मैसूरु अधिवेशन में कांग्रेस पार्टी सरकार में क्रांति के संकेत दिए थे। कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। राज्य में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि लोग जहाँ भी राज्य में कांग्रेस सरकार के सिद्धरामैया के नेतृत्व के बारे में पूछताछ करने जाते हैं, वे उन्हें कोसते हैं। कोप्पल केआरआईडीएल में अनियमितताओं के संबंध में मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि 72 करोड़ रुपये का काम हुए बिना ही बिल देने और पैसा कमाने का मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि राज्य के हर जिले में घोटाले हो रहे हैं और भाजपा इस पर चर्चा करेगी और इसके खिलाफ लड़ेगी। इस मौके पर श्रीरामुलु और जनार्दन रेड्डी से संबंधित मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि श्रीरामुलु और जनार्दन रेड्डी हमारी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। जब वे साथ मिलकर चुनाव में उतरे, तो भाजपा ने कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में अधिक सीटें जीतीं। दोनों ने यह कहकर मेरा सहयोग भी किया है कि वे पार्टी के प्रति वफादार रहकर पार्टी संगठन को मजबूत करेंगे।

भाजपा को संगठित करने के लिए गंगावती में विशेष बैठक

इससे पहले भाजपा संगठन से जुड़ी कोप्पल और बल्लारी जिला इकाइयों की गंगावती में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने बैठक की अध्यक्षता की। बी.वाई. विजयेंद्र ने कोप्पल और बल्लारी जिलों में गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने तथा एक मजबूत संगठन के लिए भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को सलाह और मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश सह-प्रभारी पी. सुधाकर रेड्डी, सांसद गोविंद करजोल, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, विधानसभा में विपक्ष के मुख्य सचेतक डोड्डानगौड़ा पाटिल, विधायक गली जनार्दन रेड्डी, प्रदेश महासचिव पी. राजीव, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु, भाजपा के प्रदेश सचिव शरणु तारिकेरी, के.एस. दिवाकर, भाजपा कोप्पल जिला अध्यक्ष ददेसगुरु बसवराज, बल्लारी जिला अध्यक्ष अनिल कुमार मोका, पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संघपति सुनील शर्मा का शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज ने किया सम्मान

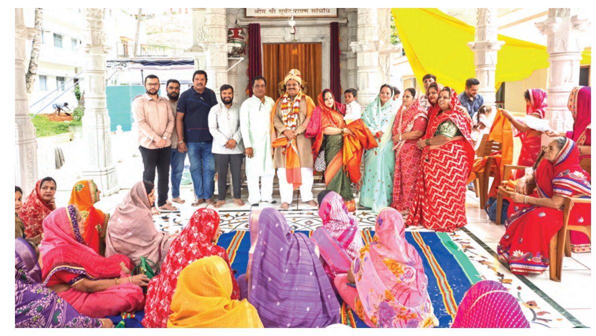

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख एवं बेंगलूरु समाज अध्यक्ष सुनील शर्मा द्वारा श्रावण के पवित्र माह में पांच दिवसीय त्रिज्योतिर्लिंग देवदर्शन यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बस द्वारा सर्वप्रथम महाराष्ट्र के रांजणगांव स्थित अष्टविनायक में से एक महागणपति मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ।

तत्पश्चात यात्रा संघ विश्वप्रसिद्ध शनिशिंगणापुर मंदिर में दर्शन कर कृतार्थ हुए। इसके पश्चात यात्रा संघ प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग घृष्णेश्वर, त्रयंबकेश्वर तथा भीमाशंकर में महादेव के आस्था एवं उल्लास से दर्शन कर हर हर महादेव के जयकारों के साथ पुनः बेंगलूरु पहुंचा। इसी बीच रविवार को शहर के जे.पी. नगर स्थित सूर्य मंदिर में स्थानीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश शर्मा के नेतृत्व में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जिसमें शर्मा परिवार का गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में तीर्थ यात्रा संघ के लाभार्थी शर्मा परिवार के सुनील शर्मा, संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा का माला, शॉल एवं साफा पहनाकर बहुमान किया गया। स्वागत समारोह में प्रसादी के लाभार्थी मालती बाई, कैलाश शर्मा को समाज अध्यक्ष सुनील शर्मा ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर बाबूलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा, कैलाश शर्मा, भूपेश कश्यप, अविनाश शर्मा, संदेश शर्मा, सुमित शर्मा, सुरेश शर्मा, निर्मल शर्मा सहित सैकड़ों समाज बंधु उपस्थित थे।

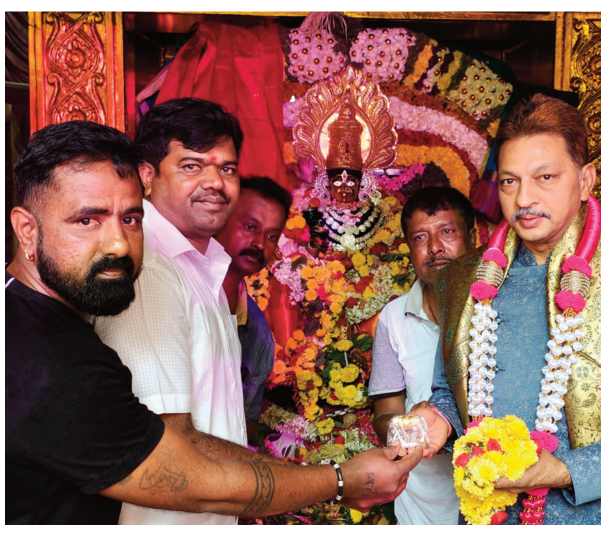

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंजूनाथ नगर अन्नमा देवी सेवा समिति द्वारा आयोजित अन्नमादेवी उत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। समिति के स्वामी गौड़ा एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर गुरु पूजा उत्सव आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस. एस.) शाखा बेलन्दूर नगर का राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को न्यू होरिजन इंजीनियरिंग कॉलेज में गुरु पूजा उत्सव, गुरु दक्षिणा कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में रामु वाल्मीकि, निदेशक एम्बेडेड सिस्टम इंटरट्रस्ट टेक्नोलॉजी ने संबोधित करते हुए कहा कि सूर्य की लालिमा के प्रतीक के रूप में आर. एस. एस. का भगवा ध्वज शक्ति व समर्पण का भाव उजागर करता है। जीवन के कठिन मार्ग को प्रशस्त करने के लिए गुरु का होना अति आवश्यक है। भगवा ध्वज ही हमारा गुरु है जो त्याग एवं समर्पण भाव का प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि देवानंद, संघ संपर्क प्रमुख कर्नाटक दक्षिण प्रान्त उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, ध्वजारोहण, ध्वज वंदन, संघ प्रार्थना तथा गुरु दक्षिणा अर्पण के साथ हुआ। इस मौके नगर कार्यवाह श्रीनिवास पाई, वर्तुर भाग व्यवस्था प्रमुख बाबू रेड्डी, नगर व्यवस्था प्रमुख मंजूनाथ रेड्डी, भूपेश कश्यप, प्रकाशसिंह, प्रकाश भायल, बुधाराम राठौड़, अरुण शर्मा, थानाराम, गणपतसिंह, आकाश, बाबूलाल, सोहनलाल, नेमीचन्द पारीक, करणसिंह सहित संघ के कई स्वयं सेवक एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत डोड्डबल्लापुर क्षेत्र के 6000 विद्यार्थियों के लिए लायंस क्लब को नोटबुक्स प्रदान की गई। डोड्डबल्लापुर लायंस क्लब के एसवी नजुंडेश्वरा स्वामी, डॉक्टर हुलिकल नटराज, एएन जगदीश एवं महालक्ष्मी ने महेद्र मुणोत को सम्मानित किया।

साधनामयी जीवन से ही उत्तम वृद्धावस्था का निर्माण संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यलहंका में विराजित पूज्य श्री लोकेश मुनि जी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना जो उत्तराध्ययन सूत्र में लिखा गया हैं, का वर्णन करते हुए फरमाया की साधनामयी जीवन से ही उत्तम वृद्धावस्था का निर्माण हो सकता है। जो जीव आरंभ, सारम्भ, हिंसा और प्रमाद में डूबा रहता हैं उसे मृत्यु भी बड़ी भयानक मिलती हैं। भगवान महावीर ने धर्म की परिभाषा को एक वाक्य में प्रस्तुत किया था और उसी एक वाक्य को आधार बना कर 28 आगमों की रचना की गई थी। पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी ने फरमाया कि कभी-कभी मांगने से कुछ नहीं मिलता लेकिन पूर्ण पुरुषार्थ और धैर्य रखने से मिल जाते हैं। जीवन में कभी भी निष्क्रिय या शांत नहीं रहना चाहिए, कुछ ना कुछ कार्य करते रहना चाहिए। क्योंकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। गुण ग्रहण करने की क्षमता होनी चाहिए, जहाँ भी सद्गुण दिखे हमें उसे ग्रहण कर लेना चाहिए। जो व्यक्ति गुणी, ज्ञानी तपस्वी और साधक हो, उन्हें गुरु बनाना सबसे योग्य हैं। चाहे साधु साध्वी किसी भी पंथ के हो हमें उनसे सद्गुण ग्रहण कर साधना करनी चाहिए। मालव केशरी श्री सौभाग्यमलजी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई और जयमल संप्रदाय के आचार्य श्री जीतमलजी की जन्म जयंती पर उन्हें याद कर गुणगान किया गया। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने स्वागत किया एवं सभा का संचालन मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

चालक के नियंत्रण खोने से बस घर के परिसर में जा घुसी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। के एसआरटीसी एनयूआरएम सिटी बस शनिवार शाम डेरेबाइल के पास लैंड लिंक्स टाउनशिप में उस वक्त एक घर की दीवार और सीढ़ियों से टकरा गई, जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। गनीमत रही कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह घटना शाम करीब 4:30 बजे हुई जब लैंड लिंक्स-बाजल पडपु रूट पर चलने वाली एनयूआरएम सिटी बस अपने आखिरी पड़ाव पर यात्रियों को उतारकर वापस लौटने की कोशिश कर रही थी। इस दौरान चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस पास के एक घर की दीवार तोड़कर छत की ओर जाने वाली सीढ़ियों से टकरा गई। इस टक्कर में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और घर की दीवार और सीढ़ियों को भी नुकसान पहुँचा। बताया जा रहा है कि उस समय घर खाली था, क्योंकि मालिक कहीं और रहते हैं। घटना के दौरान बस में चालक और कंडक्टर समेत कुछ ही लोग सवार थे। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है और कोई पुलिस मामला दर्ज नहीं किया गया है।

नए सत्र की योजनाओं पर चिंतन मनन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के नव मनोनीत अध्यक्ष जितेश दक की अध्यक्षता में प्रथम कार्यसमिति बैठक तेरापंथ भवन राजाजीनगर में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण से हुई। तेयुप कार्यकारिणी सदस्य एवं एबीटीवाईपी के कार्यसमिति सदस्य कमलेश गन्ना द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। विजय गीत का संगान भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम द्वारा हुआ। उपाध्यक्ष जयंतीलाल गाँधी ने सत्र 2024-25 की षष्ठम् कार्यकारिणी बैठक का वाचन किया। तेयुप अध्यक्ष जितेश दक ने सभी का स्वागत करते हुए तेयुप के त्री-आयामी सूत्र सेवा-संस्कार-संगठन के अंतर्गत आने वाले कार्य एवं अभातेयुप द्वारा निर्देशित आयामों का निष्ठा पूर्वक कार्य करने का लक्ष्य रखा और आगे आने वाले दिनों में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी प्रदान की। तेयुप मंत्री अनिमेष चौधरी ने अभातेयुप द्वारा निर्देशित आयामों के प्रभारी एवं संयोजक- सहसंयोजक की नियुक्ति की। निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने विचार व्यक्त करते हुए कहा सभी सदस्यों को साथ मिलकर हर आयाम को सम्पादित करना है और युवाओं को आगे आकर संघ के आयामों में अपनी ज्यादा से ज्यादा सहभागिता प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। कमलेश गन्ना ने विचार व्यक्त करते हुए आने वाले बड़े आयाम एमबीडीडी पर अपने विचार व्यक्त किए एवं युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया। मंच संचालन मंत्री अनिमेष चौधरी ने किया एवं आभार सहमंत्री रवि चौधरी ने व्यक्त किया।

व्यक्ति को जंजीरों से बांधकर प्रताड़ित किया गया, दो गिरफ्तार

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में काम पर न आने पर एक व्यक्ति को अवैध रूप से हिरासत में लेकर लोहे के खंभे से जंजीरों से बांध दिया गया। सोशल मीडिया पर इस घटना के प्रकाश में आने के बाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। विजयपुरा के पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निम्बार्गी ने गिरफ्तार लोगों के नाम विजयपुरा जिले के चड़चन निवासी कुमार उर्फ अर्जुन सिद्दोदा बिरादर और उमरानी निवासी श्रीशैल गिरियप्पा पीरगोंड बताए हैं। यह घटना हट्टाल्ली गाँव में हुई, जहाँ 18 जुलाई को आरोपियों ने पीड़ित, 38 वर्षीय बाशासब अलाउद्दीन मुल्ला को एक खंभे से जंजीरों से बांध दिया था। पुलिस के अनुसार, बाशासब ने ड्राइवर के रूप में काम करने के लिए कथित तौर पर 20,000 की अग्रिम राशि ली थी, लेकिन तुरंत काम पर नहीं आया। जब उसने कथित तौर पर पैसे लौटाने में देरी की, तो श्री कुमार और श्रीशैल उसे जबरदस्ती अपनी मोटरसाइकिल पर हट्टाल्ली गाँव ले आए। इसके बाद, उसे सुबह से शाम तक एक दुकान के सामने खंभे से जंजीरों से बांध दिया गया और रकम वापस न करने पर दोनों ने उसके साथ दुर्व्यवहार भी किया।

चुनौती को पार करने का मार्ग है भक्ति में समर्पण : सुधांशु जी महाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां राजनकुंटे के आदिनाथपुरम में स्थित श्रीधाम आश्रम बेंगलुरु में गुरु भक्तों के लिए खास अवसर रहा। लाखों भक्तों के प्रेरणास्रोत परम पूज्य महाराज ने कहा कि हर व्यक्ति के साथ जीवन भर चुनौती और समस्या बनी रहती है, उन सबको पार करने के लिए सद्गुरु की शरण में जाने को कहा। जीवन को आनंदपूर्ण बनाकर धर्म की क्षेत्र में सेवा करते हुए यापन करने वाले व्यक्ति के ऊपर गुरु और भगवान की कृपा अवश्य होती है।

सुधांशु जी महाराज को सुनने आए गुरु शिष्यों ने सद्गुरु के समीप्य बैठकर उनके मुखारविंद से बह रही अमृत सन्देश को सुनकर खुद को नेक व्यक्ति बनकर धर्म का कार्य करते हुए जीवन यापन करने के संकल्प दोहराए। कार्यक्रम का समापन गुरु दर्शन पादुका पूजन एवं महाआरती के साथ सम्पन्न हुआ।

पांच जिलों में फिर से हरियाली लेकर आई ईशन नदी

छोटी नदियों के कायाकल्प से बढ़ रही हरियाली

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश सरकार के संकल्प और स्थानीय लोगों के समर्पण से एक और भूली-बिसरी नदी को नया जीवन मिल गया है। वर्षों से सूखी, गाद से भरी और अतिक्रमण की शिकार रही ईशन नदी अब फिर से बहने लगी है। एटा, हाथरस, मैनपुरी, कन्नौज और कानपुर नगर में यह नदी हरियाली और खुशहाली का संदेश लेकर लौटी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देशों पर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग भी युद्धस्तर पर इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं।

प्रदेश में छोटी नदियों के कायाकल्प का अभियान न केवल पारिस्थितिकी को संजीवनी दे रहा है, बल्कि किसानों की खुशहाली का माध्यम भी बन रहा है। एटा के जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह ने बताया कि एटा जिले में 57 किलोमीटर लंबी ईशन नदी का पुनरुद्धार होने से 44 ग्राम पंचायतों के किसान लाभान्वित हुए हैं। मनरेगा के तहत तालाबों की खुदाई की गई, वहीं वन विभाग तथा संबंधित जिला गंगा समितियों ने नदी के किनारे बड़े पैमाने पर पौधरोपण कर हरियाली को बढ़ावा दिया है। ईशन नदी का पुनरुद्धार अब पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायी मॉडल बन चुका है।

ईशन नदी जनपद एटा के विकास खंड निधौली कलां के ग्राम नगला गोदी (ग्राम पंचायत मनौरा) से एटा में प्रवेश करती है।

सीडीओ डॉ. नागेंद्र नारायण मिश्र के अनुसार यह नदी निधौली कलां के 10, शीतलपुर के 4 और सकीट के 30 ग्राम पंचायतों से गुजरती है। एटा जिले की कुल 44 ग्राम पंचायतों से होते हुए यह नदी मैनपुरी, कन्नौज से गुजरकर कानपुर नगर के बिल्हौर में गंगा नदी में समाहित हो जाती है। सरकार की पहल और जन सहयोग ने ईशन नदी को पुनर्जीवित कर दिया है। यह वही नदी है जो कभी अतिक्रमण से दब चुकी थी, लेकिन अब जीवनदायिनी जलधारा बन गई है। सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग के तकनीकी सहयोग ने इस काम को आसान बनाया, जबकि प्रमुख नालों की सफाई का कार्य सिंचाई ड्रेनेज खंड द्वारा किया गया। जल संकट को देखते हुए नदी को सदानीरा बनाए रखने हेतु यह योजना बनाई गई है। नदी का यह पुनर्जागरण न सिर्फ एक पर्यावरणीय प्रयास है, बल्कि यह एक सामाजिक और आर्थिक बदलाव की कहानी भी है।

स्कूलों के ऊपर से हटेंगी बिजली की एचटी-एलटी लाइनें

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)।
यूपी के माध्यमिक और बेसिक स्कूलों के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइनें हटाई जाएंगी।

इसके लिए विभाग द्वारा 80 करोड़ का बजट आवंटित किया जाएगा। प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक व राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के ऊपर से गुजर रहीं हाईटेंशन और एलटी लाइनें हटेंगी। बिजली विभाग ने इसके लिए 80 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है।

इस संबंध में पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने पूर्वांचल, मध्यांचल, पश्चिमांचल व दक्षिणांचल के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि एचटी-एलटी लाइनें हटाने के लिए डीएम, सीडीओ, बीएसए, डीआईओएस आदि की कमेटी होगी। यह ऐसे सरकारी विद्यालयों को चिन्हित करेगी, जिसके ऊपर से एचटी-एलटी लाइनें गुजर रही हैं और इसे शिफ्ट करने की प्राथमिकता तय करेगी। शिफ्टिंग कार्य यथासंभव विद्यालयों की छुट्टी के समय कराया जाए। यदि जरूरत पड़ेगी तो स्कूलों में कुछ समय के लिए अवकाश भी किया जा सकता है। उन्होंने सभी को निर्देश दिया है कि तीन दिन में समिति का गठन कर बैठक कराकर त्वरित कार्रवाई शुरू की जाए।

बिहार में रोजगार मेले में उमड़ी भीड़ पर राहुल का सरकार पर हमला

नई दिल्ली,20 जुलाई (एजेंसियां)।
कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में एक रोजगार मेले में उमड़ी बेरोजगार युवकों की भारी भीड़ को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बिहार के युवा अब लच्छेदार बातों की फेर में आने वाले नहीं है बल्कि उन्हें रोजगार की गारंटी चाहिए और यह काम कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन ही कर सकता है।

श्री गांधी ने कहा कि बेर-ोजगार युवकों यह भीड़ बताती है कि बिहार के काबिल युवाओं के लिए सरकार रोजगार मुहैया नहीं कराई पा रही है।

बिहार का युवा भाषण नहीं रोजगार चाहता है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें रोजगार देने में विफल रही है।

उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा 'महारोज़गार मेला में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ़ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोज़गार से अपना भविष्य चाहता है। भाजपा और नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोज़गारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोज़ी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है अपना गांव, अपना परिवारसब कुछ पीछे छोड़ना पड़ता है। बिहार के युवा कर्मठ हैं, काबिल हैं, होनहार हैं -उनकी ज़रूरत बस स्थानीय और सम्माननीय रोज़गार है।'

श्री गांधी ने कहा कि अब बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन सिर्फ़ आश्वासन नहीं, समाधान लेकर आया है।

उन्होंने कहा 'हमारा फ़ोकस साफ़ है - हुनर को हक़, हर युवा को रोज़गार, रुके पलायन, साथ रहे हर परिवार। इसी रास्ते बनेगा एक समृद्ध बिहार।'

श्रीनिवासन और सुदर्शन वेणु से मिलकर खुशी हुई : मोदी

नई दिल्ली,20 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि टीवीएस मोटर कंपनी के श्री वेणु श्रीनिवासन और श्री सुदर्शन वेणु से मिलकर उन्हें अपार खुशी हुई।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आज एक पोस्ट में कहा,'मैं कच्छ की सुंदरता को दर्शाने और मोटरसाइकिल सवारों को वहाँ जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उनके प्रयास की सराहना करता हूँ। दरअसल टीवीएस मोटर कंपनी के अध्यक्ष वेणु श्रीनिवासन और उनके पुत्र सुदर्शन वेणु ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री 'रण उत्सव 2025' कॉफी टेबल बुक भेंट की।

श्री मोदी ने आज सुबह इस मुलाकात से जुड़ी तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर री-पोस्ट की। उन्होंने कच्छ की खूबसूरती को दर्शाने के लिए वेणु श्रीनिवासन के प्रयासों की सराहना की।टीवीएस के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को टीवीएसएम रण उत्सव 2025 कॉफ़ी टेबल बुक भेंट की।

उल्लेखनीय है कि इस साल फरवरी में टीवीएस मोटर कंपनी ने गुजरात पर्यटन के साथ साझेदारी में रण उत्सव में एक असाधारण मोटरसाइकिलिंग अनुभव का आयोजन किया जिसमें क्षेत्र की संस्कृति, प्राकृतिक दृश्यों और विरासत को प्रदर्शित किया गया जो युवाओं के बीच कच्छ को एक पर्यटन स्थल के रूप में लोकप्रिय बनाने के श्री मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित है।

बरेका की ऐतिहासिक उपलब्धि, 2500वें विद्युत रेल इंजन का किया निर्माण

बनारस, 20 जुलाई (एजेंसियां)।
बनारस रेल इंजन कारखाने ने 2017 में दो विद्युत इंजन के निर्माण के साथ अपना सफर शुरू किया था और अब इसने 2500वें इंजन बनाने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है।

कंपनी तकनीकी उत्कृष्टता और नवाचार की रोज नई ऊंचाइयों को छू रही है। बरेका ने अब तक 10,822 लोकोमोटिव बनाये हैं, जिनमें 7498 डीज़ल इंजन और 2500 विद्युत इंजन शामिल है। इनमें से 641 गैर-रेलवे ग्राहकों के लिए, 174 निर्यातित डीज़ल इंजन, 01 ड्यूल ट्रैक्शन इंजन, 08 कन्वर्जन इंजन शामिल हैं।

बरेका ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में योगदान देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 472 इलेक्ट्रिक लोको का निर्माण किया है। यह बरेका की उत्पादन क्षमता, दृढ़ इच्छाशक्ति और तकनीकी सामर्थ्य को दर्शाता है।

बरेका द्वारा निर्मित 2500वां विद्युत इंजन आधुनिक तकनीक से लैस डब्ल्यूएपी-7 श्रेणी का है, जिसमें 6000 एचपी क्षमता, वातानुकूलित कैब, रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग और 140 किलोमीटर/घंटा की रफ्तार की क्षमता है। यह इंजन दक्षिण- पश्चिम रेलवे के कृष्णराजपुरम शेड को भेजा जा रहा है।

बरेका के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने 2500 वें लोकोमोटिव का लोकार्पण मीडिया की टीम की मौजूदगी में किया । कार्यक्रम की शुरुआत 'हॉल ऑफ फेम' में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण से हुई, जिसमें बरेका के निर्माण इतिहास, निर्यात उपलब्धियों, स्वदेशीकरण, हरित ऊर्जा प्रयासों एवं तकनीकी नवाचारों को रेखांकित किया गया। इसके बाद रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने मीडिया टीम के साथ बरेका का निरीक्षण किया।

इस दौरान प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी परिषद् सदस्य और काफी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। बरेका को हाल ही में मोज़ाम्बिक रेलवे से 10 आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव का ऑर्डर मिला है, जिनमें से दो इंजन जून में भेजे जा चुके हैं। शेष आठ इंजनों की आपूर्ति दिसंबर 2025 तक की जाएगी। बरेका मोज़ाम्बिक, तंजानिया, वियतनाम, म्यांमार, माली, अंगोला, बंगलादेश, श्रीलंका, मलेशिया, नेपाल और सूडान डीजल इंजन की आपूर्ति करता है।

गौरतलब है कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने अप्रैल 1956 में इस कारखाने का शिलान्यास किया था। वहीं, अगस्त 1961 में डीजल-विद्युत रेल इंजन निर्माण लिए एल्को-अमेरिका के सहयोग से 'डीजल रेल इंजन कारखाने' की स्थापना हुई। जनवरी 1964 में प्रथम रेल इंजन का निर्माण कर राष्ट्र को समर्पित किया गया। जनवरी 1976 में इसका निर्यात बाजार में प्रवेश हुआ और प्रथम रेल इंजन तंजानिया को निर्यात किया गया। इसके बाद दिसम्बर 1977 में प्रथम डीजल जनित सेट कमीशन किया गया। अक्टूबर 1995 में अत्याधुनिक माइक्रोप्रोसेसर नियंत्रित, एसी-डीजल इलेक्टिक रेल इंजनों के निर्माण के लिए अमेरिका की जनरल मार्टर्स से समझौते किया गया। इसके बाद कंपनी ने फरवरी 1997 में अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) 9002 प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

मणिपुर में सुरक्षा बलों का अभियान तेज, कई गिरफ्तार

इंफाल, 20 जुलाई (एजेंसियां)।
मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद पर अंकुश लगाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सीमांत और संवेदनशील जिलों में तलाशी और धरपकड़ अभियान तेज कर दिया है। कल आतंकवाद रोधी अभियानों के अंतर्गत विभिन्न स्थानों से हथियार जब्त किए गए और कई लोगों की गिरफ्तारियां हुईं।

पुलिस ने रविवार को बताया कि चुराचांदपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक गांव में अभियान के दौरान हथियारों और तकनीकी उपकरणों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया। जब्त की गई वस्तुओं में राइफलें, एक पिस्तौल, मोर्टार और रॉकेट बम सहित विस्फोटक उपकरण, हथगोले, आंसू गैस के गोले, दंगा-रोधी रबर की गोलियां, बुलेटप्रूफ प्लेटें, तकनीकी जैकेट, वायरलेस सेट और सहायक उपकरण, कारतूस बेल्ट और एक पिस्टल पाउच शामिल है।

एक अलग घटनाक्रम में, सुरक्षाकर्मियों ने इंफाल पश्चिम के एक बाज़ार की पार्किंग से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो कथित रूप से घाटी क्षेत्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर जबरन वसूली में शामिल था। इस पर यह भी आरोप है कि वह आपराधिक मामलों में मध्यस्थता करने में शामिल था, जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले भी शामिल हैं।

सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित समूहों से जुड़े व्यक्तियों की गिरफ्तारी की है। एक संदिग्ध को एक लक्षित अभियान में इंफाल पूर्व के एक गांव से गिरफ्तार किया गया और बाद में उससे मिली जानकारी के आधार पर एक अन्य व्यक्ति को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। इंफाल पश्चिम में सुरक्षा बलों ने एक सार्वजनिक हॉल के निकट से एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया।

अमित शाह ने हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं को लेकर बहु-क्षेत्रीय केंद्रीय टीम के गठन का दिया निर्देश

नई दिल्ली,20 जुलाई (एजेंसियां)।
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति व तीव्रता को देख एक बहु-क्षेत्रीय केंद्रीय टीम के गठन का निर्देश दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में यह महसूस किया गया कि हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़, भूस्खलन और मूसलाधार वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई है, जिससे राज्य में व्यापक जनहानि, बुनियादी ढांचे और आजीविका को नुकसान और पर्यावरण क्षरण हुआ है।

अमित शाह ने तुरंत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की, भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे, भूविज्ञानी और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान

(आईआईटी) इंदौर के विशेषज्ञों की एक बहु-क्षेत्रीय केंद्रीय टीम गठित करने का आदेश दिया।

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान बाढ़, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के मद्देनजर, केंद्र सरकार ने उनके ज्ञापन का इंतजार किए बिना ही, नुकसान का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) को पहले ही भेज दिया है। यह अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल 18 से 21 जुलाई तक राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्र सरकार आपदाओं के समय बिना किसी भेदभाव के राज्यों के साथ मजबूती से खड़ी है। इसी दिशा में, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने वर्ष 2023 के लिए बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हिमाचल प्रदेश को 2,006.40 करोड़ रुपए के परिव्यय को पहले ही मंजूरी दे दी है और 7 जुलाई 2025 को 451.44 करोड़ रुपए की पहली किस्त भी जारी कर दी है।

इसके अलावा, राज्य के प्रभावित लोगों की सहायता के लिए, केंद्र सरकार ने तत्काल राहत उपायों के लिए 18 जून 2025 को राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से हिमाचल प्रदेश को 198.80 करोड़ रुपए की केंद्रीय हिस्सेदारी की पहली किस्त पहले ही जारी कर दी है।

केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश सहित सभी राज्यों को आवश्यक राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) टीमें, सेना टीमें और वायु सेना की तैनाती सहित सभी प्रकार की रसद सहायता भी प्रदान की है। राज्य में बचाव और राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ की कुल 13 टीमें तैनात हैं।

उत्तर प्रदेश का रिकॉर्ड तोड़ पौधा रोपण अभियान

कोई तो बताए... जमीन पर कहां लगे हैं पौधे?

जितने पौधे रोपे, तो खाली जमीन नहीं बचनी चाहिए

आशीष सागर दीक्षित

लखनऊ/बांदा, 20 जुलाई। उत्तर प्रदेश सरकार ने हर साल की तरह इस बार वर्ष 2025-26 में भी वार्षिक पौधरोपण अभियान के तहत 35 करोड़ पौधे रोपने का दावा किया। बुंदेलखंड में भी वार्षिक कीर्तिमान पौधरोपण को सुगम और सफल बनाने के लिए तमाम कवायद हुई। 35 करोड़ पौधे रोपने के लिए किन-किन नर्सरियों से पौधे लिए गए या उनका पहले कहां-कहां बीज-ारोपण किया गया, इसके बारे में सरकार ने कोई तथ्य प्रस्तुत नहीं किया है।

पौधे रोपने के सरकारी आंकड़े बताते हैं कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में 5.72 करोड़ पौधे रोपे गए। वित्तीय वर्ष 2018-19 में 11.77 करोड़ पौधे, वित्तीय वर्ष 2019-20 में 22.60 करोड़ पौधे, वित्तीय वर्ष 2020-21 में 25.87 करोड़ पौधे, वित्तीय वर्ष 2021-22 में 30.53 करोड़ पौधे, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 35.49 करोड़ पौधे, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 36.16 करोड़ पौधे और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 36.74 करोड़ पौधों का रोपण उत्तर प्रदेश सरकार ने किया।

यानि इस दरम्यान कुल 204.88 करोड़ पौधे रोपे गए। सरकार का दावा है 70 से 80 फीसदी पौधे जीवित हैं। बहरहाल, इस वर्ष यूपी सरकार ने 2025 का पौधरोपण लक्ष्य 35 करोड़ रखा है। यह एक जुलाई से प्रारंभ हुआ और सितंबर तक चलेगा। जिसमें अकेले चित्रकूट मंडल के बांदा 64 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जाना है।

सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने हरियाली और खुशहाली के सब्जबाग में विभागों को विगत वर्षों की तर्ज पर 35 करोड़ पौधरोपण की जिम्मेदारी दी। आंकड़ों और निर्देश-दस्तावेजों पर नजर डालें दे तो राजस्व विभाग

1.06 करोड़ पौधरोपण, पंचायतीराज विभाग 1.28 करोड़ पौधरोपण, उद्यान विभाग 1.55 करोड़ पौधर-ोपण, कृषि विभाग 2.50 करोड़ पौधरोपण,वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग 14 करोड़ पौधर-ोपण,ग्राम्य विकास विभाग 12.59 करोड़ पौधरोपण और अन्य विभागों पर 2.02 करोड़ पौधों के रोपण की जिम्मेदारी दी गई।

यूपी के खनन क्षेत्र सोनभद्र में 1.53 करोड़, झांसी में 97 लाख, लखीमपुर में 95 लाख, जालौन में 94 लाख, मिर्जापुर में 93 लाख पौधरोपण किए जाने का दावा किया गया है।

वहीं अन्य जनपदों में इनकी संख्या प्रकाशित विज्ञापन के मुताबिक ललितपुर में 88 लाख,प्रयागराज में 75 लाख, हमीरपुर में 74 लाख, चित्रकूट में 73 लाख, महोबा में 71 लाख, बांदा में 66 लाख, बहराइच में 69 लाख, इटावा में 64 लाख, चंदौली में 62 लाख, कानपुर देहात में 61 लाख, बिजनौर में 59 लाख, आजमगढ़ में 57 लाख, सुल्तानपुर में 54 लाख और लखनऊ में 41 लाख बतलाई गई है।

वर्ष 2021 में फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) ने देश के जंगलों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। जिसके अनुसार यूपी बुंदेलखंड के 7 जिलों क्रमशः बांदा का वनक्षेत्र 2.31 प्रतिशत, चित्रकूट का 19.64 प्रतिशत, महोबा का 5.14 प्रतिशत, जालौन का 5.42 प्रतिशत, हमीरपुर का 5.65 प्रतिशत, झांसी का 6.05 प्रतिशत और ललितपुर का वनक्षेत्र 11.54 प्रतिशत था। इस तथ्य को सामने रखें तो हरियाली और खुशहाली के सरकारी आंकड़े बड़े चौंकाने वाले दिखेंगे। पिछले 11 वर्षों में बुंदेलखंड समेत यूपी में जितना पौधरोपण हुआ है यदि वह वास्तविकता में मुक्कमल होता तो लोगों के आवासीय निर्माण के लिए जमीन कम पड़ने लगती। किंतु आंकड़े पब्लिक डोमेन में देने से पूर्व अखबारों और मिडिया संस्थानों जमीनी स्तर पर कोई होमवर्क नहीं किया। सरकार ने कोई सैटलाइट फोटोग्राफी भी जनता के सामने नहीं रखी।

ज्यादातर बबूल के झाड़-झखाड़ के बीच आंशिक जीवित पेड़ ही यहां के जंगल हैं। जबकि जंगल एक सतत दीर्घकालिक उगने और निर्मित होने वाली प्रक्रिया है।

उपरोक्त विज्ञापन साल 2025 में यूपी सरकार ने दो बार प्रकाशित कराया है। इस पौधरोपण का सरकार ने भी कभी सत्यापन, अनुश्रवण, विश्लेषण इस वर्ष या पूर्व के वर्षों में नहीं किया है। मीडिया संस्थानों ने सरकार प्रायोजित खबरें और विज्ञापन उत्साहपूर्वक छापे और प्रसारित किए। धन के आगे जमीनी मूल्यांकन कहां होता है। खबरें और विज्ञापन उत्तर प्रदेश के लोगों को हरियाली का आभास देते रहे। बस काम हो गया।

आंकड़ों की ऐसी ही बाजीगरी से यूपी में चार बार पौधरोपण का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बन चुका है। दो दशकीय इस पौधरोपण घोटाले पर बुंदेलखंड के संदर्भ में बांदा से वर्ष 2020 में एक जनहित याचिका 1874/2020 इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दाखिल हुई और वह दाखिल होकर वहीं रह गई, आजतक लंबित है। यह न्यायपालिका की सोची-समझी शिथिलता है।

अब तक तीन चीफ जस्टिस हाईकोर्ट में आए लेकिन पर्यावरण की चिंता करने वाली जनहित याचिका पर कोई ध्यान नहीं दिया। किसी को यह सवाल पूछने की कती चिंता नहीं है कि सरकार को एक पेड़ मां के नाम पर जनता से लगवाना है, लेकिन एक्सप्रेस-वे, केन-बेतवा लिंक आदि पर लाखों बुजुर्ग पेड़ सरकार को कटवाना है। ऐसे में पौधरोपण के सलाना बढ़ते पौधरोपण आंकड़ों पर निष्पक्ष जमीनी आकलन मुनासिब होगा लेकिन यह कभी संभव नहीं हो पाएगा।

धर्मांतरण गिरोह से मुक्त हुई बहकी हुई दो सगी बहनें

आगरा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। धर्मांतरण गिरोह से मुक्त हुईं सगी बहनों के पिता धर्मांतरण गैंग के तौर-तरीकों को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इन पर खुफिया एजेंसियां छानबीन कर रही हैं। इन महानुभाव की बड़ी बेटी पीएचडी की कोचिंग ले रही थी। वहां उसके साथ जम्मू कश्मीर की युवतियां भी पढ़ने आती थीं। इनमें से एक युवती ने बेटी को धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया। उस युवती ने बेटी की मां से भी फोन पर बात की। पिता ने बताया कि इस दौरान युवती की मंशा थी कि ब्रेनवॉश कर पूरे परिवार का ही धर्मांतरण करा दिया जाए।

पता चला कि धर्मांतरण गिरोह के लोग टारगेट चुनते हैं। इसके बाद इंतजार करते हैं। नाबालिग की जगह बालिग को निशाने पर रखते हैं। इसके लिए गैंग को एक-दो साल का इंतजार करते हैं। जैसे ही 18 वर्ष की उम्र पूरी करते हैं, उस टारगेट पर गिरोह के सदस्य काम करना शुरू कर देते हैं। ब्रेन वॉश कर धर्मांतरण

की कोशिश शुरू कर देते हैं। पुलिस ने बताया कि सदर बाजार स्थित पंजाबी परिवार की बड़ी बेटी एमफिल पास है। वर्ष 2020 में उसकी पहचान जम्मू कश्मीर के उधमपुर निवासी साइमा उर्फ खुशबू से हुई थी।

दोनों में दोस्ती हो गई। साइमा आगरा के लाइफ साइंस से पढ़ाई कर रही थी। वर्ष 2021 में साइमा अपने साथ बड़ी बहन को जम्मू कश्मीर ले गई थी। अचानक लैंडस्लाइड हो गया था। उनकी गाड़ी फंस गईं। किसी तरह उन्हें निकाला गया।

तब साइमा ने खुद को रिटायर इंस्पेक्टर की बेटी बताया था। जम्मू कश्मीर पुलिस की सूचना पर परिजन बेटी को वापस लेकर आए थे। बेटी के घर पहुंचने पर परिवार के लोगों को पता चला कि वह पूजा-पाठ करने से इन्कार कर रही है। वह इस्लाम को मानने लगी थी। वह कई लोगों से फोन पर बातचीत किया करती थी। डाक से उसके पास इस्लाम से संबंधित किताबें आया करती थीं। कई बार घर के पास स्थित मस्जिद से सुबह अजान सुनकर वह उठ जाती थी। नमाज पढ़ने लगी थी। इस पर परिवार के लोग घबरा गए थे। उन्होंने उससे बात की मगर वह मानने के लिए तैयार नहीं हुई। उसकी विशेषज्ञ से काउंसलिंग कराई गई। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि बड़ी बेटी छोटी का भी ब्रेन वॉश कर देगी। 24 मार्च को दोनों बहनें घर से निकल गईं। इसके बाद दिल्ली पहुंचीं और वहां से कोलकाता चली गई थीं। परिजन का उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था।

कोलकाता में दोनों बहनों को बैरकपुर निवासी रीत बनिक उर्फ मोहम्मद इब्राहिम मिला। उसने उनके रहने का इंतजाम मुस्लिम बस्ती में कराया। वहां पहुंचने पर छोटी बहन का भी धर्मांतरण करा दिया गया। दोनों ने अपने नाम भी बदल लिए थे। बड़ी का अमीना तो छोटी का जोया रख दिया गया। गिरोह में शामिल सदस्य पूरी तैयारी किए हुए थे। वह कहीं चली न जाएं इसलिए गिरोह के सदस्य उनका निकाह कराने के लिए मुस्लिम लड़का देख रहे थे। एक बार दोनों बहनें निकाह कर लेतीं तो उनका वापस लौट पाना बेहद ही मुश्किल हो जाता। दोनों सोशल मीडिया पर इस्लाम के पक्ष में मुहिम भी चला रही थीं।

बहनों के लापता होने का मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व डीजीपी राजीव कृष्ण तक पहुंच गया था। एडीजी ला एंड ऑर्डर अमिताभ यश पूरे मामले को देख रहे थे। लगातार आगरा पुलिस से अपडेट लिया जा रहा था। लापता बहनों की तलाश के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया अकाउंट खंगालना शुरू किया था। इस पर एक अकाउंट मिला। वह बड़ी बहन का था। उसने एके-47 लेकर प्रोफाइल पिक्चर लगा रखी थी। उसे देखकर पुलिस हैरान रह गई। इससे बड़े मामले का पता चला था।

दोनों बहन चार हजार रुपए, प्रमाणपत्र आदि सामान लेकर घर से गई थीं। परिवार का कोई व्यक्ति उनके संपर्क में न आए इसलिए मोबाइल तक घर पर छोड़ दिए थे। परिजन ने पुलिस को तहरीर देते हुए कहा था कि 26 फरवरी 2021 को बड़ी बेटी पहले भी घर से जा चुकी है। उसे वह उधमपुर थाना पुलिस के सहयोग से वापस लेकर आए थे। मगर सदर थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया था। चार मई 2025 को गुमशुदगी को अपहरण के मुकदमे में तरमीम किया गया था। परिजन पुलिस थाने और एसीपी सदर कार्यालय के चक्कर काट रहे थे।

बाजरा किसानों को प्रोत्साहित कर रही यूपी सरकार

बाजरे की संकर प्रजाति के बीज पर मिल रहा अनुदान

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बाजरा श्रीअन्न की प्रमुख फसल है। उत्तर प्रदेश में धान, गेहूं एवं मक्का के पश्चात लगभग 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बाजरा की खेती की जाती है। बाजरा के दानो में भरपूर पौष्टिकता होती है। विशेष रूप से फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी कॉम्पलेक्स, कैल्शियम, फास्फोरस एवं मैगनीज तत्वों के साथ एन्टीआक्सीडेंट भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करती है। इससे बाजार में इसकी मांग है। बाजरा के प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ में औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। बाजरा के उत्पाद मधुमेह के नियंत्रण, हृदय के स्वास्थ्य सुधार हेतु उपयुक्त, ग्लुटेन मात्रा कम पाए जाने के कारण पेट के रोगों से राहत दिलाने में सहयोग के साथ ही वर्तमान समय में मोटापा कम करने और वजन सुधार में भी लाभदायक है। इसके अतिरिक्त वैज्ञानिक शोध एवं तकनीकी विकास के कारण बाजरे के दानों से कई प्रकार की औषधियों का भी निर्माण किया जा रहा है। योगी सरकार इन्हीं गुणों को देखते हुए बाजरा (श्रीअन्न) किसानों को प्रोत्साहित कर रही है।

बाजरा की खेती अपेक्षाकृत कम वर्षा (400-500 मिमी) में भी की जा सकती है। वर्तमान में लगभग प्रदेश के 29 जनपदों में औसत से कम वर्षा पाई गई है। जहां कम वर्षा के कारण धान की खेती नहीं की जा सकती, किसानों के लिए उन क्षेत्रों में बाजरा की फसल लेना लाभदायक सिद्ध होगा। बाजरा की फसल लगभग धान की असफल बुवाई की स्थिति में अगस्त माह के मध्य तक कर सकते हैं। फसल की अवधि अधिकतम 80-85 दिन होने के कारण 10 नवम्बर के पूर्व कटाई कर रबी की फसल की बुवाई समय से की जा सकती है। बाजरा की फसल से 25-30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादन मिल जाती है, तो दूसरी तरफ धान की अपेक्षा लागत कम होने एवं बाजरा का बाजार मूल्य अधिक होने के कारण प्रति इकाई किसानों को अपेक्षाकृत अधिक लाभ की संभावना हो सकती है। बाजरा की संकर प्रजाति 86एम84, बायो-8145, एनबीएच-5929 के साथ संकुल प्रजाति धनशक्ति की उत्पादन क्षमता 35-40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

मोबाइल कोर्ट के जरिए दिव्यांगों को मिल रहा त्वरित न्याय

मोबाइल कोर्ट के जरिए 677 शिकायतों का निस्तारण हुआ

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें शीघ्र न्याय उपलब्ध कराने के लिए निरंतर सक्रिय है। इसी क्रम में राज्य आयुक्त की अध्यक्षता में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मोबाइल कोर्ट आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें अब तक कुल 677 शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया है।

इन मोबाइल कोर्टों का आयोजन मेरठ, सुल्तानपुर, अमेठी, अयोध्या, बाराबंकी, श्रावस्ती, गोंडा, बहराइच और बलरामपुर जैसे जनपदों में किया गया, जहां दिव्यांगजनों की समस्याओं को मौके पर ही सुना गया और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर समाधान कराया गया। इस प्रयास से दिव्यांगजनों को उनके क्षेत्र में ही न्याय मिला और उन्हें बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़े। दिव्यांगजनों से जुड़ी शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु प्रशासनिक जिम्मेदारी भी स्पष्ट की गई है। प्रदेश में राज्य आयुक्त दिव्यांगजन की नियुक्ति के साथ ही दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को अपर आयुक्त तथा जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को सहायक आयुक्त नामित किया गया है।

इससे स्थानीय स्तर पर शिकायतों की निगरानी और समाधान की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनी है। प्रदेश के 9 जिलों में मोबाइल कोर्ट आयोजित किया गया है, जिनमें अब तक प्राप्त कुल 677 शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया है। राज्य आयुक्त कार्यालय को वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 503 शिकायतें प्राप्त हुईं, जबकि 2025-26 (अब तक) में 91 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 58 शिकायतों पर कार्रवाई पूरी हो चुकी है, जबकि 33 शिकायतें प्रक्रियाधीन हैं।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से प्राप्त मई 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, ऑनलाइन पोर्टल, पीजीआई पोर्टल और मुख्यमंत्री संदर्भ के माध्यम से कुल 2,699 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2,660 का निस्तारण किया जा चुका है। यानी महज 39 शिकायतें ही लंबित हैं, और विशेष बात यह है कि कोई भी शिकायत डिफॉल्टर की श्रेणी में नहीं है। यह दर्शाता है कि योगी सरकार दिव्यांगजनों की समस्याओं को लेकर कितनी गंभीर और संवेदनशील है। चाहे वो पेंशन की समस्या हो, प्रमाण पत्र से जुड़ी अड़चनें हों या अन्य सामाजिक-सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें, सरकार का तंत्र त्वरित गति से इनका समाधान कर रहा है।

मुख्यमंत्री संदर्भ के अंतर्गत कुल 212 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 206 का समाधान किया जा चुका है। वहीं, पीजी पोर्टल पर 404 में से 394, ऑनलाइन माध्यम से 233 में से 229 तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त 1850 में से 1831 मामलों का निस्तारण कर लिया गया है।

मोबाइल कोर्ट के आयोजन दिव्यांगजनों को केवल त्वरित न्याय ही नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और अधिकारों की पुनः स्थापना का अनुभव भी कराते हैं। यह पहल सबका साथ, सबका विकास की भावना को साकार करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमेशा दिव्यांगजनों के लिए समावेशी नीतियों पर बल दिया है, जिनका असर अब जमीनी स्तर पर साफ दिख रहा है।

सीएम योगी ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, श्रद्धा का किया सम्मान

कांवड़ यात्रा को बदनाम करने वाले उपद्रवियों को दी सख्त चेतावनी

मेरठ/लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कांवड़ यात्रा के पवित्र अवसर पर शिवभक्तों का स्वागत कर उनकी श्रद्धा को सम्मान दिया। मेरठ में उन्होंने स्वयं सड़क पर उतरकर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की, वहीं कुछ जिलों में हेलिकॉप्टर से पुष्प बरसाकर भावनात्मक श्रद्धा को नमन किया। इसी दौरान मेरठ में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा की आड़ में जो भी उपद्रव करेगा और पवित्र यात्रा को बदनाम करने का प्रयास करेगा, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन मास में आप सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों शिवभक्त हरिद्वार से पावन गंगाजल लेकर भगवान शिव के विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। बाबा औघड़नाथ मंदिर, पुरा महादेव मंदिर, दुग्धेश्वरनाथ मंदिर जैसे

पवित्र स्थलों पर श्रद्धालु अपने भाव व्यक्त करेंगे। यह अत्यंत आनंददायक है कि इस यात्रा में युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी शामिल होकर सामाजिक समता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुछ असामाजिक तत्व इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह हर कांवड़ संघ, हर शिवभक्त का कर्तव्य है कि वे ऐसे उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें बेनकाब करें और प्रशासन को तत्काल सूचना दें। सीएम योगी ने कहा कि पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और यात्रा पूरी होने के बाद उपद्रवियों की पहचान कर उनके पोस्टर सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि कांवड़ यात्रा के सफल और सुरक्षित संचालन के लिए सरकार, प्रशासन, स्वयंसेवी संगठनों और धार्मिक संस्थाओं ने व्यापक व्यवस्था की है। श्रद्धाल-ुओं को न तो कोई असुविधा हो और न ही यातायात या सुरक्षा से जुड़ी कोई समस्या इसके लिए पूरा प्रशासन तैनात है। जगह-जगह पंडाल लगाए गए हैं, स्वागत शिविर बनाए गए हैं और पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा व विश्राम की पूरी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने शिवभक्तों से आग्रह किया कि वे यात्रा के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। किसी सड़क, चौराहे या सार्वजनिक स्थल को गंदा न करें। यह यात्रा जितनी पवित्र है, उसकी गरिमा उतनी ही बनी रहनी चाहिए। शिवभक्तों को चाहिए कि वे लोक कल्याण के भाव के साथ यात्रा करें और दूसरों की असुविधा का भी ध्यान रखें।

सीएम योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि 2017 के पहले ऐसी पवित्र यात्राओं को प्रोत्साहन नहीं मिलता था, बल्कि उन्हें बाधित किया जाता था। आज जब श्रद्धा को सम्मान देने वाली सरकार है, तो हर शिवभक्त का भी कर्तव्य बनता है कि वह इस परंपरा को शांति और गरिमा के साथ आगे बढ़ाए। अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी को उपद्रवियों की जानकारी मिले तो वह स्वयं कानून हाथ में लेने के बजाय प्रशासन को सूचना दे। हम सबका दायित्व बनता है कि इस पवित्र यात्रा की गरिमा बनी रहे। भगवान शिव लोकमंगल के देवता हैं, उनकी कृपा सब पर समान रूप से बरसती है। ऐसे में इस यात्रा को किसी भी प्रकार की हिंसा या अव्यवस्था से दूर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

मोदीपुरम की शोभित यूनिवर्सिटी में सीएम का हेलीकॉप्टर उतरा। दुल्हेड़ा चौकी के पास लगे स्टेज से सीएम ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। स्टेज पर राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपई, राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, निवर्तमान दर्ज प्राप्त मंत्री पंडित सुनील भराला, कैंट विधायक अमित अग्रवाल समेत अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। सुरक्षाकर्मियों ने भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम को मंच के करीब आने से रोक दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मेरठ आगमन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। शोभित यूनिवर्सिटी में सीएम योगी के हेलीकॉप्टर के उतरने का कार्यक्रम था। शोभित विवि के बाहर पूर्व विधायक संगीत सोम को रोक दिया गया।

संपादकीय

'अंधेरे का इतिहास' क्यों पढ़ें?

21वीं सदी का छात्र 13वीं-17वीं सदी का इतिहास पढ़ने को विवश है, क्योंकि वही उसका पाठ्यक्रम है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने नए पाठ्यक्रम में 8वीं कक्षा के छात्र के लिए 'सामाजिक विज्ञान' की ऐसी ही किताब प्रकाशित की है। किताब के आरंभ में 'इतिहास के कुछ अंधकारमय काल पर टिप्पणी' शीर्षक वाला एक खंड दिया गया है। उसमें संवेदनशील और क्रूर हिंसा की घटनाएं संकलित की गई हैं। एक विशेष नोट के जरिए छात्रों से आग्रह किया गया है कि वे निर्दयी हिंसा, अपमानजनक कुशासन या सत्ता की गलत महत्वाकांक्षाओं के ऐतिहासिक मूल को निष्पक्षता से समझें। आग्रह यह भी किया गया है कि उस कालखंड की घटनाओं को आज के परिदृश्य में न देखें। यह दोगलापन कैसे स्वीकार्य हो सकता है। आप छात्रों से निष्पक्षता की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि इतिहासकार ही दुराग्रही रहे हैं। यदि उन घटनाओं का वर्तमान में मूल्यांकन नहीं करना है, तो फिर वे 'अंधेरे के इतिहास' क्यों पढ़ाए जा रहे हैं? क्या वे 21वीं सदी की पीढ़ी को प्रभावित कर सकते हैं? 8वीं कक्षा का छात्र एकदम कच्चे, निष्कपट, निश्छल मानस का होता है। उसे जिस तरह का इतिहास पढ़ाया जाएगा, उसके मुताबिक ही उसके पूर्वाग्रह बनेंगे। उसके भीतर निर्दयी, हिंसक, हत्यारे आक्रांताओं के प्रति नफरत और अस्वीकृति के भाव उमड़ना स्वाभाविक है। वामपंथी ऐसे इतिहास और सोच को 'सांप्रदायिक' करार दे रहे हैं। हमारा चिंतित और बुनियादी सवाल यह है कि 500-700 साल पुराना इतिहास, 21वीं सदी के भारतीय छात्र को पढ़ाना, क्या उचित और प्रासंगिक है? 'अंधकारमय काल' भी कहा जा रहा है और फिर मारने-काटने, मंदिर-मठों के विध्वंस, गुरुद्वारों को जमींदोज करने, हिंसक व्यवहार और एक पूरी आबादी के कत्लेआम का 'काला इतिहास' भी पढ़ाया जा रहा है! इस अंधबुद्धि विरोधाभास से भारत में क्या ऐसी प्रतिभाएं पैदा हो सकती हैं, जो चंद्रमा और अंतरिक्ष तक जाने की महत्वाकांक्षाएं रखती हों? क्या काबिल इंजीनियर, वैज्ञानिक, डॉक्टर, अर्थशास्त्री बनाए जा सकते हैं? नफरती जमात जरूर पैदा हो सकती है, जो देश को दोफाड़ ही रख सकती है। मुगल-काल कई सदियों पुराना अतीत हो चुका है। हम बाबर, अकबर, औरंगजेब के क्रूर इतिहास से आज तक मुक्त नहीं हो पाए हैं! यदि वह 'अंधकारमय काल' था, तो उसे अंधेरों में ही क्यों नहीं धकेला जा सकता? एनसीईआरटी की इसी सप्ताह प्रकाशित पुस्तक 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटी : इंडिया एंड बियॉन्ड' छात्रों को बीती सदियों की दिल्ली सल्तनत, मुगलों, मराठों और औपनिवेशिक युग से परिचित कराती है। किताब में बाबर, अकबर, औरंगजेब सरीखे मुगल बादशाहों को निर्दयी, क्रूर, सनातन-विरोधी और इस्लामिक देश बनाने के मंसूबेदार आदि करार दिया गया है। हमारा बौद्धिक, मानसिक और राजनीतिक दिवालियापन है कि मुगलों की बादशाहत खत्म हुए 500 साल बीत चुके हैं, 1947 से भारत एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक देश है, लेकिन इन मुगल बादशाहों के प्रति हमारी गुलामी, हमारा आकर्षण, सियासी मजबूरी समाप्त नहीं हो पाई है। 2014 में जब केंद्र में मोदी सरकार आई थी, तो कुछ सूचनाएं छन कर सार्वजनिक हुई थीं कि संघ और भाजपा इतिहास का पुनर्लेखन करना चाहते हैं। बेशक एनसीईआरटी भी केंद्रीय सत्ता की सोच के मुताबिक ही काम करती रही है, लिहाजा ऐसे इतिहासकारों और लेखकों को चुना जाता रहा है, जो सरकारी एजेंडे के मुताबिक काम कर सकें। पुस्तक-लेखन कर सकें। मोदी सरकार 11 निरंतर सालों से सत्तारूढ़ है, तो मुगल-काल के अंधकारमय इतिहास को हाशिए पर क्यों नहीं धकेला जा सका? बाबर, अकबर, औरंगजेब के क्रूर इतिहास पढ़ाने से भाजपा को वोट नहीं मिल सकते। यदि इतिहास को नए सिरे से लिखवाना है, तो पाठ्यक्रम में उन शूरवीरों, आजादी के रणबांकुरों, क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां रखनी चाहिए थीं, जिन्होंने गुलाम, औपनिवेशिक देश को 'स्वतंत्र भारत' बनाने में संघर्ष किए, बलिदान दिए।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने नए पाठ्यक्रम में 8वीं कक्षा के छात्र के लिए 'सामाजिक विज्ञान' की ऐसी ही किताब प्रकाशित की है। किताब के आरंभ में 'इतिहास के कुछ अंधकारमय काल पर टिप्पणी' शीर्षक वाला एक खंड दिया गया है। उसमें संवेदनशील और क्रूर हिंसा की घटनाएं संकलित की गई हैं। एक विशेष नोट के जरिए छात्रों से आग्रह किया गया है कि वे निर्दयी हिंसा, अपमानजनक कुशासन या सत्ता की गलत महत्वाकांक्षाओं के ऐतिहासिक मूल को निष्पक्षता से समझें। आग्रह यह भी किया गया है कि उस कालखंड की घटनाओं को आज के परिदृश्य में न देखें। यह दोगलापन कैसे स्वीकार्य हो सकता है। आप छात्रों से निष्पक्षता की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि इतिहासकार ही दुराग्रही रहे हैं। यदि उन घटनाओं का वर्तमान में मूल्यांकन नहीं करना है, तो फिर वे 'अंधेरे के इतिहास' क्यों पढ़ाए जा रहे हैं? क्या वे 21वीं सदी की पीढ़ी को प्रभावित कर सकते हैं? 8वीं कक्षा का छात्र एकदम कच्चे, निष्कपट, निश्छल मानस का होता है।

इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा

स्वच्छता एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते सामाजिक संगठन

प्रह्लाद सबनानी

प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुकसान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चर्चाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है।

इस धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के लिए प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुकसान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चर्चाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है। बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है। कई स्थानों पर अत्यधिक गर्मी के पीछे अपर्याप्त हरियाली, अधिक आबादी, घने बसे घर और इंसानी गतिविधियां जैसे गाडियों और गैजेट से निकलने वाली हीट आदि कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। कार्बन डाईआक्साइड और मेथेन जैसी ग्रीन हाउस गैसों एवं कूड़ा जलाने से भी गर्मी बढ़ती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है। जहां चारों दिशाओं में बने डंपिंग यार्डों में आग लगी ही रहती है और लोगों का सांस लेना भी अब दूभर हो रहा है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा। उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर

आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं। भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है। इसी संदर्भ में ग्वालियर महानगर में विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर के एक विशेष सत्र में इस बात पर विचार किया गया कि ग्वालियर महानगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाया जाना चाहिए। उक्त शिविर के समापन के पश्चात उक्त समस्याओं के हल हेतु विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं की तीन बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में विस्तार से विचार करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि कुछ चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन्न मठ, मंदिरों, स्कूलों, संस्थानों आदि में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा जाए ताकि उक्त समस्याओं के हल में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संदर्भ में चुने गए 60 कार्यकर्ताओं के लिए एक वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इन चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन संस्थानों में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया था ताकि उक्त समस्याओं के हल करने हेतु समाज को भी साथ में लेकर कार्य को सम्पन्न किया जा सके। साथ ही, ग्वालियर को प्रदूषण मुक्त सुंदर नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को, ग्वालियर के चुने हुए 29 चौराहों पर मानव श्रृंखलाएं बनाई गई थी, लगभग 8,000 नागरिकों ने इस मानव श्रृंखला में भागीदारी की थी। इसी प्रकार, ग्वालियर को व्यसन मुक्त नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर, दिनांक 12 जनवरी 2025 को एक विशाल मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ एवं लगभग 6,000 नागरिकों ने इस मेराथन दौड़ में भाग लिया था। संघ के ग्वालियर विभाग द्वारा ग्वालियर महानगर में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने की मुहिम प्रारम्भ की गई। जिसके अंतर्गत ग्वालियर के कई विद्यालयों में वहां के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साथ लेकर स्वयंसेवकों द्वारा नगर में भारी मात्रा में पौधारोपण किया गया। ग्वालियर की पहाड़ियों पर भी इस मानसून के मौसम के दौरान हजारों की संख्या में नए पौधे रोपे गए हैं। गजराराजा स्कूल, केआरजी महाविद्यालय एवं गुप्तेश्वर मंदिर की पहाड़ियों को तो पूर्णतः हरा भरा बना दिया गया है। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा नगर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों, धार्मिक संगठनों, एवं नगर के विभिन्न चौराहों पर नागरिकों को शपथ दिलाई जा रही है कि "मैं ग्वालियर नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु, आज से प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करूंगा"। अभी तक एक लाख से अधिक नागरिकों को यह शपथ दिलाई जा चुकी है। कई स्कूल, कई मंदिर एवं कई महाविद्यालय (लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान - एलएनआईपीई सहित) पोलिथिन मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार, ट्रिपल आईटीएम प्रबंधन के प्रयास से संस्थान के आसपास दुकानदारों द्वारा मादक पदार्थों के बिक्री करना बंद कर दिया गया है। साथ ही, ग्वालियर महानगर में एक लाख से अधिक नागरिक, नशा नहीं करने का संकल्प ले चुके हैं। विभिन्न मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों में भंडारों का आयोजन किया जाता है। इन भंडारों में अब प्रसादी को दोनों, पत्तलों में परोसा जाने लगा है एवं प्लास्टिक का उपयोग लगभग बंद कर दिया गया है। साथ ही, इन मंदिरों के आसपास प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा डस्टबिन रखवाये गए हैं, ताकि कचरे को यहां वहां न फैला कर इन डस्टबीन में डाला जा सके। इससे, मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों के आसपास के इलाके स्वच्छ रहने लगे हैं।

देश दुनिया से

यूएनओ का पाक में विश्वास दिखाना संवेदनहीनता

आज के समय में जिस प्रकार संयुत्त राष्ट्र संघ लीग ऑफ नेशन की तरह ही रूस-यूक्रेन और इजरायल-ईरान युद्धों को रोकने में असफल रही है इससे प्रतीत होता है कि संयुक्त राष्ट्र संघ भी लीग ऑफ नेशन की तरह ही अपनी समाप्ति की ओर बढ़ रही है। संयुत्त राष्ट्र संघ के दोहरे मानदंडो को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन मेंअपने भाषण में कहा है कि आज दुनिया को एक नईं बहु ध्रुवीयऔर समावेशी विश्व व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थानों में व्यापक सुधारो से करनी होगी। सुधार केवल प्रतीकात्मक नहीं होने चाहिए बल्कि उनका वास्तविक प्रभाव दिखना चाहिए। पिछले 3 साल से रूस-यूक्रेन और इजरायल- ईंरान के बीच हो रहे युद्ध के कारण पूरे मध्य एशिया में अशांति एवं अस्थिरता पैल रही है। इस सब के बावजूद संयुत्त राष्ट्र संघ जिसका मुख्य उद्देश्य विश्व में शांति और जनकल्याण है वह एक मूकदर्शक की तरह इन युद्धों को देख रही है। घोषित युद्ध के साथ-साथ अघोषित परोक्ष युद्ध भी वुछ देशअपने पड़ोसी देशों के साथ लड़ रहे हैं जैसे कि पाकिस्तान भारत के विरुद्ध पिछले 75 सालों से परोक्ष युद्ध लड़ रहा है। इस युद्ध का ही प्रमाण है पहलगाम का आतंकी हमला जिस ने द्विपक्षीय समीकरण ही नहीं बल्कि समूचे दक्षिण एशिया में संबंधों के तानेबाने को प्रभावित किया है। इस हमले ने आतंकी नीति को जारी रखने वाली पाकिस्तानी मंशा को प्रकट किया था। पर्यटकों से उनकी मजहबी पहचान पूछ कर की गईं हत्याओं को लश्कर के पिट्ठू संगठन द रेसिडेंस प्रंट यानी टीआरएफ ने अंजाम दिया। इसे केवल एक नर संहार के रूप में न देखा जाए यह भू राजनीतिक उकसावे की एक नियोजित करवाईं थी। इसने आतंकको पालने पोसने वाले पाकिस्तान के कलंकित इतिहास को दोहराया, वही इसके पीछे की एक मंशा जम्मू - कश्मीर मैं सुरक्षा ढांचे को अस्त- व्यस्त करने की भी थी। परंतु यहां पर सबसे ज्यादा आार्यं की बात यह है कि इतनी बड़ी आतंकी घटना जिसमें विश्व के ज्यादातर देशों ने इस हमले पर भारत के साथ अपनी सहानुभूति प्रकट की थी। इसके बाद भी इस घटना के केवल वुछ दिन बाद ही संयुत्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी तीन कमेटियों का अध्यक्ष तथा एक का वाइस चेयरमैन नियुत्त कर दिया है। पाकिस्तान राष्ट्र संघ की तालिबान पर प्रतिबंध लगाने वाली कमेटी एवं राष्ट्र संघ की ही आतंकवाद विरोधी कमेटी तथा संयुत्त राष्ट्र संघ के आतंकवाद के लिए गठित दो ग्रुपों की चेयरमैनशिप पाकिस्तान को दी गईं है। खासकर पहलागाम हमले के फौरन बाद इस प्रकार संयुत्त राष्ट्र संघ द्वारा पाकिस्तान में विश्वास दिखाना यह प्रर्दशित करने के लिए पर्याप्त है कि यह संस्था कितनी संवेदनहीन है। जबकि पूरा विश्व पहलगाम घटना से विचलित था तथा भारत के साथ सहानुभूति जाता रहा था। आज मीडिया के युग में पूरा विश्व जानता है की संयुत्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित ज्यादातर आतंकी पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखते हैं। पाकिस्तान में ज्यादातर मदरसो में आतंकी तैयार किए जाते हैं और इसके बाद उन्हें आतंकी वैंपों में भेज दिया जाता है। 1947 से लेकर आज तक भारत पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत को अस्थिर करने के लिए पहले पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने के लिए वहां पर आतंकी हमले करवाए जिसमें तीन लाख कश्मीरी पंडितों को कश्मीर से विस्थापित होना पड़ा। इसके बाद 80 के दशक में भारत के पंजाब में खालिस्तान की आवाज बुलंद करबा कर वहां पर आतंकवाद को पैलाया। परंतु पंजाब की राष्ट्रवादी जनता ने इसे फलने पूलने नहीं दिया और इस पर भारत ने शीघ्र विजय प्राप्त करते हुए पंजाब से आतंकवाद का सफाया किया। पाकिस्तान जैसा देश जो विश्व में आतंकवाद का घर माना जाता है और जहां पर ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान की एक सैनिक छावनी क्षेत्र के एक बंगले में सुरक्षा प्रदान की थी उसी पाकिस्तान को संयुत्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व में आतंकवाद को रोकने तथा उसे पर नियंत्रण करने वाली कमेटियों की चेयरमैनशिप देकर यह स्थापित कर दिया है कि जिन उद्देश्यों के लिए संयुत्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुईं थी उन उद्देश्यों की परूति के लिए यह संस्था कार्यं नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के ब्रिक्स सम्मेलन में दिए गए भाषण के अनुसार इस संस्था में अब व्यापकपरिवर्तन किए जाने चाहिए जिससे यह अपने निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार काम कर सके। दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद 24 अक्टूबर 1945 को संयुत्त राष्ट्र संघ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य था विश्व स्तर पर शांति तथा सुरक्षा पूर्ण वातावरण का निर्माण करना तथा पूरे विश्व की जनसंख्या के कल्याण के लिए कार्यं करना। इसके अतिरित्त विश्व स्तर पर आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्वृतिक क्षेत्र में संयुत्तता तथा समरसता स्थापित करना। इसके साथ ही विश्व में समान अधिकार तथा प्रजातांत्रिक प्रणाली पर आधारित विभिन्न देशों की सरकारों में समन्वय स्थापित करना। परंतु विश्व के विभिन्न हिस्सों जैसे इजरायल-हिज्बुल्लाह और इजरायल- ईंरान युद्ध तथा रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने में कहीं पर भी राष्ट्रसंघ की भूमिका कईं नजर नहीं आ रही है। जबकि रूस और इसराइल परमाणु बम रखने वाले देश हैं जिनके द्वारा कभी भी परमाणु बम के द्वारा जापान के हिरोशिमा-नागासाकी जैसा महाविनाश किया जा सकता है। इसके अतिरित्त पिछले 3 साल से चलने वाले युद्ध में यूक्रेन का 70™ आर्थिक ढांचा पूरी तरह बर्बाद हो गया है। इसी प्रकार हमास और इजरायल के युद्ध में गाजा का 60 किलोमीटर का क्षेत्र दोनों तरफ से मिसाइल और ड्रोनो के हमलो के द्वारा बर्बाद करकेउसे समतल बना दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार गाज़ा में अब केवल 5™ भूमि ही वृषि योग रह गईं है। इसके साथ ही वहां पर स्थित इमारतो और अन्य आर्थिक ढांचों को भी बर्बाद कर दिया गया है।

कुछ अलग

अपना वोट निर्दलीयों को...

वैसे खड़े होने की मेरे घुटनों में शक्ति नहीं थी, लेकिन जब देखा कि सत्तर-अस्सी साल के बूढ़े ही खड़े हो गए हैं तो मैं खड़ा नहीं हो पाया तो यह मेरी अधेड़ावस्था का अपमान होगा, इसलिए इस चुनाव में मैं भी तनकर खड़ा हो गया हूं। परिणाम चाहे जो भी हो, लेकिन मैं बाकायदा निर्दलीय रूप में राजनीति में आ गया हूं। असल स्वच्छ राजनीति भी बिना किसी दल के ही संभव है और मैं इस स्वच्छता का पक्षधर हूं, इसलिए डट गया हूं। मुझे मेरा पेट एकदम गोल्डन दिखाई दे रहा है, क्योंकि जनता राजनीतिक दलों से उकताकर परेशान हो गई है। वह सबकी पोलों को जान गई है। उसने कांग्रेस को भी देख लिया है तो भाजपा व संयुक्त मोर्चा को भी। इसलिए मेरा फ्यूचर ब्राइट नजर आ रहा है। अबकी बार लगता है कि निर्दलियों की सरकार बनेगी तथा महामहिम मुझे ही देश का नेतृत्व देने के लिए सरकार गठित करने का आमंत्रण देंगे। हो सकता है कि मैं प्रधानमंत्री बन जाऊं। प्रधानमंत्री बनना कोई कठिन काम थोड़े ही है। राजनीतिक दलों में जरूर यह काम जूतम पैजार का है। वहां सर्वसम्मति से संसदीय दल का नेता चुना जाना अवश्य जटिल है, परंतु मैं निर्दलियों को एकजुट कर लूंगा और बिना किसी समर्थन के सरकार बनाकर दिखा दूंगा। मैं खड़ा हुआ तो मेरा जनाधार देखकर मेरे विरोधी मुझे बैठने के लिए आए तो मैंने कहा-'मैं तो बैठा हुआ ही था। लेकिन मुझसे राजनीतिक अस्थिरता नहीं देखी गई तथा रोज-रोज के चुनाव मुझे पसंद नहीं हैं, इसलिए हारकर मुझे खड़ा होना पड़ा है।'

आप का नजरिया

रॉयल्टी से आत्मनिर्भरता तक

यह महज कानूनी जीत नहीं, बल्कि हिमाचली अधिकार और स्वाभिमान की जीत भी है। कड़छम-वांगतू जलविद्युत परियोजना के बारह साल पूरे होने पर, अब रॉयल्टी के फार्मूले के तहत 12 के बजाय 18 प्रतिशत अधिकार राज्य को मिलेगा। इस तरह 1045 मेगावाट क्षमता की यह परियोजना 150 करोड़ अतिरिक्त आय के संसाधन पैदा करेगी और इसी अवधि से गुजर रही बाकी परियोजनाओं पर भी यह फार्मूला अमल में आएगा तो आय में कुल ढाई सौ करोड़ का इजाफा हो जाएगा। यह कानूनी जंग थी, जिसने हमारे अधिकारों की संभावना को नया बल दिया है। हिमाचल को अगर जल, जंगल और जमीन से अपने अधिकारों का हिस्सा मिल जाए, तो आत्मनिर्भर हिमाचल बनाने के नक्शे पर हम देश का उदाहरण बनेंगे, लेकिन हमें आज तक न्याय नहीं मिला। इसे इस नजरिए से भी देखा जाएगा कि जब-जब प्रयत्न हुए, हमने पाया वरना अधिकारों की सूची में एक खालीपन रहा। बहुत पहले शांता कुमार ने बतौर मुख्यमंत्री प्रदेश के संसाधनों में पानी को जब विद्युत उत्पादन के तर्क तक पहुंचाया, तो हमें रॉयल्टी मिली, जिसे अब सुखविंदर सिंह सुक्खू आगे बढ़ा रहे हैं। इस फार्मूले के तहत केंद्र सरकार के उपक्रम भी आएंगे और तब रॉयल्टी की पैमाइश से राज्य के खजाने में आत्मनिर्भरता प्रवेश करेगी। सुक्खू सरकार वाइल्ड फ्लावर हाल की संपत्ति को अपने अधिकार क्षेत्र से जोड़ चुकी है, तो जोगिंद्रनगर स्थित शानन विद्युत परियोजना के मालिकाना अधिकार की महत्त्वपूर्ण लड़ाई लड़ रही है। जाहिर है सौ साल की परियोजना की लीज समाप्ति के बाद प्रदेश की मिलकीयत में यह भी करीब तीन सौ करोड़ जोड़ पाएगी। पानी पर सैस लगाने की छूट में राज्य सरकार प्रयासरत है और अगर इसके ऊपर जम्मू-कश्मीर व उत्तराखंड की तरह राहत मिलती है, तो हर बूंद की कीमत तय होगी। जल के बाद जंगल की परिभाषा बदलनी पड़ेगी। केंद्र या तो हमें पर्यावरण राज्य घोषित करके, इस योगदान का मूल्यांकन करके वार्षिक पैकेज तय करे या जंगल की आय में नए प्रयोग की अनुमति दे। हिमाचल को चीड़ के पौधों से निजात देकर, वन भूमि के सामूहिक और सामुदायिक इस्तेमाल का रास्ता खोले, ताकि पशुओं को माकूल चारा मिले और जंगली जानवर वहां लौट जाएं। भविष्य के जंगल में फलोत्पादन, चाय उत्पादन, इमारती लकड़ी के उत्पादन तथा जड़ी-बूटियों के उत्पादन को रेखांकित करने की स्पष्ट नीति बने। जल, जंगल के बाद हिमाचली अस्तित्व की जमीन का अधिकार आज भी विवादित है। विवादित हैं पंजाब पुनगर्ठन के अध्याय और हिमाचल में आकर मिले पहाड़ी क्षेत्र के अधिकार। पंजाब पुनर्गठन के बाद चंडीगढ़ व अन्य समझौतों में हिमाचल को मिला 8.77 प्रतिशत हिस्से की आज तक व्याख्या नहीं हुई, जबकि पंजाब-हरियाणा की राजधानी में 7.19 प्रतिशत हिस्सा हमारा भी है। इस तरह चंडीगढ़ में ही हिमाचल के कम से कम चार सेक्टरों पर दावा हो सकता है। इससे भी अहम हिस्सेदारी का सवाल उन परियोजनाओं में गूंजता है जो हिमाचल को सिर्फ विस्थापन दे गईं। बीबीएमबी के तहत बने बांध और उनसे निकले आर्थिक प्रारूप में हिमाचल के अधिकार कहीं न कहीं टंगे हैं। बहरहाल, विवादित अध्यायों में हिमाचल के आर्थिक अधिकारों की कानूनी लड़ाई को एक नया आयाम व आत्मविश्वास मिला है। दिल्ली में केंद्र सरकार के रहमोकर्म से हट कर भी हिमाचली परिदृश्य में आर्थिक आत्म सम्मान खोजने की जरूरत है। कुछ पड़ाव पार हुए हैं, लेकिन कोशिश का यह दौर आत्मनिर्भरता के लिए निरंतरता के साथ चलना चाहिए। अब विकास के मायने, घोषणाओं के दायरे और वादों के बनिस्पत सरकारों की कार्यशैली में ऐसी पड़ताल भी होनी चाहिए, जो बता सके कि आत्मसंबल के कितने कदम, कहां तक चले। सुक्खू सरकार ने दृष्टि, भाषा, सोच व रणनीति बदली तो 12 प्रतिशत से रॉयल्टी 18 फीसदी हो गई। इसी तरह आत्मनिर्भरता की खोज से संघर्ष की भाषा और अर्थ मुकम्मल तौर पर बदले जा सकते हैं।

कड़छम-वांगतू जलविद्युत परियोजना के बारह साल पूरे होने पर, अब रॉयल्टी के फार्मूले के तहत 12 के बजाय 18 प्रतिशत अधिकार राज्य को मिलेगा। इस तरह 1045 मेगावाट क्षमता की यह परियोजना 150 करोड़ अतिरिक्त आय के संसाधन पैदा करेगी और इसी अवधि से गुजर रही बाकी परियोजनाओं पर भी यह फार्मूला अमल में आएगा तो आय में कुल ढाई सौ करोड़ का इजाफा हो जाएगा।

दृष्टि कोण

जम्मू-कश्मीर में इतिहास का विवाद

श्रीनगर में शहीद स्मारक के नाम से एक स्थान है जहां हर साल 13 जुलाई को कुछ राजनीतिक व दूसरे लोग जाकर माथा निभाते हैं। इस स्थान पर 22 लोगों की कब्रें बनी हुई हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि वे 1931 मैं पुलिस की गोली से मारे गए थे। इस कब्रिस्थान को मजार-ए-शुहदा यानी शहीदों की मजार के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल श्रीनगर में अब्दुल कादिर खान नाम के एक अपराधी पर मुकद्दमा चल रहा था। यह अपराधी कौन था और इसे कौन लाया था, इसको लेकर अभी भी विवाद चलता रहता है। जाहिरा तौर पर तो यह कहा जाता है कि यह एक अंग्रेज अफसर का रसोइया था। यह रसोई का काम कितना करता था, इसके बारे में कहना तो मुश्किल है, लेकिन इतना निश्चित है कि यह शहर भर में मुस्लिम कश्मीरियों को हिंदू कश्मीरियों के खिलाफ भडक़ाने वाले भाषण करता था। ब्रिटिश सरकार जम्मू-कश्मीर के उस समय के महाराजा हरि सिंह के बहुत खिलाफ रहती थी क्योंकि महाराजा कभी उनके यूनियन जैक यानी झंडे को उतरवा देता था, कभी रेजीडेंट कमिश्नर की गतिविधियों को सीमित कर देता था। सबसे बड़ी बात यह कि महाराजा ब्रिटिश सरकार को गिलगित का इलाका पट्टे पर देने से इन्कार कर रहा था। इसलिए अब्दुल कादिर खान नाम का यह व्यक्ति सबसे ज्यादा गालियां महाराजा हरि सिंह को देता था। जाहिर है कि जम्मू कश्मीर सरकार ने इस अज्ञात कुल शील शख्स को गिरफ्तार कर लिया और जेल में बंद कर दिया। खान की गिरफ्तारी के बाद वह अंग्रेज अफसर भी गायब हो गया। यह भी चर्चा चलती रहती है कि नेशनल कान्फ्रेंस, जिसके मालिक उन दिनों शेख मोहम्मद अब्दुल्ला थे, के लोग भी उस अंग्रेज अफसर को जानते थे और वही उसे श्रीनगर लेकर आए थे। शेख अब्दुल्ला श्रीनगर

और उसके आसपास लोकप्रिय तो हो रहे थे लेकिन सशक्त सैयद लॉबी उन्हें अपना प्रतिद्वन्द्वी मानती थी क्योंकि वह लॉबी मानती थी कि कश्मीरी मुसलमानों के वे स्वाभाविक नेता हैं। शेख अब्दुल्ला, जो कश्मीरी थे, अब व्यक्तिगत बातचीत में कहने लगे थे कि कश्मीरियों को अब बाहर से आए सैयदों के नेतृत्व की जरूरत नहीं है, बल्कि वे स्वयं अपने मसले सुलझाने में सक्षम हैं। यह सैयदों और कश्मीरी मूल के मुसलमानों का नेतृत्व को लेकर झगड़ा था। लेकिन सैयदों के पास एक तुरुप का पत्ता था जिसकी काट शेख अब्दुल्ला के पास भी नहीं थी। सैयद श्रीनगर की दो मुख्य मस्जिदों, खानगाहे मौला और जामिया मस्जिद पर काबिज थे। इन मस्जिदों में मजहबी कारणों से हर जुम्मे के दिन हजारों कश्मीरी आते थे। इस अवसर पर ये सैयद वायज कश्मीरियों को भावनात्मक स्तर पर मजहब से जोड़ कर अपने पाले में रखते थे। शेख अब्दुल्ला के पास इसकी काट नहीं थी। यह काट इस अज्ञात अंग्रेज अधिकारी ने अपने रसोइए के माध्यम से मुहैया करवाई थी। वह रसोइया अब जेल में बंद था और अंग्रेज अफसर अपना काम खत्म कर जा चुका था। अब अगला काम शेख अब्दुल्ला और उसके ग्रुप को करना था। इस काम के लिए अपने लोगों को जेल के बाहर एकत्रित किया गया और जेल के दरवाजे को तोड़ कर अब्दुल कादिर खान को मुक्त करवाने का आह्वान किया गया। पुलिस ने इस गुरप के लोगों को रोकने की कोशिश की, लेकिन यह ग्रुप को न रुकने के लिए ही आया था। पुलिस ने गोली चला दी। कुछ लोग मारे गए और बहुत से घायल हो गए। लेकिन मरने वालों में या घायल होने वालों में कोई शेख अब्दुल्ला के ग्रुप का था या नहीं, इसके बारे में अभी तक गहन चुप्पी का वातावरण है। कितने लोग मारे गए, इसके बारे में भी कोई निश्चित प्रमाण नहीं हैं। अलबत्ता यह चर्चा गली बाजार में अभी तक चलती रहती है कि जानबूझ कर घायलों को अस्पताल ले जाने की बजाय मरने दिया गया ताकि मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो जाए। शेख अब्दुल्ला ने यह बात फैलाना शुरू कर दी। एक घायल व्यक्ति ने उन्हें अपने पास बुला कर कहा कि हमने अपना काम कर दिया है, अब आगे का काम तुमने करना है। शेख अब्दुल्ला ने कभी यह नहीं बताया कि उस घायल की यह बात सुन कर, उन्होंने उसे अस्पताल ले जाने की भी कोशिश की या फिर उसकी मौत का इंतजार करते रहे, ताकि आगे का काम आसान हो जाए।

2 अगस्त 2027 को दुनिया के कई देशों में छा जाएगा अंधेरा

100 साल बाद पड़ेगा पूर्ण सूर्यग्रहण, भारत में नहीं आएगा नजर

वाशिंगटन,20 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्ण सूर्य ग्रहण 2027 में लगेगा, जिसे सदियों में एक बार लगने वाला ग्रहण कहा जा रहा है। यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और अरब के कुछ हिस्सों में 2 अगस्त, 2027 को ये दुर्लभ पूर्ण सूर्यग्रहण दिखाई देगा। इस ग्रहण की खास बात इसका समय होगा। यह सूर्य ग्रहण 6 मिनट 23 सेकंड तक रहेगा। इससे यह करीब 100 साल का सबसे लंबा चलने वाला सूर्य ग्रहण होगा।

जानकारी के मुताबिक 2 अगस्त, 2027 का सूर्य ग्रहण खास होगा। दुनिया के बड़े हिस्से के लिए इस दौरान सूर्य आंखों से पूरी तरह ओझल हो जाएगा। दुनिया करीब छह मिनट के लिए अंधेरे में डूब जाएगी। यह सैकड़ों सालों के इतिहास का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण होगा। अभी तक इतिहास का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण 743 ईसा पूर्व हुआ था, जब 7 मिनट 28 सेकंड के लिए अंधेरा छा गया था।

2 अगस्त, 2027 में होने वाला सूर्य ग्रहण का पूर्ण पथ 275 किलोमीटर चौड़ा है। ऐसे में यह कई महाद्वीपों को कवर करेगा। अफ्रीका के ज्यादातर देशों से इसे देखा जा सकेगा। यह सूर्य ग्रहण अटलांटिक महासागर से शुरू होकर जिब्राल्टर जलडमरूमध्य, दक्षिणी स्पेन, उत्तरी अफ्रीका से अरब प्रायद्वीप तक जाएगा। हालांकि हिंद महासागर के ऊपर यह धुंधला नजर आएगा।

यह पूर्ण सूर्य ग्रहण सबसे पहले दक्षिणी स्पेन, जिब्राल्टर और मोरक्को में दिखाई देगा। इसके बाद अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया और मिस्र में सूर्य ग्रहण तब होगा, जब वह आकाश में अपने उच्चतम बिंदु पर होगा। मिस्र के बाद सूर्य ग्रहण लाल सागर को पार करते हुए सऊदी अरब, यमन और सोमालिया में अंधेरा कर देगा। स्पेन के काडिज और मलागा शहरों में चार मिनट से ज्यादा तक पूरी तरह से अंधेरा छा जाएगा।

2 अगस्त, 2027 का सूर्यग्रहण भारत और आसपास के देशों में दिखाई नहीं देगा। ऐसे में भारतीयों को निराशा हो सकती है। लीबिया का बेंगाजी इस सूर्य ग्रहण को देखने के लिए एक अच्छा स्थान होगा। मिस्र के ऐतिहासिक शहर लक्सर के पास छह मिनट तक घना अंधेरा रहेगा। इटली का लैम्पेडुसा द्वीप करीब पूरी तरह से ढका रहेगा। सऊदी अरब के जेद्दा और मक्का, यमन और सोमालिया के कुछ हिस्से ग्रहण देखने वाले अंतिम स्थान होंगे। एक्सपर्ट का कहना है कि 2027 के बाद इस तरह का सूर्य ग्रहण शायद 2114 में नजर आएगा।

न्यूज ब्रीफ

चीन ने पहलगाम हमले की निंदा की, कहा हम हर तरह के आतंकवाद के विरोधी

बीजिंग। चीन ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन हर तरह के आतंकवाद का सख्त विरोध करता है और 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने आगे कहा कि चीन सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता बनाए रखने की अपील करता है। चीन का यह बयान अमेरिका के पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किए जाने के बाद आया है। चीन ने पहलगाम हमले की निंदा तो की है, लेकिन अमेरिका की तरह न तो टीआरएफ का नाम लेकर उसकी आलोचना की और न ही टीआरएफ को सीधेतौर पर आतंकी संगठन कहा। टीआरएफ पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी संगठन है। इसने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी। हमले के कुछ ही देर बाद टीआरएफ ने घटना की जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है। हालांकि, 26 अप्रैल को टीआरएफ इससे मुकर गया था। संगठन के प्रवक्ता अहमद खालिद ने कहा था कि पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ को जिम्मेदार ठहराना गलत है। खालिद ने कहा कि उनकी वेबसाइट को हैक कर लिया गया था। टीआरएफ मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है। यह अक्सर ऐसे लोगों को भर्ती करता है जो आम नागरिकों जैसे दिखते हैं, लेकिन गुप्त रूप से आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन्हें हाइब्रिड आतंकवादी कहा जाता है। भारत सरकार ने 5 जनवरी, 2023 को टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया था।

झूमर की जगह लटकाई 4.3 करोड़ की फरारी, दुबई के यूट्यूबर की अनोखी सजावट हुई वायरल

दुबई। दुबई के मशहूर यूट्यूबर मोहम्मद बीराघडारी ने अपने घर की सजावट के लिए ऐसा कारनामा कर डाला, जो लोगों को हैरान करने के साथ ही साथ पसंद भी आ रहा है। उन्होंने एक करीब 4.3 करोड़ रुपए की फरारी कार खरीदी, लेकिन इसे चलाने की बजाय अपने घर की छत से झूमर की तरह लटका दिया। इंस्टाग्राम पर 84.9 लाख से ज्यादा व्यूज बीराघडारी, जिन्हें सोशल मीडिया पर मो व्लॉग्स के नाम से जाना जाता है, का कहना है कि यह उनके घर की अब तक की सबसे बोल्ड और यूनिक सजावट है। उन्होंने इस नजारे का वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया, जिसे अब तक 84.9 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह एक असली फरारी को विशेष तकनीक से सुरक्षित तरीके से घर की छत से उल्टा लटकाया गया है।

लॉस एंजिलिस में कार सवार ने भीड़ पर गाड़ी चढ़ाई, 28 घायल, 10 की हालत गंभीर; हादसे की वजह साफ नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में शनिवार को एक कार सवार में भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी। इस हादसे में 28 लोग घायल हो गए, जिनमें 10 की हालत गंभीर है। यह हादसा लोकल समयानुसार सुबह करीब 2 बजे वेस्ट सांता मोनिका बुलेवार्ड पर हुआ, जो एक म्यूजिक वेन्यू के पास है। लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट की टीम ने मीडिया को बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम जारी है। अधिकारियों ने अभी तक वाहन या चालक की पहचान नहीं की है। यह भी क्लियर नहीं है कि यह हादसा जानबूझकर किया गया या गलती से हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में घटनास्थल पर दर्जनों फायर फाइटर्स और पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं। सडक़ पर एक ग्रे रंग की कार डैमेज हालत में दिख रही है, जिसके आसपास मलबा बिखरा पड़ा है। हादसे के समय मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि अचानक एक तेज रफ्तार गाड़ी भीड़ में घुसी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट और पुलिस ने इलाके को घेर लिया है और लोगों से वहां न आने की अपील की है। एक महिला ने मीडिया बताया कि उसने कार के भीड़ में घुसने से पहले गोली चलने की आवाज सुनी थी।

आयरलैंड में खुदाई में निकला 65 साल पुराना रहस्य, देखकर उड़ गए होश

कब्रों से निकले 800 नवजात के अवशेष, सेप्टिक टैंक में मिली हड्डियां

आयरलैंड,20 जुलाई (एजेंसियां)। आयरलैंड का टुआम आजकल सुर्खियों में है। यहां खजाना नहीं बल्कि धरती के नीचे नर्क मिला है, जिसकी गवाही 800 बच्चों की मौत दे रही है। भले ही वे इस दुनिया में अब नहीं हैं लेकिन उनकी कब्रें चीख-चीखकर कह रही हैं कि उन्हें एक सम्मानजनक मौत नहीं मिली। इस दर्दनाक सच्चाई का पता करीब 10 साल पहले ही चल गया था लेकिन कब्रों की खुदाई अब शुरू हुई है।

पश्चिमी आयरलैंड के टुआम में 14 जुलाई 2025 से 800 शिशुओं और छोटे बच्चों की सामूहिक कब्रों की खुदाई की जा रही है। ये अवशेष कम से कम 65 साल से दफन थे और एक दशक पहले स्थानीय इतिहासकार ने इन कब्रों का पता लगाया था उन्होंने इस जगह और यहां मासूम बच्चों की जिंदगी के साथ हुए खिलवाड़ को उजागर किया। चूंकि ये मामला चर्च से जुड़ा था, ऐसे में खुदाई होने में 10 साल लग गए।

यह खुदाई सेंट मैरी मॉदर एंड बेबी होम के स्थान पर हो रही है, जो 1925-1961 तक कैथोलिक बॉन सेकर्स सिस्टर्स द्वारा संचालित किया जाता था। 2012 में कैथरीन कॉर्लेस ने स्थानीय इतिहास पर काम करते हुए सेंट मैरी में मरने वाले 796 बच्चों के दस्तावेज़ खोजे, लेकिन उनके दफन होने के रिकॉर्ड नहीं मिले। साल 1970 में दो लड़कों ने सीवेज टैंक में हड्डियां देखी थीं। ये बच्चे सामूहिक कब्रों में दफनाए गए। उनकी इस रिपोर्ट के बाद साल 2015 में आयरलैंड सरकार ने 18 ऐसे होम की जांच शुरू की और 2016 में टुआम में उन्हें महत्वपूर्ण मानव अवशेष मिल सके।

इन बच्चों के मृत्यु प्रमाण-पत्र बताते हैं कि इनकी मौत टीबी, मिर्गी, खसरा, मेनिन्जाइटिस जैसी बीमारियों से हुई लेकिन कई मामलों में कोई कारण ही नहीं बताए गए। पहली मौत 1925 में 5 महीने के बच्चे की थी, जो गैस्ट्रोएंटेराइटिस से उसकी मौत हुई और आखिरी मृत्यु 1960 में 5 महीने की बच्ची की थी। इनकी मौतों की वजह खराब स्वच्छता, गर्मी और भोजन की कमी थी।

2014 में टुआम के तत्कालीन आर्कबिशप ने दुख जताया, लेकिन कहा कि डायोसीज़ का होम से कोई संबंध नहीं था। साल 2021 में बॉन सिस्टर्स और आर्कबिशप ने माफी मांगी और बच्चों के अपमानजनक अंतिम संस्कार के लिए खेद जताया। आखिरकार साल 2021 में सरकार ने 3000 पेज की जांच रिपोर्ट जारी की और 2022 में अवशेषों की खुदाई के लिए कानून पारित किया।

जानकारी के मुताबिक खुदाई की जा रही है, जो दो साल तक चलेगी। इसमें यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, कोलंबिया, स्पेन और अमेरिका के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। बच्चों के अवशेषों को निकाला जाएगा फिर उसका विश्लेषण किया जाएगा, पहचान की कोशिश होगी और सम्मानजनक तरीके से आखिरी विदाई दी जाएगी।

पोलैंड में पिरामिडनुमा कब्रों का रहस्यमयी ढांचा मिला

वारसॉ। जब भी धरती के नीचे दबी किसी ऐतिहासिक चीज़ की खोज होती है, तो अतीत की अनसुनी कहानियां सामने आने लगती हैं। हाल ही में पोलैंड में ऐसा ही एक दिलचस्प मामला सामने आया, जहां वैज्ञानिकों को पिरामिडनुमा कब्रों का एक रहस्यमयी ढांचा मिला है। यह खोज सिर्फ एक संरचना नहीं है, बल्कि यह फनेलबीकर संस्कृति की पहली बार सेरेमिक युग की लंबे समय से गुम एक परंपरा का प्रमाण है। यह खोज अदम मिकिएविच विश्वविद्यालय की एक टीम ने की, जो जनरल डेजीडेरी चलापोवस्की लैंडस्केप पार्क क्षेत्र में फील्डवर्क कर रही थी। टीम ने एडवांस रिमोट सेंसिंग तकनीक और एरियल लेजर स्कैनिंग की मदद से इन कब्रों की मौजूदगी का पता लगाया। इन कब्रों की बनावट सामान्य कब्रों से काफी अलग है। इनका आकार ट्रैपेजॉइड जैसा है पूर्व की ओर से चौड़ी और ऊंची, जबकि पश्चिम की ओर जाकर यह धीरे-धीरे पतली और नुकीली हो जाती हैं, जैसे कोई तीर। कुछ कब्रें तो 200 मीटर तक लंबी हैं, हालांकि इनकी ऊंचाई 4 मीटर से अधिक नहीं होती। इन कब्रों को विशाल पत्थरों से ढंका गया था। कुछ पत्थर तो 10 टन तक भारी थे, जिन्हें यहां तक लाना और सेट करना अपने आप में हैरान करने वाला काम है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को मिट्टी में मिला देना चाहती थी अमेरिकी सेना, ट्रंप ने नहीं दी मंजूरी

वाशिंगटन,20 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए एक विस्तृत और लंबी योजना तैयार की थी। योजना के तहत, ईरान के मुख्य परमाणु स्थलों जैसे नतांज, फोर्दो, और इस्फहान पर एक रात के लिए नहीं, बल्कि हफ्तों तक लगातार अमेरिकी हमले होने थे। हालाँकि, तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस योजना को मंज़ूरी नहीं दी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) प्रमुख जनरल एरिक कुरिला ने योजना तैयार की थी। इस योजना में ईरान के छह परमाणु स्थलों को बार-बार निशाना बनाने का प्रस्ताव था, जो ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से कहीं अधिक बड़ा और व्यापक होता।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से ख़त्म करना था। इसमें ईरान की मिसाइल रक्षा प्रणाली और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं को भी निशाना बनाना शामिल था। हालांकि, इस तरह की कार्रवाई से ईरान में बड़े पैमाने पर नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी। इसके अलावा, अमेरिका को डर था कि ईरान इन हमलों के जवाब में इराक और सीरिया में अमेरिकी ठिकानों पर हमला कर सकता था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने योजना को यह कहते हुए ख़ारिज कर दिया कि यह एक लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष को जन्म दे सकती थी, इससे क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को खतरा होता। ट्रम्प अपनी विदेश नीति में अमेरिका को विदेशी संघर्षों से निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे, न कि इनमें और गहराई से उतरने पर। एक सूत्र के अनुसार, हम अपने विकल्पों पर पूरी तरह से विचार करने को तैयार थे, लेकिन राष्ट्रपति ऐसा नहीं चाहते थे। यह योजना जो बाइडेन के प्रशासन के कार्यकाल के अंत में तैयार की गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान में जिन तीन परमाणु संवर्धन स्थलों पर पहले हमला किया गया था (शायद रिपोर्ट हाल ही में हुए ईरान-इज़राइल युद्ध के संदर्भ में पुरानी जानकारी को मिला रही है, क्योंकि यहां 21 जून की तारीख दी गई है जो भविष्य की तारीख है), उनमें से केवल एक ही लगभग नष्ट हुआ था। अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि फोर्डो पर हमला महत्वपूर्ण था और इससे वहां के संवर्धन सुविधा के काम को 2 साल तक पीछे धकेला जा सकता था। हालांकि, बमबारी से नतांज और इस्फहान को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था।

बस पलटने से 21 लोगों की मौत

दक्षिण ईरान में एक बस के पलटने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 34 लोग घायल हो गए हैं। यह जानकारी ईरान की सरकारी मीडिया ने शनिवार को दी। यह हादसा फार्स प्रांत की राजधानी शीराज के दक्षिण में हुआ है। फार्स प्रांत के आपातकालीन संगठन के प्रमुख मसूद आबेद ने बताया कि हादसा सुबह 11: 05 बजे हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक यात्री बस जो शीराज की ओर जा रही थी, अनियंत्रित होकर पलट गई। यह बस यात्रियों से भरी हुई थी। हादसा उस समय हुआ जब बस चालक ने एक मोड़ पर नियंत्रण खो दिया और बस सडक़ किनारे पलट गई। इस हादसे के तुरंत बाद, आपातकालीन राहत दल और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

कॉफी प्रेमियों को परेशान कर दिया ताजा वीडियो और रील्स ने

वाशिंगटन,20 जुलाई (एजेंसियां)। हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो और रील्स वायरल हुई हैं, जिन्होंने कॉफी प्रेमियों को परेशान कर दिया है। इन वीडियो में दावा किया गया कि बाजार में बिकने वाली पिसी हुई कॉफी में अक्सर कॉकरोच और दूसरे कीड़े-मकौड़े पिसे हुए होते हैं और इन्हें पूरी तरह से हटाना लगभग नामुमकिन है।

यही वजह है कि अमेरिका के यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने भी यह मान लिया है कि खाने-पीने की कुछ चीजों में एक तय सीमा तक कीड़े-मकौड़ों के अंश हो सकते हैं। ये मामला सबसे पहले अमेरिका में सामने आया। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एक बायलॉजी प्रोफेसर को कॉफी पीने के बाद गंभीर एलर्जी हो जाती थी। उन्हें यह एलर्जी कॉकरोच से भी थी। उन्होंने यह नोटिस किया कि अगर वह पहले से पिसी हुई कॉफी पीते हैं तो एलर्जी बढ़ जाती है। इसकी वजह तलाशने पर पता चला कि कॉफी के साथ कुछ मात्रा में कॉकरोच और कीड़े भी पिस जाते हैं। एफडीए के नियमों में भी यह कहा गया है कि पूरी तरह से कीड़ों को हटाना संभव नहीं है और पिसी हुई कॉफी में 10 फीसदी तक ऐसे तत्व हो सकते हैं। दरअसल, कॉफी बीन्स जब ग्रीन स्टेज में होती हैं, तभी उनमें कुछ कीट लग जाते हैं।

इसके अलावा जहां कॉफी को स्टोर किया जाता है, वहां अंधेरा और नमी होने से कॉकरोच, चूहे और दूसरे कीड़े पनपते हैं। जब इन बीन्स को बड़ी मात्रा में प्रोसेस किया जाता है तो उनके साथ कीड़े या उनके अंश भी पिस जाते हैं। जहां कॉफी का उत्पादन और स्टोरेज बड़े पैमाने पर होता है, वहां यह खतरा और बढ़ जाता है। अगर आप कॉफी के शौकीन हैं और यह खबर पढ़कर परेशान हो गए हैं तो घबराने की जरूरत नहीं। इसका एक आसान उपाय है – आप साबुत कॉफी बीन्स खरीदें, उन्हें खुद अच्छे से साफ करें और घर में पीसकर इस्तेमाल करें।

यह तरीका न केवल ज्यादा सुरक्षित है बल्कि इससे आपको ताजी और बेहतर खुशबू वाली कॉफी भी मिलेगी। वैसे यह समस्या सिर्फ कॉफी तक सीमित नहीं है। दुनिया भर में, यहां तक कि भारत में भी, कई प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स में कीड़ों के अंश पाए जाना एक आम बात है। लेकिन जागरूक रहकर और चीजों को साफ-सुथरे तरीके से तैयार करके हम इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं। मालूम हो कि दुनिया में कॉफी के लाखों शौकीन हैं और कई लोगों की सुबह की शुरुआत इसकी खुशबू और स्वाद के बिना अधूरी रहती है। हेल्थ एक्सपर्ट भी कॉफी के कई फायदे गिनाते हैं।

सर्वे पढ़कर पीएम मेलोनी के उड़ गए होश: युवाओं ने साफ कहा हम नहीं लड़ेंगे जंग

रोम,20 जुलाई (एजेंसियां)।

इटली को लेकर माना जा रहा है कि आने वाले 5 सालों में संभवत: उसे यद्ध लड़ना पड़े। ऐसी ही आशंकाओं के चलते इटली में एक सर्वो कराया गया। जिसमें 39 फीसदी युवा खुद को 'पैसिफिस्ट कॉन्शियंसियस्ट ऑब्जेक्टर' कहना पसंद किया हैं, यानी वे किसी भी हाल में हथियार नहीं उठाना चाहते। 19 फीसदी ऐसे हैं जो सेना में भर्ती से बचने के लिए वैकल्पिक रास्ते ढूंढने के पक्ष में हैं। जबकि 16 प्रतिशत युवा ऐसे हैं जो वाकई युद्ध में हिस्सा लेने को तैयार हैं।

यह इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी के लिए चिंता वाली बात है। यह डेटा ऐसे समय में आया है जब रूस-यूक्रेन में युद्ध चल रहा है।

एक ताजा सर्वे में खुलासा हुआ है कि हर तीन में से एक इटालियन नागरिक को डर है कि उनके देश को अगले पांच साल में किसी जंग का सामना करना पड़ सकता है। यह डेटा ऐसे समय में आया है जब रूस-यूक्रेन में युद्ध चल रहा है।'सेंटर फॉर सोशल इन्वेस्टमेंट स्टडीज' की रिपोर्ट में बताया गया है कि इटली की युवा पीढ़ी जो सोशल मीडिया, कला, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर ज्यादा फोकस रखती है अब 'शांति' को प्राथमिकता दे रही है। 39 फीसदी युवा खुद को 'पैसिफिस्ट कॉन्शियंसियस्ट ऑब्जेक्टर' कहना पसंद करते हैं, यानी वे किसी भी हाल में हथियार नहीं उठाना चाहते। 19 फीसदी ऐसे हैं जो सेना में भर्ती से बचने के लिए वैकल्पिक रास्ते ढूंढने के पक्ष में हैं।

26 प्रतिशत लोग मानते हैं कि युद्ध की स्थिति में इटली को विदेशी सैनिकों की मदद लेनी चाहिए। यानी अब इटली में एक पीढ़ी है जो संघर्ष से नहीं, संवाद से समाधान चाहती है। इसके अलावा पिछले दस सालों में इटली ने अपने रक्षा बजट में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। लेकिन सिर्फ 26 प्रतिशत नागरिकों को लगता है कि हथियारों से शांति आ सकती है। वहीं, 74 प्रतिशत लोग इस विचार को पूरी तरह नकारते हैं। इटली का प्रति व्यक्ति रक्षा खर्च 586 अमेरिकी डॉलर है, जो यूरोपीय औसत से कम है।

उदाहरण के तौर पर ग्रीस 686 डॉलर खर्च करता है। इसके बावजूद, इटालियन जनता मानती है कि पैसा सामाजिक योजनाओं, स्वास्थ्य और शिक्षा में लगना चाहिए। सिर्फ 25 प्रतिशत लोग ही हैं जो रक्षा बजट बढ़ाने के पक्ष में हैं इतना ही नहीं एक और चौंकाने वाली बात ये है कि सिर्फ 11प्रतिशत लोग चाहते हैं कि इटली के पास परमाणु हथियार हों। बाकी जनता का कहना है कि 'परमाणु शक्ति शांति नहीं, विनाश लाती है। लेकिन जब बात यूरोपीय एकता की आती है, तो इटली के लोग एकजुटता दिखाते हैं।

काइनेटिक फिर आ रही चेतक को कड़ी टक्कर देने

नई दिल्ली,20 जुलाई (एजेंसियां)।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी काइनेटिक एक बार फिर से ग्राहकों के दिलों में जगह बनाने के लिए तैयार है। हाल ही में इसके अपकमिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर की टेस्टिंग के दौरान स्पाई शॉट्स सामने आए हैं। काइनेटिक अपने नए इलेक्ट्रिक मॉडल के जरिए पुराने प्रतिद्वंद्वी बजाज चेतक को टक्कर देने आ रहा है। चेतक पहले से ही इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में खासा लोकप्रिय हो चुका है और इसके फीचर्स और स्टाइलिंग को काफी पसंद किया जाता है। काइनेटिक के नए झेडएक्स स्कूटर की तस्वीरों से इसके डिजाइन की झलक मिलती है जो पुराने काइनेटिक होंडा डीएक्स की याद दिलाता है। इसमें बॉक्सी डिजाइन एलिमेंट्स के साथ मॉडर्न टच भी दिया गया है, जैसे एलईडी हेडलैंप और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर। इसके पहियों में भी रेट्रो स्टाइल नजर आता है लेकिन उम्मीद है कि इसमें 12-इंच के आधुनिक पहिए होंगे जो इसकी सवारी को बेहतर बनाएंगे।

यह अपकमिंग काइनेटिक ई-स्कूटर न केवल बजाज चेतक बल्कि टीवीएस आईक्यूब और एक्टिवा ई जैसे मॉडलों को भी चुनौती देगा। काइनेटिक ग्रीन पहले से ही शहर के उपयोग के लिए कई इलेक्ट्रिक स्कूटर और मोपेड्स पेश करता रहा है, जो छोटी दूरी के लिए किफायती और सुविधाजनक विकल्प साबित हुए हैं।

मगर झेडएक्स खास तौर पर उन लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है जो एक अच्छे कम्यूटर स्कूटर की तलाश में हैं। इसकी क्लासिक स्टाइलिंग पुराने स्कूटर प्रेमियों को आकर्षित करेगी जबकि नए फीचर्स और आधुनिक डिजाइन इसे के समय के हिसाब से उपयुक्त बनाएंगे।

भारत का चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 2.85 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में भारत का चाय निर्यात सालाना आधार पर 2.85 प्रतिशत बढ़कर 25.79 करोड़ किलोग्राम रहा है। आधिकारिक आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का चाय निर्यात 25.07 करोड़ किलोग्राम रहा था। चाय बोर्ड के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 16.12 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 14.90 करोड़ किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण भारत से निर्यात 2024-25 में 4.92 प्रतिशत घटकर 9.67 करोड़ किलोग्राम रह गया, जो उससे पिछले वित्त वर्ष में 10.17 करोड़ किलोग्राम था। प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 258.30 रुपए से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

विनफ़ास्ट 27 शहरों में बनाएगा मजबूत नेटवर्क

नई दिल्ली। विनफ़ास्ट कंपनी जल्द ही दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ6 और वीएफ7 के जरिए भारत में प्रवेश करेगी। देशभर में विनफ़ास्ट ने अपने डीलरशिप नेटवर्क को व्यापक बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। विनफ़ास्ट ने अब तक 27 प्रमुख शहरों में उपस्थिति दर्ज कराते हुए 13 डीलर ग्रुप्स के साथ 32 डीलरशिप के लिए समझौता किया है। इन शहरों में दिल्ली, गुरुग्राम, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, जयपुर, अहमदाबाद, कोलकाता और कई अन्य प्रमुख स्थान शामिल हैं जहां ईवी की मांग तेजी से बढ़ रही है। कंपनी का लक्ष्य इन शहरों के जरिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ बनाना है। इसके लिए विनफ़ास्ट ने क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत ऑटोमोबाइल ग्रुप्स के साथ साझेदारी की है जैसे दिल्ली में पास्को ग्रुप, हिमाचल में देवभूमि ग्रुप, उत्तर प्रदेश में केबी ग्रुप और महाराष्ट्र में डोन ग्रुप। इस रणनीति के तहत कंपनी केवल वाहनों की बिक्री ही नहीं करेगी बल्कि ग्राहकों को बिक्री के बाद सेवा और सपोर्ट भी मुहैया कराएगी। विनफ़ास्ट की वीएफ6 और वीएफ7 एसयूवी पहले से ही वैश्विक स्तर पर चर्चा में हैं और भारत में इनके लॉन्च को लेकर काफी उत्साह है। वीएफ6 कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में जबकि वीएफ7 मिड-साइज सेगमेंट में उतारी जाएगी। भारतीय ईवी बाजार में तेजी से बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए विनफ़ास्ट की योजना सिर्फ शहरी इलाकों तक सीमित नहीं है बल्कि वह टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी अपना नेटवर्क खड़ा कर रही है।

नई अपाचे आरटीआर 310 को लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टीवीएस ने नई अपाचे आरटीआर 310 पेश की है। यह बाइक 2.40 लाख रुपए की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। इसमें 312सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 35.6 बीएचपी की पावर और 28.7एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन न सिर्फ कागज पर दमदार है, बल्कि राइडिंग के अनुभव में भी बेहतरीन साबित होता है। यह बाइक दमदार इंजन, स्पोर्टी डिजाइन और एडवांस फीचर्स के चलते युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। कंपनी का दावा है कि थ्रॉटल रिस्पॉन्स अब और बेहतर हुआ है, जिससे गियर शिफ्टिंग ज्यादा स्मूद हो गई है। इस बाइक में ड्रैग टॉर्क कंट्रोल, स्लिपर क्लच, ट्रैक्शन कंट्रोल और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स शामिल हैं, जो अब तक सिर्फ महंगी बाइक्स में ही देखने को मिलते थे। बाइक के डिजाइन में भी नयापन देखने को मिलता है, जिसमें ट्रांसपेरेंट क्लच कवर, सीक्वेंशियल टर्न इंडिकेटर्स और स्पोर्टी कलर स्कीम जैसे एलिमेंट्स शामिल हैं। टीवीएस ने इस मॉडल के साथ पहली बार बीटीओ (बिल्ट टू ऑर्डर) किट्स भी पेश की हैं, जिसमें डायनमिक किट और डायनमिक प्रो किट जैसे ऑप्शन मिलते हैं। डायनमिक किट में एडजस्टेबल सस्पेंशन और टीपीएमएस जैसी सुविधाएं मिलती हैं, जबकि प्रो किट में कीलेस इग्निशन और लॉन्च कंट्रोल जैसे फीचर्स शामिल हैं। बाइक दो वैरिएंट्स बेस और मिड में उपलब्ध है, जहां मिड वैरिएंट में बाय-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर भी मिलता है।

मखाना टॉप सुपरफूड के रूप में उभरा बदलती पसंदों से फूड इंडस्ट्री के लिए नए अवसर

नई दिल्ली। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच भारतीय सुपरफूड मखाना ने उपभोक्ताओं के बीच खास

जगह बना ली है। फार्मली की हेल्दी स्नैकिंग रिपोर्ट 2025 के अनुसार 65 प्रतिशत उपभोक्ता प्रतिभागियों ने मखाने को अपनी पहली पसंद बताया है। 55 प्रतिशत उपभोक्ताओं को प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश रिपोर्ट में हेल्थी स्नैक्स की ओर मजबूत बदालाव की भी चर्चा की गई है। 55 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ता अब सक्रिय रूप से प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, आधे से ज्यादा लगभग 52 प्रतिशत ऐसे स्नैक्स को प्राथमिकता देते हैं, जो दोबारा सील होने वाली, पर्यावरण- अनुकूल पैकेजिंग में आते हैं। यह पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। स्वादयुक्त सूखे मेवे का चलन सर्वेक्षण के अनुसार उपभोक्ताओं के बीच सुविधा एक प्रमुख कारक बनी हुई है। लगभग 45 प्रतिशत अपभोक्ता बार और सूखे मेवे आधारित मिठाइयों जैसे चलते-फिरते नाशते को पसंद करते हैं। नमकीन विक्लपों में मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे स्पष्ट रूप से पसंदीदा हैं।

पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स

बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना जरुरी

मुंबई,20 जुलाई (एजेंसियां)।

सेबी अध्यक्ष तुहिनकांत पांडे ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स पार्टिसिपेंट्स को मूल्य अनिश्चितता का प्रबंधन कर, राजस्व जोखिमों को कम कर और बिजली क्षेत्र में निवेश आकर्षित कर ज्यादा प्रभावी ढंग से योजना बनाने में मदद करेंगे। एनएसई ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के तहत मंथली इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट और नए स्पॉट मार्केट डैशबोर्ड के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया। इस प्रोडक्ट का उद्देश्य भारत के बढ़ते बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए अत्यंत जरुरी हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना है।

पांडे ने कहा कि ये भारत के पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है। एक विश्वसनीय, सस्टेनेबल और निवेशक-अनुकूल बिजली क्षेत्र के लिए गहन और लिक्विड इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स मार्केट जरुरी होगा।

एनएसई के एमडी और सीईओ ने कहा कि यह लॉन्च भारत के बिजली बाजार में एक अहम मोड़ है। उन्होंने कहा कि यह हमारे वित्तीय बाजारों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाता है और साथ ही हमारे घरेलू बिजली क्षेत्र की विशिष्ट जरुरतों को भी पूरा करता है। सेबी, सीईआरसी और कई बाजार सहभागियों की मदद से यह प्रोडक्ट भारत के ऊर्जा उपभोक्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक जोखिम प्रबंधन उपकरण के रूप में काम करेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एनएसई में इसके शुभारंभ के शुरुआती सप्ताह में ही इस उत्पाद में अच्छी भागीदारी नजर आई। 17 जुलाई तक तीन कॉन्ट्रैक्ट महीनों अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में 14 जुलाई से कुल मिलाकर 20,822 लॉट का कारोबार हुआ, जिसमें कुल कारोबार मूल्य 450 करोड़ रुपए को पार कर गया।

अगस्त महीने के कॉन्ट्रैक्ट के लिए 17 जुलाई तक, 20,421 लॉट का कारोबार हुआ, जिनकी कीमतें 4,356 रुपए एमडब्ल्यूएच से लेकर 4,364 रुपए एमडब्ल्यूएच तक थीं। इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट नकद-निपटान वाले होते हैं, 50 एमडब्ल्यूएच के लॉट आकार में उपलब्ध होते हैं और वर्तमान और तीन फ्यूचर मंथ के लिए लिस्ट होते हैं। यह सेटलमेंट तीनों पावर एक्सचेंजों में डे-अहेड मार्केट के वॉल्यूम-भारित औसत मूल्य पर आधारित है। एनएसई के मुताबिक इस प्रोडक्ट को वर्तमान में 31 दिसंबर, 2025 तक लेनदेन शुल्क से मुक्त रखा गया है, ताकि शीघ्र भागीदारी को प्रोत्साहन मिल सके। सीईआरसी के अध्यक्ष ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स पर एक दशक से ज्यादा समय से चर्चा चल रही है और यह प्रोडक्ट डिस्कॉम, औद्योगिक उपयोगकर्ताओं और रिन्यूएबल जनरेटर्स की आवश्यकताओं के अनुरूप फाइनेंशियल इनोवेशन लाता है।

बेंगलुरु में नवम्बर में होगा अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो 2025 का आयोजन

मैसूरु/ इंदौर,20 जुलाई (एजेंसियां)।

ऑल इंडिया अगरबत्ती मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने एक्सपो 2025 की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य भारत को वैश्विक अगरबत्ती निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। बेंगलुरु में 6 से 8 नवंबर, 2025 तक होने वाला यह तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो और कॉन्फ्रेंस परंपरागत रूप से आधुनिक की थीम पर आधारित होगा।

संगठन के अध्यक्ष अंबिका रामनजनेयुलु और एक्सपो चेयरपर्सन अर्जुन रंगा सहित अन्य पदाधिकारियों ने इस पहल पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि के एक अध्ययन के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में अगरबत्ती की वैश्विक मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

यह एक्सपो उद्योग के बेहतरीन उत्पादों को प्रदर्शित करेगा और

भारत को वैश्विक अगरबत्ती केंद्र बनाने का लक्ष्य

नीतियों, रोजगार के अवसरों, कच्चे माल की उपलब्धता, उपभोक्ता व्यवहार में बदलावों और उत्पाद नवाचारों पर व्यापक चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

लगभग 1,20,000 वर्ग फुट में फैले इस विशाल आयोजन में कई सेमिनार होंगे, जिनमें रोजगार सृजन, कच्चे माल की सोर्सिंग, नई सुगंधों पर अनुसंधान और निर्यात संभावनाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। यह एक्सपो भारत की समृद्ध अगरबत्ती विरासत का उत्सव मनाते हुए अगली पीढ़ी के उद्यमियों को प्रेरित करेगा।

इस आयोजन को फ्रेग्रेंस एंड फ्लेवर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया सहित कई संगठनों का समर्थन प्राप्त है। इसमें वियतनाम, इंडोनेशिया और कुछ यूरोपीय देशों के प्रदर्शक भी भाग लेंगे।

5000 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे यह अगरबत्ती उद्योग के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मिलन स्थल बनेगा।

क्रिप्टो मार्केट ने पहली बार छुआ चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा

क्रिप्टो सेक्टर का बाजार मूल्य शुक्रवार को लगभग चार ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। क्रिप्टोकरेंसी डेटा एग्रीगेटर कोइनगेको के जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यह आंकड़ा क्रिप्टो सेक्टर के लिए एक मिल का पत्थर है। प्रमुख बाजारों में नियामकीय स्पष्टता, निवेशकों के विश्वास में बढ़ोतरी और संस्थागत निवेश के मजबूत प्रवाह ने इस उद्योग को नई बुलंदियों पर पहुंचा दिया है। अमेरिका ला रहा क्रिप्टो के लिए नियम अमेरिकी हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव ने गुरुवार को अमेरिकी डॉलर से जुड़ी क्रिप्टोकरेंसी टोकन के लिए एक नियामक ढांचा बनाने के लिए विधेयक पारित किया। इस क्रिप्टोकरेंसी को स्टेबलकॉइन के रूप में जाना जाता है। फिलहाल विधेयक को राष्ट्रपति ट्रंप के पास भेज दिया गया है। इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद यह कानून बन जाएगा।

आगामी 19 जुलाई को लॉन्च होगा सैमसंग गैलेक्सी एफ 36 5जी

नई दिल्ली,20 जुलाई (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग अपने नए स्मार्टफोन गैलेक्सी एफ 36 5जी को 19 जुलाई को पेश किया जाएगा। कंपनी के टीजर में इसे 'फलेक्स हाई-फाई' स्मार्टफोन बताया गया है। सैमसंग ने कन्फर्म किया है कि इसमें 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा दिया जाएगा, जबकि इसका रियर कैमरा सेटअप वर्टिकल डिजाइन में होगा जो काफी हद तक गैलेक्सी एम36 5जी जैसा होगा।

इसके अलावा फोन में एडिट सजेशन्स, इमेज क्लिपर और ऑब्जेक्ट इरेजर जैसे एडवांस्ड फीचर्स भी मिलेंगे, जिससे फोटो एडिटिंग और कस्टमाइजेशन पहले से बेहतर होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गैलेक्सी एम36 5जी में एक्सीनोस 1380 प्रोसेसर देखने को मिल सकता है और इसमें 6जीबी रैम दी जा सकती है। डिस्प्ले की बात करें तो फोन में 6.7 इंच का स्क्रीन मिलेगा जिसका रेजॉलूशन 1080 गुणा 2340 पिक्सल होगा। यह डिवाइस एंड्रॉयड 15 बेस्ड वनयूआई 7 इंटरफेस पर काम कर सकता है।

डिजाइन के मामले में भी यह खास होगा, जिसमें वीगन लेदर फिनिश मिलने की उम्मीद है। इसकी

कीमत लगभग 20,000 रुपये के आसपास रखी जा सकती है।

गौरतलब है कि पिछले साल लॉन्च हुए गैलेक्सी एफ34 5जी में 6.46 इंच का एफएचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया था जो गोरिल्ला ग्लास 5 प्रोटेक्शन के साथ आता है। उसमें एक्सीनोस 1280 प्रोसेसर, 8जीबी तक रैम, 128जीबी स्टोरेज और 6000एमएएच की बैटरी मिलती थी। फोटोग्राफी के लिए 50एमपी मेन और 13एमपी फ्रंट कैमरा था। गैलेक्सी एफ36 5जी, अपने अपग्रेडेड फीचर्स और नए डिजाइन के साथ मिड-रेंज स्मार्टफोन मार्केट में मुकाबले को और दिलचस्प बनाएगा।

अमेरिका का भारत को टैरिफ में खास तवज्जो देना आर्थिक नहीं बल्कि गहरी सोच

ट्रंप का यह रूस और चीन दोनों को साफ संदेश देने का तरीका होगा

नई दिल्ली,20 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौता होने की संभावना है। इस समझौते से भारत को कई फायदे मिल सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो भारत उन भारी टैक्स से बचा सकता है जो 1 अगस्त से दूसरे देशों पर लगने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत का एक दल इस समझौते को अंतिम रूप देने वाशिंगटन में है। अमेरिका की ओर से भारत को टैरिफ में खास तवज्जो देना सिर्फ आर्थिक नहीं होगा।

अलबत्ता, इसके पीछे एक गहरी सोच भी है। ट्रंप प्रशासन अगर वही करता है जिसके संकेत मिल रहे हैं तो यह रूस और चीन दोनों को साफ

संदेश देने का एक तरीका होगा।

रूस को यह संकेत दिया जा रहा है कि उसके खिलाफ आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। जो देश उसके साथ व्यापार करते हैं, उन्हें परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। चीन के लिए यह अमेरिका की सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन और भारत जैसे वैकल्पिक मैन्यूफैक्चरिंग सेंटरों को बढ़ावा देने की इच्छा का संकेत है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर बातचीत चल रही है। इस बातचीत में भारत को कुछ छूट मिल सकती हैं। इसका मतलब है कि भारत से आने वाले सामान पर टैक्स कम लगेगा। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका अपने टैक्स नियमों में बदलाव कर रहा है। ट्रंप ने अलग-अलग देशों को आने वाले टैक्सों के बारे में बताना शुरू कर दिया है।

ट्रंप ने अप्रैल में भारतीय सामान पर 26फीसदी टैक्स लगाने की बात कही थी, लेकिन अभी तक भारत को कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। दूसरी तरफ, दूसरे देशों को भेजे गए पत्रों में अप्रैल में कही गई बातों से कुछ बदलाव हैं। इससे टैक्स को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

भारतीय उद्योग जगत के लोगों को उम्मीद है कि 1 अगस्त से पहले एक शुरुआती समझौता हो जाएगा। इससे भारत को भारी टैक्सों से बचने में मदद मिलेगी। यह समझौता भारत के लिए बहुत जरूरी है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट बाजार है। भारत से बाहर जाने वाले सामान का 15 फीसदी से ज्यादा अमेरिका में जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अमेरिका को 86.51 अरब डॉलर का सामान एक्सपोर्ट किया था। इसमें भारत को 40.82 अरब डॉलर का फायदा हुआ था।

बता दें अगर अमेरिका 26 फीसदी का टैक्स लगाता है तो भारत को व्यापार में कम फायद होगा। इससे भारत के एक्सपोर्ट करने वाले कारोबारियों को नुकसान होगा। प्रस्तावित समझौते से भारत को अमेरिका के बाजार में बने रहने में मदद मिल सकती है।

आजकल अमेरिका व्यापार को लेकर सख्त है। इसलिए यह समझौता भारत के लिए एक अच्छा मौका है। ट्रंप की ओर से भारत को यह छूट देने का कदम केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरे भू-राजनीतिक निहितार्थों वाला भी लगता है।

आईसीसी ने डेवलपमेंट अवॉर्ड्स 2024 के वैश्विक विजेताओं का किया ऐलान

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। **अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को आईसीसी डेवलपमेंट अवॉर्ड्स 2024 के वैश्विक विजेताओं की घोषणा की है।**

डेवलपमेंट अवॉर्ड्स 2002 में शुरू किए गए थे, जिनका उद्देश्य आईसीसी के एसोसिएट सदस्य देशों की नई सोच और पहलों को सम्मान देना है। आईसीसी के अनुसार 2024 के अवॉर्ड्स में कुल सात श्रेणियां हैं। इस बार आईसीसी एक्स रेक्सोना क्रियो फेस्टिवल ऑफ द ईयर अवार्ड नामक नई कैटेगरी जोड़ी गई है। भूटान, इंडोनेशिया, नामीबिया, नेपाल, स्कॉटलैंड, तंजानिया, अमेरिका और वानुअतु अवार्ड पाने वाले आठ सदस्य देश हैं।

आईसीसी ने बताया कि क्रिकेट नामीबिया को आईसीसी डेवलपमेंट इनिशिएटिव ऑफ द ईयर चुना गया है। क्रिकेट नामीबिया ने अपने एशबर्टन क्वाटा मिनी-क्रिकेट कार्यक्रम के लिए यह अवार्ड जीता है। इस बार आईसीसी फीमेल क्रिकेट इनिशिएटिव ऑफ द ईयर का खिताब दो विजेताओं को दिया गया। भूटान क्रिकेट काउंसिल बोर्ड और वानुअतु क्रिकेट एसोसिएशन को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यूएसए क्रिकेट को आईसीसी एसोसिएट मेंबर्स मेंस टीम परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर चुना गया।

क्रिकेट स्कॉटलैंड को आईसीसी एसोसिएट मेंबर्स वुमेंस टीम परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर से नवाजा गया है। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन को आईसीसी डिजिटल फैन एंगेजमेंट ऑफ द ईयर का सम्मान मिला है। इसके अलावा पर्सटुआन क्रिकेट इंडोनेशिया को आईसीसी क्रिकेट 4 गुड सोशल इम्पैक्ट इनिशिएटिव ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है, जबकि आईसीसी एक्स रेक्सोना क्रियो फेस्टिवल ऑफ द ईयर का अवार्ड तंजानिया क्रिकेट एसोसिएशन को मिला है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने पुरस्कार विजेताओं की सराहना की तथा इन पुरस्कारों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईसीसी डेवलपमेंट अवॉर्ड्स के सभी विजेता खेल को बढ़ावा देने के अपने मिशन में प्राप्त प्रशंसा के पात्र हैं। हर साल, ये पुरस्कार दुनिया भर में हो रही उल्लेखनीय विकास की कहानियों पर प्रकाश डालते हैं और इस साल भी कुछ अलग नहीं है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महज हिंदू नाम...

अंतिम संस्कार कर दिया गया। दर्जनों लोग मारे गए, लेकिन केवल चार लोगों के मरने की आधिकारिक तौर पर पुष्टि की गई और उनका जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कर दिया गया। यह सिर्फ एक लीपापोती नहीं थी, बल्कि यह सबूत मिटाने के लिए किया गया राज्य प्रायोजित नरसंहार था। बांग्लादेश की यह कोई अकेली घटना नहीं थी। यह कट्टरपंथी इस्लामवादियों और जेहादियों द्वारा रची गई एक बड़ी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। यह उन लोगों की करतूतें हैं, जिन्होंने साजिश करके 2024 में सत्ता हथियाई और कट्टर एवं घृणित इस्लामवादी शैतान के रूप में सामने आए तथाकथित नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को सत्ता प्रमुख के आसन पर लाकर बैठा दिया।इस नए बदनुमा शासन के तहत बांग्लादेश के हिंदू समुदाय पर हमले तेजी से बढ़े हैं। मंदिरों को आग लगाई जा रही है, घरों को ढहाया जा रहा है और यहां तक कि हिंदू विरासत वाले जिलों के नाम भी मिटाने की कोशिश की जा रही है। गोपालगंज जिले में बड़ी संख्या में हिंदू रहते हैं। यह जिला लंबे समय से इस्लामवादियों के निशाने पर रहा है। 2014 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया ने इस जिले का नाम बदलने की मांग की थी और इसके निवासियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए उन्हें गोपाली कहते हुए तिरष्कृत भाषा का इस्तेमाल किया था।

आज, वही नफरत हिंसा में बदल गई है। इस्लामी भीड़ अब दिन-दहाड़े अल-कायदा, आईएसआईएस, हमास और तालिबान के झंडे लहराते हुए उग्रवादी नारे लगा रही है। इस्लामी आंदोलन के एक चरमपंथी नेता मुफ्ती फैजुल करीम ने खुलेआम बांग्लादेश को अगला अफगानिस्तान बनाने की कसम खाई है। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय जेहादियों के लिए एक नया पड़ाव बनता जा रहा है। गेटस्टेन इंस्टीट्यूट के अनुसार, बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से हमास, अल-कायदा और पाकिस्तान के कई वरिष्ठ जेहादियों ने बांग्लादेश का दौरा कर चुके हैं। इनमें हमास के शेख खालिद कुदूमी और खालिद मिशाल, और मुफ्ती तकी उस्मानी और मौलाना फजलुर रहमान जैसे पाकिस्तानी इस्लामवादी शामिल हैं।

इन यात्राओं का उद्देश्य रोहिंग्या शरणार्थियों और फंसे हुए पाकिस्तानियों (बिहारियों) के साथ परिचालन संबंध स्थापित करना था। बिहारी मुसलमानों का समूह कट्टरपंथी आतंकी जमात के रूप में तब्दील हो रहा है और इजराइल, भारत और अमेरिका को निशाना बनाने के लिए आतंकवादियों की भर्ती की जा रही है। यूनुस के संरक्षण में कट्टर इस्लामवाद बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्ष और बहुलतावादी पहचान मिटाने में लगे हैं। रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित बांग्लादेश के राष्ट्रगान को हिंदू गीत बताकर उसे हटाने की मांग तेज हो गई है। गोपालगंज का नाम बदलने का दबाव बढ़ ही रहा है, क्योंकि इस्लामवादियों का तर्क है कि इसका हिंदू-मूल नाम मुस्लिम भावनाओं को ठेस पहुंचाता है।

ऐसी ओछी मांगें आस्था पर आधारित नहीं हैं। ये फासीवादी विचारधारा से उपजी हैं। ऐतिहासिक सच्चाई यह है कि गोपालगंज का विकास हिंदू जमींदारों ने किया था और यह एक पूजनीय बंगाली आदर्श रानी रासमोनी की विरासत को संजोए हुए है। यह क्षेत्र लंबे समय से सांप्रदायिक सद्भाव और समावेशी पहचान का प्रतीक रहा है। लेकिन मौजूदा सरकार इसे नष्ट करना चाहती है। सांस्कृतिक सफाई की एक जबरदस्त कार्रवाई में बंगाली कला और सिनेमा के वैश्विक आदर्श सत्यजीत रे के पैतृक घर को मैमनसिंह जिले में ध्वस्त कर दिया गया। दशकों के इतिहास और जनभावना के बावजूद अधिकारियों ने सत्यजीत रे के परिवार से इस घर के संबंध को नकार दिया। यह कोई दुर्घटना नहीं थी बल्कि यह बंगाली और हिंदू विरासत का एक सुनियोजित विनाश था।

शेख मुजीबुर रहमान और रवींद्रनाथ टैगोर से जुड़े स्मारकों सहित अन्य प्रतिष्ठित स्थलों को भी निशाना बनाया गया है। भौतिक विनाश तो हो ही रहा है, मनोवैज्ञानिक युद्ध और भी अधिक घातक साबित हो रहा है। गोपालगंज नरसंहार केवल एक त्रासदी नहीं है, यह एक पूर्वसूचना है। ऐतिहासिक रूप से गोपालगंज सांप्रदायिक शांति का गढ़ रहा है। यहां जमात-ए-इस्लामी और बीएनपी ने भी कई शांतिपूर्ण रैलियां आयोजित की हैं। लेकिन नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की रैली की आड़ में हिंसा भड़काई गई। सेना ने शांति स्थापित नहीं की बल्कि सेना ने रक्तपात भड़काया। इसके बाद लगा कर्फ्यू सुरक्षा के लिए नहीं था, बल्कि यह सच्चाई को छुपाने, जिले को अलग-थलग करने और उसके लोगों को चुप कराने के लिए था। एक रैली को युद्धक्षेत्र में बदलकर, यूनुस शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। सिनेमाघरों, सूफी दरगाहों, हिंदू मंदिरों और सांस्कृतिक संस्थानों पर जारी हमले एक ऐसे शासन का संकेत देते हैं जो देश के मूल स्वरूप को ही बदलने पर आमादा है। यह केवल लापरवाही नहीं है, यह बांग्लादेश की आत्मा पर एक व्यवस्थित और सुनियोजित हमला है।

जहां कभी अपने संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के सपनों से प्रेरित एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र था, अब एक खंडित राज्य खड़ा है जो कट्टरता की चपेट में है, चरमपंथियों द्वारा संचालित है और अपनी ही संस्थाओं द्वारा धोखा दिया गया है। गोपालगंज में 16 जुलाई का नरसंहार एक युद्ध अपराध है। यह बांग्लादेश में व्यवस्था बहाल करने की आड़ में चल रहे एक व्यापक नरसंहार अभियान का एक वीभत्स प्रतीक है। इस पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चुप नहीं रहना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी शक्तियां आंखें मूंद रही हैं, क्योंकि ये सब तख्तापलट में भागीदार रही हैं। इन्हीं शक्तियों ने जेहादी तत्वों को सशक्त बनाया। बांग्लादेश के लोग अपनी संस्कृति, विरासत और अस्तित्व के विनाश का सामना कर रहे हैं। अगर गोपालगंज को भुला दिया गया, तो कल यह फरीदपुर, नारायणगंज, ब्राह्मणबरिया और उससे भी आगे बढ़ेगा। दुनिया को आवाज उठानी होगी। बाद में नहीं तो कभी नहीं, क्योंकि हर मिनट की खामोशी एक और जान लेती है, एक और सच्चाई दफन होती है और बांग्लादेश के शरीर एक और हिस्सा भंग हो जाता है।

फिर एक महीने ...

आज की सर्वदलीय बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भाग लिया। बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल ने किया। कांग्रेस के गौरव गोगोई और जयराम रमेश, राकांपा-शरद पवार की सुप्रिया सुले, द्रमुक के टीआर बालू और आरपीआई (ए) नेता एवं केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी बैठक में शामिल हुए।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मामलों और लंबित विधेयकों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। संसद में जो भी मुद्दा आएगा, हम उसे सुनेंगे। कल खड़गे जी और राहुल जी के साथ मेरी बहुत अच्छी बैठक हुई। मैं अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के साथ नियमित बैठकें करता रहता हूं। एक संसदीय मंत्री होने के नाते, सभी के साथ समन्वय बनाए रखना मेरी जिम्मेदारी है।सर्वदलीय बैठक में शामिल कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, इस बार हमें पहले से अधिक उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के माध्यम से देश को संबोधित करेंगे। कई अहम मुद्दे हैं जिन पर सरकार को अपनी बात रखनी चाहिए। पहला मुद्दा पहलगाम का है और उस पर उपराज्यपाल द्वारा दिए गए बयान भी गंभीर हैं। काफी समय बीत चुका है और अब सरकार को इस पर स्पष्ट रूप से अपनी स्थिति संसद में रखनी चाहिए। दूसरा मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति के हालिया बयान से जुड़ा है, जो भारत की गरिमा और हमारी सेना की वीरता पर सवाल उठाने का है। इसका जवाब सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री ही दे सकते हैं। तीसरा अहम मुद्दा मतदान के अधिकार और चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा है। आज जब चुनाव आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों से संवाद से बच रहा है, स्पष्टता नहीं दे रहा है, तो आगामी राज्य चुनावों और लोकतांत्रिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे संसद में आकर सरकार का पक्ष रखें।

गोगोई ने कहा कि हमारे वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा उठाया है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ हमारी सीमा पर जो दो-मोर्चे की धुरी बन गई है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम रक्षा और विदेश नीति पर बात करें। प्रधानमंत्री मोदी को सदन में इन तीनों विषयों पर अपना विचार रखना जरूरी हैय़ उन्होंने कहा कि, सरकार मणिपुर से संबंधित कई विधेयक ला रही है, लेकिन प्रधानमंत्री ने पहले कहा था कि कुछ महीनों में मणिपुर में शांति लौटेगी। अब लगभग ढाई साल बीत चुके हैं, लेकिन वहां अभी भी अशांति का माहौल बना हुआ है। प्रधानमंत्री छोटे-छोटे देशों की यात्रा तो करते हैं, लेकिन अपने ही देश के एक छोटे राज्य में, जहां अब भी हालात गंभीर हैं, वहां जाने से परहेज कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि आगामी संसद सत्र में इन सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक और गंभीर चर्चा होगी, और प्रधानमंत्री इन पर सदन में अपना पक्ष स्पष्ट करेंगे।

सर्वदलीय बैठक में शामिल होने वाले आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा, मैंने अपनी पार्टी की ओर से जो मुद्दा उठाया है, वह यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार कह रहे हैं कि उन्होंने ट्रेड डील के नाम पर सीजफायर करवाया, सरकार को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। दिल्ली में झुग्गियां तोड़ी गईं और मैंने यह मुद्दा उठाया है और सरकार को इसे रोकना चाहिए। बिहार में एसआईआर की यह कवायद बंद होनी चाहिए। अगर सरकार जवाब नहीं देती है, तो हम सदन के अंदर और बाहर सवाल उठाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन केवल लोकसभा चुनावों के लिए है। आम आदमी पार्टी इंडी गठबंधन से अलग अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

केंद्र सरकार ने मानसून सत्र में कुल आठ नए विधेयकों को पेश करने की योजना बनाई है, जिनमें भू-विरासत स्थलों और भू-अवशेषों के संरक्षण और सुरक्षा से संबंधित एक विधेयक भी शामिल है। मानसून सत्र के लिए प्रस्तावित विधेयकों में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक शामिल है।

शनिवार को इंडी गठबंधन ने अपने 24 घटक दलों के साथ एक वर्चुअल बैठक की, जिसमें आठ प्रमुख मुद्दों पर आम सहमति बनी, जिन्हें वे मानसून सत्र के दौरान उठाने की योजना बना रहे हैं। विपक्षी दलों की बैठक में पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम की घोषणा, भारत की विदेश नीति और बिहार में चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता सूची पुनरीक्षण शामिल हैं। अनुमान था कि इन मुद्दों पर संसद में टकराव होगा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर सरकार बातचीत के लिए तैयारी होती है, तो फिर यह विपक्ष और सरकार के बीच सहमति का अनुमान माना जा रहा है। विपक्षी दलों की वर्चुअल बैठक में कांग्रेस से सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश, समाजवादी पार्टी से रामगोपाल यादव, टीएमसी के अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे और संजय राउत, एनसीपी (एसपी) के शरद पवार और जयंत पाटिल, नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला, जेएमएम के हेमंत सोरेन, आरजेडी के तेजस्वी यादव और डीएमके के तिरुचि एन शिवा शामिल थे।

यह भी तय...

सुप्रीम कोर्ट से राय मांग सकते हैं। हालांकि, कोर्ट की यह राय फैसले की तरह बाध्यकारी नहीं होती है। यह प्रेसिडेंशियल रेफरेंस सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के उस फैसले के पांच हफ्ते बाद मांगा गया था, जिसमें दो-न्यायाधीशों की पीठ ने राष्ट्रपति के पास भेजे गए विधेयकों को मंजूरी देने की अधिकतम समयसीमा तीन महीने तय कर थी। उस फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा 10 विधेयकों को लंबित रखने या अस्वीकृत करने के निर्णय को भी खारिज कर दिया गया था। अब संविधान पीठ तय करेगी कि राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों पर निर्णय लेने की समय-सीमा तय करना कितना संवैधानिक और व्यावहारिक है।दरअसल, संबंधित राज्य की विधानसभा से पारित किसी विधेयक को राज्यपाल ने राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजा है तो उसे कितने दिनों में लौटाया जाए। संविधान में इसको लेकर किसी तरह की समयसीमा तय नहीं की गई है। तमिलनाडु के राज्यपाल विधानसभा से पास 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजकर उसपर अपनी सहमति देने से इनकार कर दिया। उधर, राष्ट्रपति की ओर से इसपर तत्काल विचार नहीं किया गया। इसके बाद तमिलनाडु सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। 8 अप्रैल 2025 को जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली दो जजों की पीठ ने इसपर बड़ा फैसला दिया। कोर्ट ने राज्यपाल की ओर से राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजे गए विधेयकों को क्लियर करने के लिए तीन महीने की समयसीमा तय कर दी। शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट से प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मांगा। राष्ट्रपति की ओर से प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मांगे जाने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ इसपर 22 जुलाई 2025 को विचार करेगी। अन्य फैसलों की तरह इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दी गई राय बाध्यकारी नहीं होगी। संविधान के अनुच्छेद 145 (3) के तहत किए गए प्रावधान के अनुसार, प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर पांच जजों की संविधान पीठ ही सुनवाई कर सकती है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मेजोरिटी ओपिनयन के साथ प्रेसिडेंशियल रेफरेंस को वापस लौटा देगा। संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति मंत्रिमंडल की सहायता और सलाह पर कार्य करता है। सलाहकारी अधिकार क्षेत्र उसे कुछ संवैधानिक मामलों पर कार्य करने के लिए स्वतंत्र सलाह लेने का अधिकार देता है। राष्ट्रपति ने 1950 से अब तक कम से कम 15 मौकों पर इस शक्ति का प्रयोग किया है।

प्रेसिडेंशियल रेफरेंस के तहत 14 कानूनी प्रश्न शामिल हैं, जो मुख्यतः 8 अप्रैल के फैसले से लिए गए हैं। लेकिन, यह केवल उसी तक सीमित नहीं है। अंतिम तीन सवाल इस बारे में बड़े मुद्दे उठाते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय संविधान द्वारा प्रदत्त विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग कैसे करता है। सवाल 12 में पूछा गया है कि क्या सुप्रीम कोर्ट को पहले यह निर्धारित करना होगा कि क्या किसी मामले में कानून का कोई महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल है या संविधान की व्याख्या की आवश्यकता है, जिसे केवल एक बड़ी पीठ ही सुन सकती है। यह सवाल अनिवार्य रूप से यह पूछता है कि क्या छोटी पीठ ऐसे महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई कर सकती है। सवाल नंबर 13 संविधान के अनुच्छेद 142 के उपयोग पर प्रश्न उठाता है, जो कि विवेकाधीन पूर्ण न्याय करने की शक्ति है। अंतिम और 14वां प्रश्न में सर्वोच्च न्यायालय से केंद्र-राज्य विवादों की रूपरेखा निर्धारित करने के लिए कहा गया है जिनकी सुनवाई कोई भी न्यायालय कर सकता है। अनुच्छेद 131 में कहा गया है कि इस संविधान के प्रावधानों के अधीन, सर्वोच्च न्यायालय को, किसी भी अन्य न्यायालय को छोड़कर, किसी भी विवाद में मूल अधिकार क्षेत्र प्राप्त होगा।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से जो 14 सवाल पूछे हैं इसमें उन्होंने राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। अगर विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अदालत ने कहा कि अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा।

समानांतर सरकार ...

कर्नाटक के बेल्लारी में रेड्डी बंधुओं के कोयला घोटाले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। मध्य प्रदेश की नर्मदा, चंबल और बेतवा नदियों में अवैध रेत खनन इतना प्रचलित है कि इन्हें खनन युद्धभूमि कहा जाता है। उत्तर प्रदेश के यमुना, चंबल और घाघरा नदी के किनारों पर खनन माफिया खुलेआम हथियारबंद होकर शासन को चुनौती देते हैं और उनका माफिया राज चल रहा है।

महाराष्ट्र में रायगढ़ और पालघर जिलों में समुद्री रेत का अवैध दोहन पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचा रहा है, जबकि राजस्थान में संगमरमर और चूना पत्थर के खनन से पहाड़ियां बिखरती जा रही हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में नदी घाटियों में मशीनों से की जा रही खुदाई हिमालयी पारिस्थितिकी पर खतरे का संकेत है। वर्ष 2024 की एक स्वतंत्र रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल लगभग 10,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के खनिज अवैध रूप से निकाले जाते हैं।

रेनफॉरेस्ट एक्शन नेटवर्क और ग्रीनपीस के पर्यावरण विश्लेषकों के मुताबिक भारत में कोयला, बॉक्साइट, ग्रेनाइट और बालू के अवैध खनन को सिस्टमिक करप्शन का अंग माना जाना चाहिए क्योंकि यह स्थानीय नेताओं, अधिकारियों और ठेकेदारों के गठजोड़ से पनपता है। सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी की सख्ती के बावजूद जमीनी हालात में कोई ठोस बदलाव नहीं आया है। कांगो कोबाल्ट, सोना और टैंटलम जैसे दुर्लभ खनिजों का बड़ा भंडार है। किंतु यहां के अधिकांश खनिज असंगठित और अवैध खनन के माध्यम से निकाले जाते हैं, जहां बच्चे और महिलाएं खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं।

सियासत के सिर पर...

हैदराबाद पुलिस ने गवाही के लिए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और भाजपा नेता व केंद्रीय राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार को भी बुलाया था। इस फोन टैपिंग का आरोप सबसे पहले मार्च 2024 में सामने आया। एसआईबी के एएसपी ने हैदराबाद के पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इसमें डीएसपी प्रणीत राव पर खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए अवैध तरीकों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया। पंजागुट्टा पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को नामजद किया। इनमें पूर्व एसआईबी चीफ टी प्रभाकर राव, प्रणीत राव, एएसपी एम थिरुपथन्ना और एन भुजंगा राव, पूर्व डीसीपी टी राधा किशन राव और टेलीविजन चैनल के मालिक एन श्रवण कुमार शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रभाकर राव को अगस्त तक गिरफ्तारी से राहत दे रखी है। लेकिन डी प्रणीत राव, भुजंगा राव, एम थिरुपथन्ना और टी राधा किशन राव को गिरफ्तार किया गया जो अभी जमानत पर हैं। एन श्रवण कुमार वर्तमान में एक अलग मामले में चंचलगुडा जेल में बंद हैं। उन्हें भी सुप्रीम कोर्ट ने फोन टैपिंग मामले में गिरफ्तारी से राहत दी है। पूर्व एसआईबी चीफ से कई बार पूछताछ हो चुकी है।

बीआरएस एमएलसी और प्रवक्ता श्रवण कुमार दासोजू ने कहा, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार फोन टैपिंग मामले का इस्तेमाल बीआरएस नेतृत्व की छवि खराब करने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में कर रही है। अगर फोन इंटरसेप्शन हुआ भी था, तो कानून के अनुसार मुख्य सचिव, डीजीपी और गृह सचिव वाली टॉप कमेटी की इजाजत से पुलिस और खुफिया विभागों द्वारा इसकी मंजूरी दी गई होगी। बीआरएस पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। जांच करने वाली टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि एसआईबी की स्पेशल ऑपरेशन टीम सर्विलांस रिकॉर्ड नष्ट कर देती है। एसआईबी का काम वामपंथी उग्रवाद की जांच करना है। एसआईबी केवल माओवादियों से जुड़े लोगों पर ही निगरानी रखता है। फिर फोन टैपिंग मामले में एसआईबी को कैसे संलग्न किया गया, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

वाईएसआरसीपी सांसद...

इसमें वासुदेव रेड्डी, सत्य प्रसाद, मिधुन रेड्डी, पूर्व वाईएसआरसीपी नेता वी विजय साई रेड्डी, सज्जला श्रीधर रेड्डी, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी धनुंजय रेड्डी, कृष्ण मोहन रेड्डी और बालाजी गोविंदप्पा का नाम शामिल है।

पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के आईटी सलाहकार के रूप में काम कर चुके कासिरेड्डी राजा शेखर रेड्डी पर अन्य व्यक्तियों के साथ लोकप्रिय शराब ब्रांडों को बंद करने और ब्लू-आइड ब्रांड्स (पसंदीदा ब्रांडों) को बढ़ावा देने का आरोप है। एसआईटी के अनुसार, प्रति माह 60 करोड़ रुपए तक की रिश्वत वसूली जाती थी। एसआईटी ने आरोप लगाया कि रिश्वत लेने के बाद, कासिरेड्डी राजा शेखर रेड्डी कई अन्य अनियमितताओं के अलावा, रिश्वत की रकम मिधुन रेड्डी और अन्य को भेजते थे।

इस बीच, विपक्षी दल ने मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर बदला लेने और वाईएसआरसीपी सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी के करीबी लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का आरोप लगाया। वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता मल्लादी विष्णु ने कहा कि मिथुन रेड्डी के खिलाफ मामला पार्टी नेतृत्व के करीबी लोगों को गिरफ्तार करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। मल्लादी विष्णु ने कहा कि हम चंद्रबाबू नायडू के झांसे को बेनकाब करने के लिए वापस आएंगे। नायडू सरकार की कार्रवाई जितनी अधिक प्रतिशोधात्मक होगी, वाईएसआरसीपी का गठबंधन सरकार की विफलताओं और भ्रष्टाचार को उजागर करने और उनसे लड़ने का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। वहीं, वाईएसआरसीपी के एक और वरिष्ठ नेता एल अप्पी रेड्डी ने कहा कि मिधुन रेड्डी के परिवार का लंबा और प्रतिष्ठित राजनीतिक इतिहास है। मुझे भरोसा है कि न्याय होगा और न्यायपालिका निष्पक्षता से काम करेगी।

आंध्र प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शनिवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद पेड्डीरेड्डी मिधुन रेड्डी को गिरफ्तार किया है। एसआईटी ने यह कार्रवाई 3200 करोड़ रुपए शराब घोटाले मामले में की है। जो पिछली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के शासनकाल के दौरान हुआ था। मामले से परिचित अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। मंगलागिरी स्थित अपराध जांच विभाग (सीआईडी) कार्यालय में सांसद से लगभग सात घंटे तक पूछताछ के बाद एसआईटी अधिकारियों ने उनके परिवार वालों को उनकी औपचारिक गिरफ्तारी की सूचना दी। इस घटनाक्रम से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि रेड्डी को रविवार को विजयवाड़ा की स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

शराब घोटाला मामले में आरोपी नंबर 4 (ए-4) के रूप में नामित मिधुन रेड्डी को एसआईटी ने शनिवार को पूछताछ के लिए बुलाया था, क्योंकि शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में उनकी अग्रिम जमानत की याचिका खारिज कर दी थी। अधिकारी ने बताया कि एसआईटी अधिकारियों ने उनसे शराब निर्माताओं से विभिन्न कथित मुखौटा कंपनियों में और वहां से अंतिम लाभार्थियों तक पहुंचने वाले कमीशन के बारे में विस्तार से पूछताछ की। एसआईटी ने जांच के दौरान एकत्र किए गए सभी साक्ष्य सांसद के समक्ष प्रस्तुत किए और उनसे स्पष्टीकरण मांगा।

रेड्डी से पूछताछ चल ही रही थी कि एसआईटी अधिकारियों ने विजयवाड़ा अदालत में शराब घोटाले में एक प्रारंभिक आरोपपत्र दाखिल कर दिया। अधिकारी ने बताया कि 300 पन्नों के आरोपपत्र के साथ 100 से ज्यादा फ़ोरेंसिक लैब रिपोर्ट और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल किए गए। उन्होंने बताया कि एसआईटी ने अदालत को बताया कि उसने अब तक 62 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है, 268 गवाहों से पूछताछ की है और 11 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। आरोपपत्र में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की रिमांड रिपोर्ट के अलावा अन्य प्रासंगिक दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि मिथुन रेड्डी का नाम आरोपपत्र में है, लेकिन अधिकारियों ने उनकी विशिष्ट भूमिका के बारे में स्पष्ट रूप से नहीं बताया है। एसआईटी ने अदालत को बताया कि वह 20 दिनों के भीतर एक और विस्तृत आरोपपत्र दाखिल करेगी, क्योंकि जांच एक महत्वपूर्ण चरण में है और जल्द ही और जानकारी सामने आएगी।

शराब घोटाले के सिलसिले में अब तक एसआईटी ने मिधुन रेड्डी समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें प्रमुख हैं पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के पूर्व आईटी सलाहकार कासिरेड्डी राजशेखर रेड्डी, जिन्हें ए-1 नामित किया गया था, उन्हें 21 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार किया गया। एसपीवाई एग्रो इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक सज्जला श्रीधर रेड्डी (ए-6) को 26 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार किया गया। बी चाणक्य (ए-8), पी. दिलीप (राजशेखर रेड्डी के निजी सहायक) और गोविंदप्पा बालाजी (भारती सीमेंट्स के निदेशक) को 13 मई 2025 को मैसूर में गिरफ्तार किया गया था।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने शुक्रवार को रेड्डी को गिरफ्तारी से संरक्षण देने से इन्कार कर दिया था। रेड्डी ने आरोप लगाया था कि मामले में उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक चाल है, क्योंकि 2019 से 2024 तक राज्य में वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान एपीएसबीसीएल की शराब खरीद नीति से उनका कोई लेना-देना नहीं है। रेड्डी ने 15 जुलाई को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इससे पहले, 15 जुलाई को एसआईटी ने रेड्डी के विदेश भागने से रोकने के लिए उनके खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था। अधिकारी ने बताया कि एसआईटी ने उनके ठिकानों का पता लगाने और उन जगहों पर तलाशी लेने के लिए विशेष टीमें भी गठित कीं जहां उनके छिपे होने की संभावना थी।

3,200 करोड़ रुपए के शराब मामले में कथित तौर पर कुछ शराब कंपनियों को रिश्वत देकर लाभ पहुंचाने के लिए आबकारी नीति में हेरफेर किया गया था। राज्य ने वाई वेंकटेश्वर राव श्रीनिवास नामक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू की, जिसमें अक्टूबर 2019 से मार्च 2024 के बीच एपीएसबीसीएल के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। श्रीनिवास ने आरोप लगाया कि नए और नकली शराब ब्रांडों के लिए खरीद आदेश दिए गए थे और इनमें से कुछ ब्रांड निजी डिस्टिलरी द्वारा उत्पादित किए गए थे जिनमें वाईएसआरसीपी नेता भागीदार थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लोकप्रिय शराब ब्रांडों से स्टॉक न खरीदने के लिए रिश्वत दी गई थी।

आबकारी विभाग और एपीएसबीसीएल ने शिकायत की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की थी, जिसमें पाया गया कि स्थापित लोकप्रिय ब्रांडों को स्पष्ट रूप से दबाया गया है और मौजूदा मानदंडों का उल्लंघन करते हुए कुछ नए ब्रांडों को तरजीही आवंटन किया गया है। इस बीच, वाईएसआरसीपी ने शनिवार को जगन मोहन रेड्डी के करीबी लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की निंदा की और कहा कि पार्टी इन झूठे मामलों के खिलाफ लड़ेगी। वाईएसआरसीपी प्रवक्ता और पूर्व विधायक मल्लादी विष्णु ने कहा कि सांसद मिधुन रेड्डी के खिलाफ मामला पार्टी नेतृत्व के करीबी लोगों को गिरफ्तार करने की एक बड़ी प्रतिशोधात्मक साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि लेकिन हम नायडू के झांसे को बेनकाब करने के लिए वापस आएंगे। विष्णु ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू सरकार की कार्रवाई जितनी ज्यादा प्रतिशोधात्मक होगी, गठबंधन की नाकामियों और भ्रष्टाचार को उजागर करने और उसका प्रतिकार करने का हमारा संकल्प उतना ही मजबूत होगा। मिधुन रेड्डी किस तरह शराब घोटाले से जुड़े हैं, यह न तो पता चला है और न ही इसका खुलासा हुआ है, और जब एसआईटी से अदालत में इस बारे में विस्तृत जानकारी मांगी गई, तो वह कोई जवाब नहीं दे पाई।

संघ और सीपीएम...

राजनीतिक सोच आखिर क्या है कि वह बार-बार ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उनकी अपनी पॉलिटिकल अप्रोच उन्हें और उनकी पार्टी को भंवर में फंसा देती है। लोगों का यह पूछना भी स्वाभाविक है कि आखिर क्या वजह है कि राहुल गांधी अक्सर वैचारिक मुद्दे पर अजीब किस्म के मतिभ्रम का शिकार हो जाते हैं और ऐसी उल-जलूल हरकत कर बैठते हैं कि उन्हें पूरे देश में कोई गंभीरता से नहीं लेता।

कांग्रेस पार्टी अपनी स्थापना से लेकर अब तक मध्यमार्गी और पॉपुलिस्ट विचारधारा का मिश्रण रही है। यह कभी समाजवादी नीतियों (जैसे इंदिरा गांधी के दौर में राष्ट्रीयकरण) तो कभी आर्थिक उदारीकरण (1991 के सुधार) की वकालत करती रही है। लेकिन राहुल गांधी की व्यक्तिगत विचारधारा इस मिश्रण को और जटिल बनाती है, क्योंकि वह न तो पूरी तरह समाजवादी हैं, न दक्षिणपंथी और न ही वामपंथी। उनकी सोच एक ऐसी उलझन में फंसी हुई दिखती है। यह उलझन और विरोधाभास बार-बार उनके बयानों से झलकता है। राहुल गांधी का यह कहना कि आरएसएस और सीपीएम में लोगों के प्रति भावनाओं की कमी है, न सिर्फ तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि सियासी तौर पर आत्मघाती भी है। संघ और सीपीएम की विचारधाराएं एक दूसरे के विपरीत हैं, लेकिन दोनों विचारधाराओं के अपने-अपने जनाधार हैं। और जनाधार बिना भावना के तो बनता नहीं है। केरल में भले ही कांग्रेस और सीपीएम प्रतिद्वंद्वी हैं। लेकिन वह वहां यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार में शामिल है जिसका नेतृत्व सीपीएम करती है। लेकिन बिहार में दोनों इंडी गठबंधन में साथ-साथ हैं। राहुल का केरल में दिया गया बयान बिहार के संदर्भ में पूरी तरह गलत संदेश देता है, जहां वामपंथी पार्टियों का ग्रामीण इलाकों में प्रभाव है। राहुल गांधी का यह बयान गठबंधन के कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा कर रहा है और वोटों के बंटवारे का खतरा बढ़ा रहा है।सीपीएम और सीपीआई के नेताओं ने राहुल के बयान की कड़ी आलोचना की है। सीपीएम महासचिव एमए बेबी ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि यह बयान केरल और भारत की राजनीतिक वास्तविकताओं की समझ की कमी को दर्शाता है। सीपीआई नेता डी राजा ने भी गठबंधन की वर्चुअल बैठक में इस मुद्दे को उठाया और कहा कि ऐसी टिप्पणियां कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा करती हैं। बिहार में वामपंथी दलों का वोट बैंक भले ही सीमित हो, लेकिन ग्रामीण इलाकों, खासकर सीमांचल और मगध क्षेत्र में, उनकी संगठनात्मक ताकत अहम है। अगर यह नाराजगी बढ़ती है, तो गठबंधन के लिए सीट-बंटवारे और संयुक्त रणनीति में मुश्किलें आ सकती हैं। राहुल के बयान से वामपंथी कार्यकर्ताओं में भी असंतोष फैल रहा है।आम आदमी पार्टी इंडी गठबंधन से बाहर हो चुकी है। इससे गठबंधन पहले से ही कमजोर स्थिति में है। अब अगर वामपंथी दल भी दूरी बनाते हैं, तो बिहार में गठबंधन की संभावनाएं और कम हो जाएंगी। बिहार में राजद और कांग्रेस की ताकत सीमित है और वामपंथी दलों की संगठनात्मक क्षमता गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। इस बार बिहार में वामपंथी दलों (सीपीआई, सीपीएम, सीपीआईएमएल) की मांग है कि उन्हें उनकी संगठनात्मक ताकत के आधार पर अधिक सीटें दी जाएं। राहुल गांधी के सीपीएम और आरएसएस को एक समान बताने वाले बयान से नाराज वामपंथी दल सीट बंटवारे की बातचीत को और जटिल बना सकते हैं। अगर वामपंथी दल गठबंधन से अलग होने का फैसला करते हैं, तो यह गठबंधन को बड़ा झटका देगा।

आज रखा जाएगा कामिका एकादशी का व्रत

विष्णु की पूजा और दान करने से मिलता है कभी न खत्म होने वाला पुण्य

हर वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन कामिका एकादशी मनाई जाती है। यह पर्व भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन भगवान विष्णु एवं धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। 21 जुलाई को सावन महीने की एकादशी का व्रत किया जाएगा। जिसका नाम कामिका एकादशी है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 20 जुलाई को दोपहर 12:12 मिनट पर होगी। वहीं कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का समापन 21 जुलाई को सुबह 09:38 मिनट पर होगा। अत: 21 जुलाई को कामिका एकादशी मनाई जाएगी। कामिका एकादशी व्रत की कथा सुनना यज्ञ करने के समान है। इस व्रत के बारे में ब्रह्माजी ने देवर्षि नारद को बताया कि पाप से भयभीत मनुष्यों को कामिका एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए। एकादशी व्रत से बढ़कर पापों के नाशों का कोई उपाय नहीं है। स्वयं प्रभु ने कहा है कि कामिका व्रत से कोई भी जीव कुयोनि में जन्म नहीं लेता। जो इस एकादशी पर श्रद्धा-भक्ति से भगवान विष्णु को तुलसी पत्र अर्पण करते हैं, वे इस समस्त पापों से दूर रहते हैं। पुराणों में कहा गया है कि इस तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली इस एकादशी पर भगवान विष्णु को तुलसी पत्र चढ़ाने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। इस दिन तीर्थ स्नान और दान से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

कामिका एकादशी पर शंख, चक्र, गदाधारी भगवान विष्णु का पूजन होता है। भीष्म पितामह ने नारदजी को इस एकादशी का महत्व बताया है। उन्होंने कहा कि जो मनुष्य इस एकादशी को धूप, दीप, नैवेद्य आदि से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, उन्हें गंगा स्नान के फल से भी उत्तम फल की प्राप्ति होती है। इस एकादशी की कथा सुनने से ही वाजपेय यज्ञ का फल मिल जाता है। भीष्म कहते हैं कि व्यतिपात योग में गंडकी नदी में और सूर्य-चन्द्र ग्रहण के दौरान स्नान करने से जितना पुण्य मिलता है। उतना ही महापुण्य सावन महीने में आने वाली कामिका एकादशी पर व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से मिल जाता है। इस दिन तुलसी पत्र से भगवान विष्णु की पूजा करने का भी विधान बताया गया है।

एकादशी तिथि

पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 20 जुलाई को दोपहर 12:12 मिनट पर होगी। वहीं कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का समापन 21 जुलाई को सुबह 09:38 मिनट पर होगा। अत: 21 जुलाई को कामिका एकादशी मनाई जाएगी।

शुभ योग

कामिका एकादशी के दिन वृद्धि और ध्रुव योग का संयोग बन रहा है। वृद्धि योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक के सुख और सौभाग्य में अपार बढ़ोतरी होगी। साथ ही करियर और कारोबार में भी मनमुताबिक सफलता मिलेगी। इस शुभ अवसर पर रोहिणी और मृगशिरा नक्षत्र का संयोग है। साथ ही बालव, कौलव और तैतिल के संयोग बन रहे हैं।

व्रत का संकल्प

स्कंद पुराण में बताया गया है कि सावन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी पर व्रत, पूजा और दान से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। लेकिन, जानबूझकर दोबारा कोई पाप या अधर्म नहीं होगा, ऐसा संकल्प भगवान विष्णु के सामने लेने पर ही इसका फल मिलता है। ये व्रत साल की 24 एकादशियों में खास माना गया है।

विष्णु पूजा

महाभारत और भविष्य पुराण में बताया गया है कि सावन महीने के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। इनके अलावा विष्णुधर्मोत्तर पुराण में भी जिक्र है कि सावन महीने में भगवान विष्णु की पूजा और व्रत-उपवास से मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। पुराणों में कहा गया है कि सावन महीने के दौरान पंचामृत और शंख में दूध भरकर भगवान विष्णु का अभिषेक करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

निर्जल व्रत

सावन महीने में आने वाली एकादशियों को पर्व भी कहा जाता है। सावन मास में भगवान नारायण की पूजा करने वालों से देवता, गंधर्व और सूर्य आदि सब पूजित हो जाते हैं। एकादशी के दिन स्नानादि से पवित्र होने के बाद पूजा का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु की मूर्ति की पूजा करना चाहिए। भगवान विष्णु को फूल, फल, तिल, दूध, पंचामृत और अन्य सामग्री चढ़ाकर आठों प्रहर निर्जल रहना चाहिए। यानी पूरे दिन बिना पानी पीए विष्णु जी के नाम का स्मरण करना चाहिए। एकादशी व्रत में ब्राह्मण भोजन एवं दक्षिणा का भी बहुत महत्व है। इस प्रकार जो यह व्रत रखता है उसकी कामनाएं पूरी होती हैं।

गौ दान का पुण्य

पितामह ने बताया कि पूरे साल भगवान विष्णु की पूजा न कर सकें तो कामिका एकादशी का उपवास करना चाहिए। इससे बछड़े सहित गौदान करने जितना पुण्य मिल जाता है। सावन महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और उपवास करने से सभी देवता, नाग, किन्नर और पितरों की पूजा हो जाती है। जिससे हर तरह के रोग, शोक, दोष और पाप खत्म हो जाते हैं।

मिलता है स्वर्ग

कामिका एकादशी के व्रत के बारे में खुद भगवान ने कहा है कि मनुष्यों को अध्यात्म विद्या से जो फायदा मिलता है उससे ज्यादा फल कामिका एकादशी का व्रत करने से मिल जाता है। इस दिन व्रत करने से मनुष्य को यमराज के दर्शन नहीं होते हैं। बल्कि स्वर्ग मिलता है। जिससे नरक के कष्ट नहीं भोगने पड़ते।

दीपदान

भीष्म ने नारदजी को बताया कि कामिका एकादशी की रात में जागरण और दीप-दान करने से जो पुण्य मिलता है। उसको लिखने में चित्रगुप्त भी असमर्थ हैं। एकादशी भगवान विष्णु के सामने घी या तिल के तेल का दीपक जलाना चाहिए। जो ऐसे दीपक लगाता है उसे सूर्य लोक में भी हजारों दीपकों का प्रकाश मिलता है। ऐसे लोगों के पितरों को स्वर्ग में अमृत मिलता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सावन का दूसरा सोमवार आज, इस शुभ मुहूर्त में करें भोलेनाथ का अभिषेक

सावन का महीना महादेव का प्रिय माह है, क्योंकि इसमें वे पृथ्वी लोक पर अपने ससुराल में आते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस महीने में थोड़ी सी पूजा से ही भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं और भक्तों के सारे दुख दूर कर देते हैं। सावन में पड़ने वाले सोमवार का खास महत्व माना गया है। सावन का दूसरा सोमवार आज 21 जुलाई को है। ऐसे में अगर आप महादेव की आराधना करने वाले हैं, तो इस लेख में आपको सारी जानकारी मिल जाएगी कि शिवजी की जलाभिषेक किस समय करें, मंत्र क्या है, पूजा विधि क्या है और क्या चीजें शिवलिंग पर नहीं चढ़ानी चाहिए।

सावन का दूसरा सोमवार जलाभिषेक मुहूर्त

सावन सोमवार जलाभिषेक शुभ मुहूर्त 21 जुलाई को सुबह 4:14 मिनट से लेकर सुबह 4:55 मिनट तक रहेगा। सावन के दूसरे सोमवार को शिवजी का जलाभिषेक करने के लिए यह सबसे उत्तम समय रहेगा।

सोमवार को शिव जी की पूजा कैसे करें?

सोमवार को शिव जी की पूजा करने के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। फिर पूजा स्थल को साफ करके शिवलिंग स्थापित करें। इसके बाद शिवलिंग का अभिषेक जल, दूध, दही, शहद और गंगाजल से करें। फिर बेलपत्र, फूल, धूप-दीप शिवलिंग पर अर्पित करें और ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। अंत में आरती करें और प्रसाद चढ़ाएं।

सावन के दूसरे सोमवार को क्या करना चाहिए?

सोमवार का व्रत:- सावन सोमवार का व्रत रखने और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।

शिव पुराण का पाठ:- सावन सोमवार को शिव पुराण का पाठ करने से भी भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

दान-पुण्य:-सावन सोमवार के दिन गरीबों को भोजन कराना, वस्त्र दान करना और दान-पुण्य करने से भी भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

भगवान शिव को प्रसन्न करने के मंत्र

शिव को प्रसन्न करने के लिए आर्ज मंत्र हैं, जिनमें से ॐ नमः शिवाय सबसे प्रसिद्ध है। इसके अलावा, ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।। और ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।। जैसे मंत्र भी शिव जी को प्रसन्न करने के लिए जपे जाते हैं।

भगवान शिव को जल देने का मंत्र

भगवान शिव को जल चढ़ाते समय ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। इसके अलावा, आप ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात मंत्र का भी जाप कर सकते हैं।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवलिंग पर क्या चढ़ाएं?

सावन के सोमवार पर भगवान शिव को उनकी प्रिय चीजें चढ़ाने से भक्त पर उनकी कृपा बरसती है। सावन के दूसरे सोमवार को शिवलिंग पर काला तिल, गेहूं, इत्र, धतूरा, बेलपत्र, चंदन, शहद, गन्ने का रस और दूध आदि चढ़ाना चाहिए।

सोमवार को शिवजी को कौन सा फल चढ़ाना चाहिए?

सावन के दूसरे सोमवार को भगवान शिव को केला, सेब, अमरूद और बेलपत्र जैसे फल चढ़ाए जा सकते हैं। इसके अलावा, धतूरा और बेर भी शिवजी को प्रिय माने गए हैं, इन्हें भी आप भोलेनाथ को चढ़ा सकते हैं।

शिवलिंग पर क्या नहीं चढ़ाना चाहिए?

शिवलिंग पर कुछ विशेष चीजें चढ़ाना वर्जित माना जाता है। इनमें तुलसी के पत्ते, केतकी के फूल, शंख से जल, सिंदूर, हल्दी, लाल रंग के फूल और टूटा हुआ बेलपत्र शामिल हैं। इन चीजों का शिव पूजन में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

शिव जी को कौन से फूल चढ़ाने चाहिए?

भगवान शिव को आर्ज तरह के फूल चढ़ाए जा सकते हैं, जिनमें शमी का फूल, धतूरा, कनेर, बेला, चमेली, गुलाब, और आक (मदार) का फूल शामिल हैं। हर फूल का अपना महत्व है और शिव जी को प्रसन्न करने के लिए इन्हें अलग-अलग तरीकों से चढ़ाया जाता है।

शिव जी को कौन सा फूल नहीं चढ़ाना चाहिए?

भगवान शिव को केतकी का फूल नहीं चढ़ाना चाहिए। इसके अलावा, भगवान शिव की लाल रंग के फूल, कंटकारी फूल, कमल का फूल, जूही का फूल, केवड़ा का फूल और बहेड़ा का फूल नहीं चढ़ामना चाहिए।

शिव जी को कौन सा फल नहीं चढ़ाना चाहिए?

भगवान शिव को कुछ फल चढ़ाना वर्जित माना जाता है। शिवलिंग पर नारियल, केला, अनार, जामुन और कटहल नहीं चढ़ाना चाहिए। इनका शिव पूजन में इस्तेमाल करना शुभ नहीं माना जाता है।

सावन की पहली एकादशी पर ये तीन चीजों का दान करने से आर्थिक तंगी से मिलता है छुटकारा!

श्रावण मास से कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर कामिका एकादशी मनाई जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की 20 जुलाई को दोपहर 12:12 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 21 जुलाई को सुबह 9:38 मिनट पर होगा। ऐसे में कामिका एकादशी का व्रत 21 जुलाई 2025, सोमवार को किया जाएगा। धर्म शास्त्रों और पुराणों में दान की महिमा का वर्णन किया गया है।

ऐसा माना जाता है कि दान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और जाने-अनजाने में किए गए पापों से छुटकारा भी मिल जाता है। इस दिन दान करना सबसे शुभ माना जाता है। अगर आप कामिका एकादशी पर तीन चीजों का दान कर सकते हैं, तो आपको आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है और धन की प्राप्ति हो सकती है।

अन्न का दान

हिंदू धर्म में अन्न दान सर्वश्रेष्ठ दान माना गया है। ऐसे में कामिका एकादशी पर अन्न का दान करना आपके अत्यंत पुण्यदायक हो सकता है। कामिका एकादशी के दिन चावल, गेहूं, दाल, खीर आदि का दान करने से भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होती है और जीवन में खुशहाली आती है।

तिल का दान

कामिका एकादशी के दिन तिल का दान विशेष महत्वपूर्ण माना गया है। कामिका एकादशी पर काले या सफेद तिल का दान करने से पितरों की आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उनका आशीर्वाद मिलता है। साथ ही, इससे सभी पापों का नाश होता है और व्यक्ति को लाभ मिलता है।

पीले कपड़ों का दान

भगवान विष्णु को पीला रंग प्रिय बहुत है, इसलिए कामिका एकादशी पर जरूरतमंद लोगों को पीले कपड़ों दान करना जरूर करना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि पीले कपड़ों का दान करने से श्री हरि विष्णु जीवन की सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाते हैं और सुख-शांति का आशीर्वाद देते हैं।

सावन में इन उपायों से बदल सकती है किस्मत

धर्म शास्त्रों के अनुसार सावन के महीने में भगवान शंकर की पूजा करने से हर मनोकामना पूरी हो जाती है। चूंकि तंत्र के देवता भी शिव ही हैं इसलिए इस महीने में किए गए टोटके रूपी लघु उपायों से किसी भी इंसान की किस्मत बदल सकती है। शिव भक्ति, दान और नकारात्मक ऊर्जा शुद्धि जैसे उपाय जीवन में सकारात्मक बदलाव, मानसिक शांति और समृद्धि लाते हैं।

रोज सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर किसी शिव मंदिर में जाएं और भगवान शिव का जल से अभिषेक करें और उन्हें काले तिल अर्पण करें। इसके बाद मंदिर में कुछ देर बैठकर मन ही मन में ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

किसी भी पास के नदी, तालाब, कुआं, पोखर जाकर आटे की गोलियां मछलियों को खिलाएं। जब तक यह काम करें मन ही मन में भगवान शिव का ध्यान करते रहें, यह धन प्राप्ति का बहुत ही सरल उपाय है।

अगर आपके विवाह में अड़चन आ रही है तो सावन मास में प्रतिदिन शिवलिंग पर केसर मिला हुआ दूध चढ़ाएं। इससे जल्दी ही आपके विवाह के योग बनने लगेंगे।

सावन मास में प्रतिदिन विशेषकर अमावस्या के दिन गरीबों को भोजन कराएं। इससे आपके घर में कभी अन्न की कमी नहीं होगी और पितरों की आत्मा को शांति मिलेगी।

सावन में रोज नंदी यानी बैल को हरा चारा खिलाएं, इससे जीवन में सुख-समृद्धि आएगी और मन प्रसन्न रहेगा।

21 दिन तक लगातार बिल्वपत्रों पर चंदन से ऊँ नमः शिवाय लिखकर शिविलंग पर चढ़ाएं साथ ही अपनी राशि के अनुसार रुद्राक्ष का चयन कर धारण करें, इससे सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाएंगी।

अगर आपके घर में किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो सावन में रोज सुबह घर में गोमूत्र का छिड़काव करें तथा गुग्गल की धूप दें।

मानसिक परेशानी या किसी भी गंभीर बीमारी से निवृत्ति पाने के लिए भांग-धतूरे सावन मास में नित्य शिवलिंग पर चढ़ाकर का अभिषेक करें। साथ ही शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करें।

किसी ज्योतिषी को अपनी जन्मपत्री दिखाकर अपना विशेष उपाय जानकर उसका अनुसरण करने से भाग्योदय होता है।

सावन सोमवार के व्रत करने से क्या लड़कियों को मिलता है मनचाहा वर?

सावन का महीना आते ही, चारों ओर भगवान शिव के जयकारों की गूंज सुनाई देने लगती है। इस पूरे महीने भक्त शिव भक्ति में लीन रहते हैं। सावन के सोमवार का व्रत शिव भक्तों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, और यह विशेष रूप से अविवाहित लड़कियों द्वारा उत्साह के साथ रखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इन व्रतों को पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से करने पर भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और उन्हें उत्तम, सुयोग्य जीवनसाथी का आशीर्वाद देते हैं। यह मान्यता सदियों से चली आ रही है और आज भी लाखों अविवाहित कन्याएं इसी विश्वास के साथ सावन सोमवार के व्रत रखती हैं।

पौराणिक मान्यताएं

देवी पार्वती का तप

सबसे प्रचलित कथा देवी पार्वती (सती) से जुड़ी है। कहा जाता है कि देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उन्होंने अन्न-जल त्याग कर कई वर्षों तक निराहार रहकर शिव जी की आराधना की। उनकी इसी अटूट तपस्या और श्रद्धा से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। सावन के महीने को देवी पार्वती की तपस्या के लिए विशेष माना जाता है। इसलिए, अविवाहित कन्याएं देवी पार्वती का अनुसरण करते हुए सावन के सोमवार का व्रत रखती हैं, इस उम्मीद में कि उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर शिव जी उन्हें भी पार्वती के समान सुयोग्य वर प्रदान करेंगे।

आदर्श पति

भगवान शिव को आदर्श पति का प्रतीक माना जाता है। वे त्याग, प्रेम, संयम और वैराग्य के परिचायक हैं। माना जाता है कि जो कन्याएं शिव जी की उपासना करती हैं, उन्हें शिव जी जैसे ही गुणों वाला पति मिलता है जो उनकी हर इच्छा का सम्मान करता है और जीवन भर उनका साथ निभाता है।

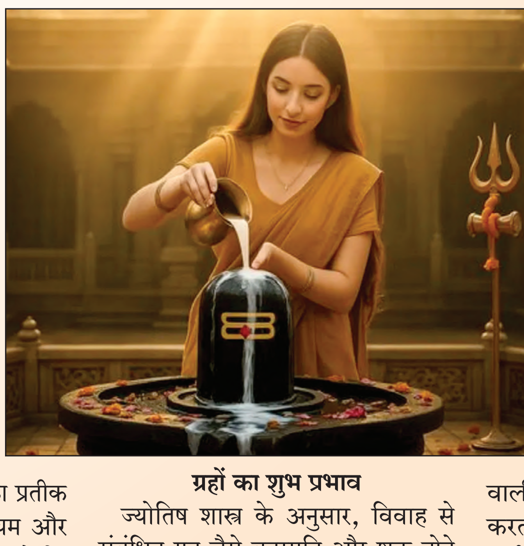

ग्रहों का शुभ प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, विवाह से संबंधित ग्रह जैसे बृहस्पति और शुक्र होते हैं। सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा करने से इन ग्रहों के नकारात्मक प्रभावों को कम करने और शुभता को बढ़ाने में मदद मिलती है, जिससे विवाह में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सुयोग्य वर की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

सावन सोमवार व्रत की विधि और लाभ

सावन सोमवार का व्रत रखने वाली अविवाहित कन्याएं कुछ विशेष नियमों का पालन करती हैं। सुबह स्नान और शिव पूजा: व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान किया जाता है और साफ वस्त्र धारण किए जाते हैं। इसके बाद शिव मंदिर जाकर या घर पर ही शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग, चंदन, अक्षत और फूल चढ़ाए जाते हैं। व्रत रखने वाली कन्याएं सोमवार व्रत कथा का पाठ करती हैं, जो भगवान शिव और देवी पार्वती के विवाह से संबंधित होती है। वैसे तो सावन सोमवार का व्रत निराहार रहकर किया जाता है। कुछ लोग एक समय फलाहार का सेवन करते हैं। व्रत के दौरान संयम और ब्रह्मचर्य का पालन करना महत्वपूर्ण माना जाता है।

जब अंधा कानून में अमिताभ के लिए आनंद बक्शी ने लिखा गीत, बाद में पड़ा पछताना

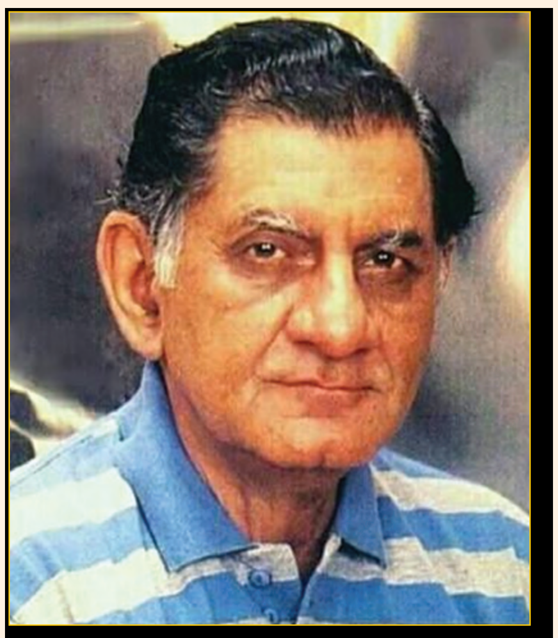

बॉलीवुड में कुछ गीतकार ऐसे हैं, जिन्होंने शब्दों के जरिए जज्बातों को सीधे दिलों तक पहुंचाया है। आनंद बक्शी उन्हीं चुनिंदा गीतकारों में से एक थे। उन्होंने करीब 40 साल के अपने करियर में 4,000 से भी ज्यादा गाने लिखे। उनके लिखे गीतों की खास बात थी कि वो आम बोलचाल की भाषा में होते थे, जिनमें भावनाएं साफ झलकती थीं। चाहे प्यार हो, दर्द हो, दोस्ती हो या देशभक्ति, उन्होंने हर तरह की भावनाओं को बहुत सुंदर शब्दों में लिखा।

लेकिन इतने सफल और अनुभवी होने के बावजूद एक समय ऐसा आया जब उन्हें अपने एक गाने को लेकर अफसोस हुआ। यह किस्सा 1983 में आई फिल्म अंधा कानून से जुड़ा है। इसका जिक्र उनके बेटे राकेश आनंद बक्शी ने उनकी जीवनी 'नग्मे किस्से बातें यादें' में किया। बता दें कि इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने मुस्लिम किरदार निभाया था। वह जां निसार खान की भूमिका में थे, जो एक पूर्व वन अधिकारी था और उसे एक शिकारी की हत्या के झूठे आरोप में जेल में डाल दिया गया था।

नग्मे किस्से बातें यादें किताब में बताया कि निर्देशक ने बक्शी साहब को फिल्म की कहानी अमिताभ बच्चन के नाम से सुनाई थी, लेकिन यह नहीं बताया कि बिग बी का किरदार किस धर्म से ताल्लुक रखता है। आनंद बक्शी ने इस फिल्म के लिए एक गाना लिखा, जो उस समय मशहूर हुआ। इस गाने की चंद लाइनें 'रोते-रोते हंसना सीखो, हंसते-हंसते रोना, जितनी चाभी भरी राम ने, उतना चले खिलौना' आज भी लोग गुनगुनाते हैं। इसमें 'राम' शब्द भगवान विष्णु के अवतार श्रीराम के रूप में आया है।

जब आनंद बक्शी को पता चला कि फिल्म में अमिताभ बच्चन एक मुस्लिम किरदार निभा रहे हैं, तो उन्हें बहुत अफसोस हुआ। उन्होंने यह बात अपने बेटे को बताई। बेटे ने किताब में किस्से का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने कहा, ''मुझसे गलती हो गई थी कि गाना लिखने से पहले मैंने निर्देशक से हीरो के किरदार का नाम और उसका मजहब नहीं पूछा था। निर्देशक अमिताभ बच्चन के नाम से कहानी सुना रहा था। मुझे अगर पता होता कि अमिताभ फिल्म में एक मुस्लिम किरदार निभा रहे हैं तो मैं उस किरदार की तहजीब और उसके मजहब के मुताबिक गाना लिखता। आनंद बक्शी का जन्म 21 जुलाई 1930 को रावलपिंडी (जो अब पाकिस्तान में है) में हुआ था। विभाजन के बाद उनका परिवार भारत आकर लखनऊ में बस गया। बचपन से ही आनंद को शब्दों और गीतों से गहरा लगाव था। फिल्मों में काम करने की ख्वाहिश लेकर उन्होंने नौसेना भी जॉइन की, ताकि मुंबई आ सकें। उनका असली मकसद मुंबई आकर फिल्मों में अपना नाम बनाना था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1958 में आई फिल्म 'भला आदमी' में गाने लिखने से की। उन्हें चार गानों के लिए 150 रुपये मिले थे।काफी मेहनत के बाद आनंद को असली पहचान 1965 में रिलीज हुई फिल्म जब जब फूल खिले से मिली। इस फिल्म के लिए उन्होंने 'ये समां समां है ये प्यार का', 'परदेसियों से ना अखियां मिलाना', और 'एक था गुल और एक थी बुलबुल गाने लिखे।

चार दशकों के करियर में उन्होंने मेरे महबूब कयामत होगी, चिट्ठी न कोई संदेश, चांद सी महबूबा हो मेरी, झिलमिल सितारों का, सावन का महीना पवन करे शोर, बागों में बहार है', मैं शायर तो नहीं, झूठ बोले कौआ काटे, कोरा कागज था ये मन मेरा', 'तुझे देखा तो यह जाना सनम, हमको हमी से चुरा लो, उड़ जा काले कावां, तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो, 'रूप तेरा मस्ताना, टिप टिप बरसा पानी', और 'इश्क बिना क्या जीना यारों' जैसे नायाब गाने लिखे। आनंद बक्शी ने अपनी जिंदगी में बड़ा संघर्ष किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी। 30 मार्च 2002 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

अभिषेक के इंडस्ट्री में 25 साल पूरे, अमिताभ बोले

जो तुमने किया, वो सबके बस की बात नहीं

अभिनेता अभिषेक बच्चन ने बॉलीवुड में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उनके पिता और अभिनेता अमिताभ बच्चन बेहद भावुक नजर आए और बेटे की तारीफ की। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में लिखा कि जीवन का सार है कभी हार न मानना। उन्होंने कहा 'लड़ते रहो, अंत तक डटे रहो। जीत हो या हार, कम से कम तुमने लड़ाई लड़ी। अमिताभ बच्चन ने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ करते हुए अपने ब्लॉग में कहा कि उन्होंने हमेशा खुद से ही अपनी तुलना की, जो हर किसी के बस की बात नहीं। अमिताभ ने लिखा, हारने वाला, जो हिम्मत और दृढ़ता दिखाता है, वह तथाकथित विजेता से ज्यादा सम्मान पाता है। ऐसा हारने वाला हमेशा इसलिए याद किया जाता है क्योंकि 'उसने लड़ाई लड़ी और लगभग जीत गया'। यह व्यावसायिक सफलता से कहीं बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने बॉलीवुड में अभिषेक के 25 साल के सफर को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि दूसरों से तुलना करना कमजोरी है। उन्होंने कहा, 25 साल कोई छोटी बात नहीं। अभिषेक, तुमने हमेशा खुद से तुलना की; यह हर किसी के बस की बात नहीं।

अमिताभ ने यह भी कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी नहीं रुकनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हर दिन मैं और सीखता हूं। लोग कहते हैं कि तुमने बहुत कुछ किया, अब आराम करो। लेकिन नहीं, रुकना जीवन की हार है। कभी हार नहीं माननी चाहिए।

उन्होंने 'कभी हार न मानो' को सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि एक सोच बताया, जो सफलता के सफर को आकार देती है। अमिताभ ने कहा, जीवन चुनौतियों और असफलताओं से भरा है। लेकिन, जो डटकर मुकाबला करते हैं, वे ऊपर उठते हैं। हर गिरावट एक सबक है और हर चुनौती आंतरिक ताकत की परीक्षा।

अभिषेक ने साल 2000 में जेपी दत्ता की फिल्म 'रिफ्यूजी' से बॉलीवुड डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री करीना कपूर खान हैं। यह फिल्म एक भारतीय मुस्लिम की कहानी है, जो भारत-पाकिस्तान सीमा पर शरणार्थियों की मदद करता है। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी और अनुपम खेर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

करण वीर मेहरा को मिलेगा डॉन 3 में विलेन का रोल!

अभिनेता और बिग बॉस 18 के विजेता करण वीर मेहरा को मशहूर निर्माता कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर देखा गया। खबर है कि करण को आने वाली फिल्म डॉन 3 में खलनायक की भूमिका में लेने के लिए विचार किया जा रहा है। यह रोल पहले विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद यह मौका करण को मिल सकता है। इंडस्ट्री के एक करीबी सूत्र ने बताया, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में फिल्म 'सिला' से उनका फर्स्ट लुक सामने आया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। ऐसे में उन्हें 'डॉन 3' में विलेन रोल के लिए अप्रोच किया जा सकता है।

फरहान अख्तर निर्देशित 'डॉन 3' इस लोकप्रिय एक्शन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म के रिलीज की संभावना दिसंबर 2026 तक है। यह फ्रैंचाइजी 1978 में बनी अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म 'डॉन' से शुरू हुई थी। इसके बाद 2011 में इसके रीमेक 'डॉन: द चेज़ बिगिन्स' में शाहरुख खान लीड एक्टर के तौर पर नजर आए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वर्तमान में 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी दमदार फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर उमंग कुमार निर्देशित 'सिला' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह 'जहराक' नाम के विलेन का खतरनाक किरदार निभा रहे हैं। करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें वह खून से लथपथ, लंबे उलझे बाल और हाथ में तलवार लिए नजर आए। इस लुक को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ!' इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब भी अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि सादिया फिल्म 'रक्षा बंधन' में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी।

हीरो कपल जैकी श्रॉफ और मीनाक्षी शेषाद्री फिर साथ आए नजर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ हाल ही में अपनी फिल्म हीरो की मुख्य अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्री के साथ एक इवेंट में नजर आए। जैका और मीनाक्षी को साथ में हाथ पकड़कर कैमरों के सामने पोज देते देखा गया। इस मुलाकात का सबसे खास पल था जब जैकी ने मीनाक्षी के हाथ पर प्यार भरा किस किया। इस दौरान मौजूद सभी लोगों ने ताली बजाई। इस पुनर्मिलन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और फैंस इस जोड़ी को लंबे समय बाद साथ देखकर बेहद खुश हैं।

जैकी श्रॉफ की पहली फिल्म हीरो में मीनाक्षी उनकी पहली को-स्टार थीं। यह फिल्म सुभाष घई के निर्देशन में बनी थी और बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी। इस फिल्म ने जैकी को बॉलीवुड में एक मजबूत और सफल अभिनेता के रूप में स्थापित किया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकी श्रॉफ अब वेब सीरीज की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। वह जल्द ही एक्शन थ्रिलर सीरीज हंटर 2- टूटेगा नहीं तोड़ेगा के दूसरे सीजन में नजर आएंगे। इस सीरीज में जैकी के साथ सुनील शेट्टी भी नजर आएंगे। निर्माताओं ने शुक्रवार को इस सीरीज का ट्रेलर लॉन्च किया। इस ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान जैकी के बेटे टाइगर श्रॉफ ने अपने पिता को खास सरप्राइज दिया। दरअसल, जैकी और सुनील शेट्टी मीडिया से बातचीत करने जा रहे थे। इस दौरान टाइगर अचानक सामने आ गए। उनके आने से दोनों अभिनेता सरप्राइज रह गए।

हंटर 2- टूटेगा नहीं तोड़ेगा' में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए जैकी ने कहा, सीरीज में मैं एक सेल्समैन की भूमिका निभा रहा हूं, जो कहानी में बड़ा ट्विस्ट लेकर आता है। यह शांत किरदार है, लेकिन घातक भी है। उन्होंने फैंस से इस सीरीज का आनंद लेने की अपील की। हंटर 2 प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा के निर्देशन में बनी है। इसमें अनुषा दांडेकर और बरा बिष्ट भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगी। यह सीरीज 24 जुलाई को अमेजन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज होगी।

दर्शकों की बदलती रहती है पसंद युवा चाहते हैं नया और अनोखा कंटेंट : अंजुम फकीह

अभिनेत्री अंजुम फकीह ने अपने नए रियलिटी शो छोरियां चलीं गांव के साथ एक नई शुरुआत की है। अंजुम का मानना है कि कंटेंट को लेकर समय के साथ दर्शकों की पसंद बदलती रहती है। यंग जनरेशन नए और अनोखे कंटेंट की मांग करती है। समाचार एजेंसी से बातचीत में उन्होंने आज के युवाओं की कंटेंट को लेकर पसंद और नापसंद पर अपने विचार साझा किए।

अंजुम ने कहा कि दर्शकों की पसंद हर कुछ सालों में बदलती है। आज का युवा ज्यादा मुखर है; वह फ्रेश, अनोखी कहानियों की मांग करता है। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा और रचनात्मकता की कोई कमी नहीं है।

छोरियां चलीं गांव के कॉन्सेप्ट को बनाने वाले को सलाम। हम दर्शकों के लिए कुछ नया और जड़ों से जुड़ा लेकर आए हैं। यह शो शहरों की चमक-दमक से दूर, गांव की असली जिंदगी को दिखाता है, जहां भारत का दिल बसता है। यह शो शहर और गांव दोनों के दर्शकों को पसंद आएगा। इसकी सफलता दर्शकों के हाथ में है। अगर उन्हें पसंद आया, तो यह सालों चलेगा, वरना खत्म हो जाएगा।

'छोरियां चली गांव' को लेकर उत्साहित अंजुम ने बताया कि एक शहरी लड़की होने के नाते, गांव की जिंदगी का अनुभव लेने का मौका उन्हें रोमांचित करता है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा जी टीवी के साथ काम करना चाहती हूं। मेरे सभी हिट किरदार और शो 'एक था राजा एक थी रानी', 'कुंडली भाग्य', 'रानी रागेश्वरी', और 'सृष्टि' जी टीवी के ही थे। जब भी जी के साथ काम करने का मौका मिलता है, मैं उस ऑफर को तुरंत स्वीकार कर लेती हूं।

अंजुम ने शो को रोमांचक बताया। उन्होंने कहा, ऐसा कॉन्सेप्ट मुझे पहले कभी नहीं दिखा, न भारत में, न विदेश में। दर्शकों को यह देखना अच्छा लगेगा कि शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी में कैसे ढलती हैं। मैं खुद उत्साहित और थोड़ी नर्वस हूं। मैं गांव में पैदा हुई थी, लेकिन 15 साल से वहां नहीं गई। अब एक नए गांव में जाना मेरे लिए नया अनुभव है और मुझे नहीं पता कि क्या होगा। यही इसकी खासियत है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप का दिन अपेक्षा से अधिक अच्छा हैं व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। छोटे बच्चे अपने दोस्तों के साथ पार्क में खेलने जायेंगे। साथ ही वो छुट्टी का आनंद उठायेंगे। घर–परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा। इस राशि के जिन लोगों का रेस्टुरेंट है, उनके धन में वृद्धि होने की संभावना है। उच्चाधि–कारी आपसे प्रसन्न होंगे। करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा। भोजन हल्का ही लेवें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन मे परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा मन हर्षित रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त–दुरूस्त बने रहेंगे। केमिस्ट्री स्टूडेंट्स के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है। आपको शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही आई. टी से जुड़े स्टूडेंट्स को भी लाभ की प्राप्ति होगी। कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही वो आपसे जुड़ने की कोशिश भी करेंगे। बिजनेसमैन को बेहतर मौके मिलेंगे । शनिदेव को तिल्ली चढाए तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप कर्ज मुक्त होने की दिशा मे आगे बढेंगे करियर में आप को अपने सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह–शाम टहलना चाहिए। इससे आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। आप नकारात्मक सोच रखकर स्वयं को थोड़ा उदास रख सकते हैं। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बनायेंगे। लेन–देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। दिनभर की थकान के बाद शरीर मे सुस्ती रहेगी आलसीपन छाया रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह माता–पिता के बातो को नजरअंदाज करना आप को भारी पडेगा । मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। आपकी सेहत में उतार–चढ़ाव बना रहेगा। आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ायेंगे। जो छात्र फैशन डिजायनिंग का कोर्स कर रहे हैं, उन्हें कुछ नया डिजाईन करने को मिल सकता है। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सुबह ही सूर्यनमस्कार करे मनोबल बढेगा आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता रहेगी। साथ ही आपको तरक्की के कई अवसर भी मिलेंगे। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनायेंगे। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। कोई नया काम करने के लिए सोचेंगे। दाम्पत्य जीवन में सलाह–मशविरा से आगे बढ़ने मे मदद मिलेगी । जीवन में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी। शरीर स्वास्थ्य चुस्त दुरुस्त रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को मनोबल बढाकर रखना होगा आप का खुशनुमा व्यवहार घर में बहुत ही अच्छा माहौल बना देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहने वाला है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। राजनीति से जुडे हुए लोगों को नये अवसर मिलेंगे

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने कारोबार को बढाने के लिए तुलसी के पौधे को जल सींचे कन्या का सम्मान करें। ऑफिस के काम की गति अच्छी रहेगी, आप अपने सारे पेंडिंग वर्क निपटा लेंगे। जीवनसाथी को उनकी पसंद का कोई गिफ्ट देंगे। किसी वजह से दोस्तों के साथ घूमने का प्रोग्राम टल जायेगा। कोई जरूरी चीज आप कहीं रखकर भूल सकते हैं। आपको अपने सामान का खास ध्यान रखना चाहिए। आपको तली–भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए। सीनियर्स को कुछ उपहार देने से नजदीकी बढेगी पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ तीर्थ यात्रा का अवसर बनाए बच्चों को सुसंस्कार मिलेंगे जीवनसाथी । परिवार का माहौल भी खुशनुमा बन रहेगा। आपको कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। आप कामकाज में बहुत बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीद होगा व्यर्थ खर्च से आपको बचना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप के सभी जरूरी काम पूरे होंगे दोपहर के बाद का समय सुकून भरा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने फिरने जाने से आपको ख़ुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं दूर हो जाएगी, साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। नींद पूरी होने के कारण आप बेहतर महसूस करेंगे। आप को इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र मे रोजगार के अवसर तलाशने चाहिए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बच्चें परिवार मे कोई अच्छी खबर सुनाएंगे। जीवन में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। ऐग्रिकल्चर का कामकाज अगर आप देख रहे है तो आय की आय मे बढ़ोतरी होने की संभावना है। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से ही काम बढाना चाहिए । नए व्यापार के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा रहेगा। पेट रोग से पीडा आप को रात्रि मे परेशान कर सकती हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर–परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी,छात्रों को टीचर्स का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से दूर हो जायेगी। सुबह के समय योग से ही दिन की शुरूआत करें । आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज में लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर आपका कामकाज बहुत शानदार रहेगा। पीपल के वृक्ष मे जल–दूध सींचे कार्य सिद्ध होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने गुरु द्वारा मंत्र जप आप को जीवन मे तरक्की के रास्ते खोलेगा । साथ ही बडो की बेहतर सलाह मिलने से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। शिक्षकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। किसी काम में सफलता मिलेगी। आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ महसूस करेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए। आपकी सेहत दिनभर आप का साथ देंगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 जुलाई 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी प्रातः 09:41 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 09:07 तक
योग : वृद्धि सायं 06:38 तक
करण : बालव प्रातः 09:41 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– कामिका एकादशी व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

तीसरी बार नॉन-स्टॉप सरकार बनाई है, काम में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : सैनी

चंडीगढ़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य के लोगों ने प्रदेश में तीसरी बार नॉन–स्टॉप सरकार बनाई है, काम में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। विपक्ष के दुष्प्रचार से घबराएं नहीं बल्कि तथ्यों के आधार पर उनको जवाब दें।

मुख्यमंत्री संत कबीर कुटीर में पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। ये लोग पिछड़ा वर्ग के लिए सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद करने आए थे।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पिछड़ा वर्ग के बैकलॉग को योग्य उम्मीदवार नहीं मिलने का बहाना बनाकर खाली छोड़ दिया जाता था जबकि वर्तमान सरकार ने पिछड़ा वर्ग से प्रोफेसर, डॉक्टर, इंजीनियर तक भर्ती करके दिखा दिया है कि इस वर्ग के लोग हमेशा से ही योग्य रहे हैं, लेकिन पहले की सरकारों की नियत सही नहीं थी।

पिछड़ा वर्ग द्वारा उनको सम्मान के तौर पर पगड़ी पहनाये जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पगड़ी के मान –सम्मान को हमेशा ऊँचा रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से समय–समय पर गाइडेंस लेते रहते हैं और पूरे प्रदेश में एक समान विकास करवाने की नियत रखते हैं। नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि वे राज्य में पढाई और नौकरी का माहौल बदल रहे हैं, मेरिट के आधार पर भर्ती की जा रही है। सिस्टम को बदल रहे हैं। उन्होंने 26 व 27 जुलाई को होने वाली सीईटी की परीक्षा के प्रबंधों की जानकारी देते हुए कहा कि परीक्षार्थियों के लिए घर से परीक्षा केंद्र तक लाने और वापस ले जाने के लिए बसों का निःशुल्क प्रबंध किया जा रहा है, ताकि युवाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। लड़कियों के साथ घर के एक सदस्य को भी जाने की अनुमति दी गई है।

लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के मेहनतकश लोग हैं, इनमें कोई न कोई हुनर है। इस वर्ग के लोगों के साथ पूर्व की सरकारों में भेदभाव होता रहा है, लेकिन वर्तमान सरकार वंचितों और पिछड़ा वर्ग के लोगों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। उन्होंने केंद्र सरकार की तर्ज पर क्रीमी लेयर की आय सीमा 6 लाख से बढाकर 8 लाख करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। राजयसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने मुख्यमंत्री आवास पर पिछड़ा वर्ग के लोगों की भारी संख्या को महाकुंभ बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की नीतियों से खुश होकर पिछड़ा वर्ग के लोग महापुरुषों की जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में भी महाकुम्भ की तरह उमड़ पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार महात्मा ज्योतिबा फुले और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की नीतियों पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति का उत्थान करने में लगी हुई है। इस अवसर पर धन्यवाद कार्यक्रम को मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, पूर्व मेयर मदन चौहान , जवाहर सैनी ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में सतबीर वर्मा, देवेंद्र पांचाल, यशपाल, जय सिंह पॉल, श्यामलाल जांगड़ा, रामचंद्र कम्बोज, पूनम सैनी, शारदा यादव, निर्मल बैरागी समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

गृहमंत्री के तौर पर सीएम नायब सैनी पूरी तरह फेल

बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर राज्यपाल से मिलेंगे: चौटाला

रोहतक, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि आज प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों में अपराध की 11 बड़ी वारदातें प्रदेश के अलग–अलग कोने में हुई है, जो दर्शाती है कि हरियाणा में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मुख्यमंत्री की चेतावनी के बावजूद भी बदमाश बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे है और पुलिस का कोई कंट्रोल नहीं है। उन्होंने कहा कि बदहाल कानून व्यवस्था के विषय को लेकर जेजेपी जल्द राज्यपाल से मिलेगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी बतौर गृहमंत्री पूरी तरह से फेल साबित हुए है इसलिए हरियाणा की कानून व्यवस्था को संभाले या फिर केंद्र सरकार से सुझाव लेकर कोई ठोस कदम उठाएं। रविवार को पूर्व डिप्टी सीएम रोहतक स्थित जेजेपी प्रदेश कार्यालय पर पत्रकारों से रूबरू थे।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में प्रदेश के ऐसे हालात कभी नहीं हुए। पुलिस और बदमाशों की मिलीभगत से जुड़े एक सवाल के जवाब में दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अंबाला व यमुनानगर में नकली शराब के कारण 12 लोगों की मौत हुई थी, उस समय साफ हो गया था कि एक जेल उपाधीक्षक लिप्त था और जेल के अंदर से गैंगस्टर के फोन करवाता था। यहां तक कि जेल उपाधीक्षक को गवाही के लिए थाने में भी बुलाया गया था, लेकिन आज तक उस जेल उपाधीक्षक पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पुलिस में अनुभवी लोगों को मौका नहीं दिया जा रहा है इसलिए पुलिस सुरक्षा में भी नागरिक सुरक्षित नहीं है। साथ ही पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार की खराब व्यवस्था के कारण किसान खाद की कमी की परेशानी का सामना कर रहे है। उन्होंने कहा कि गेहूं के समय यूरिया की समस्या रही थी, अब डीएपी की किल्लत से किसान परे–शान है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब लोगों का सिर्फ चुनाव में वोट लेने के लिए इस्तेमाल कर रही है और साढ़े छह लाख बीपीएल कार्ड काटना इसका एक उदाहरण है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जेजेपी संगठन मजबूती पर निरंतर काम कर रही है और पिछले एक माह में जेजेपी ने प्रत्येक गांव को छुआ है। उन्होंने कहा कि युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए जेजेपी ने अलग से युवा जोड़ो अभियान चला रखा है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि निरंतर नए लोग जेजेपी के साथ जुड़ रहे है और पुराने नेता, कार्यकर्ता भी घर वापसी कर रहे है।संगठन नियुक्ति से जुड़ी एक बड़ी घोषणा करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पांच अगस्त को जेजेपी के छात्र संगठन इनसो का स्थापना दिवस है इसलिए बरोदा से पूर्व जेजेपी उम्मीदवार दीपक मलिक को इनसो का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

गरीब की रसोई में सरसों का तेल को लेकर गुमराह कर रही है भाजपा सरकार : सैलजा

चंडीगढ़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने बीपीएल परिवारों का मजाक बनाकर रख दिया है, जबरन आय बढ़ाकर खुद ही बीपीएल कार्ड काट दिए जाते है या इस कार्ड पर मिलने वाली सुविधाओं में या तो कटौती कर दी जाती है या उनके रेट बढ़ा दिए जाते है। बीपीएल कार्ड पर मिलने वाले सरसों के तेल के दाम को लेकर सरकार जनता को गुमराह कर रही है। अधिकारी सभी जिला खाघ एवं आपूर्ति नियंत्रकों को पत्र लिखकर निर्देश देते है कि इस कार्ड पर अब दो लीटर सरसों तेल के दाम सौ रुपये ही वसूली जाएंगे जबकि खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री कहते है कि अगर एक लीटर सरसों के तेल लोगे तो 30 रुपये दो लीटर के सौ रुपये ही लिये जाएंगे यानि 30 रुपये में एक लीटर तेल लेने वाले को एक लीटर तेल छोड़ना ही होगा। ऐसा कर सरकार गरीब परिवारों के साथ मजाक कर रही है। जिसे कांग्रेस कदापि सहन नहीं करेगी।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि जब चुनाव आते है तो प्रदेश में बीपीएल परिवारों की संख्या एक दम बढ़ जाती है तब हरियाणा की 70 प्रतिशत आबादी गरीब बन जाती है और चुनाव खत्म होने के बाद बीपीएल कार्ड धारकों पर चाबुक शुरू हो जाती है। फिर आय अधिक बताकर कार्ड काटने शुरू किए जाते है और काटा–छांटी में वे लोग भी चपेट में आ जाते है जो वाकई गरीब है और उन्हें वे बीपीएल परिवार को मिलने वाली सुविधा के हकदार है। इतना ही नहीं कभी कभी राशन कार्ड पर मिलने वाली वस्तुओं में कटौती कर दी जाती है। इस कार्ड पर मिलने वाले सरसों तेल को लेकर सरकार गरीबों के साथ मजाक करने में लगी हुई है। हरियाणा सरकार ने एक बार फिर गरीब विरोधी चेहरा उजागर कर दिया है।

सम्मान सिर्फ पदक नहीं, समाज की आशा का प्रतीक है : शेखावत

जोधपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देश को आगे बढ़ाना है तो युवाओं को पढ़ाना है – यह संदेश राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित सामुदायिक भवन सभागार में आयोजित सिंधी प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए दिया। मुख्य अतिथि देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज ने परिश्रम, संस्कार और शिक्षा के बल पर वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक विद्यार्थी अपने क्षेत्र में श्रेष्ठ बनने का संकल्प ले, तो समाज और राष्ट्र दोनों प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने समारोह में विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा – सम्मान केवल एक पदक नहीं, बल्कि यह समाज की आशा और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने सिंधी समाज की एकजुटता, दानशीलता और शिक्षा के प्रति समर्पण की सराहना की। समारोह की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से समाज और राष्ट्र के प्रति ज़िम्मेदार बनने का आह्वान किया। समारोह की शुरुआत 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर पौधार–ोपण से हुई, जिसमें तीनों अतिथियों ने पर्यावरण के प्रति समाज की जागरूकता का संदेश दिया।

धोली मीना ने माल्टा में लहराई भारतीय संस्कृति की पताका

दौसा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा की बहू और सांस्कृतिक प्रतिनिधि धोली मीना ने यूरोप के माल्टा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक समारोह में भारतीय संस्कृति और राजस्थानी परंपराओं का गौरवपूर्ण प्रदर्शन कर देश और जिले का नाम रोशन किया। माल्टा के ऐतिहासिक नगर फ्लोरियाना स्थित प्रतिष्ठित चर्च में आयोजित इस समारोह में धोली मीना विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं और अपने परिधान, संवाद एवं आत्मीयता से सबका दिल जीत लिया। धोली मीना ने पारंपरिक राजस्थानी पीली लूगड़ी और लहंगा पहनकर जहां दौसा की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर पेश किया, वहीं भारतीय संस्कृति की समृद्धि, विविधता और जीवन मूल्यों पर प्रभावशाली ढंग से प्रकाश भी डाला। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा, मैं भारत के राजस्थान के दौसा जिले से हूँ, और यह पीली लूगड़ी हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक है। पूर्वी राजस्थान की ग्रामीण महिलाएं इसे बड़े गौरव से पहनती हैं।

धोली मीना के पारंपरिक परिधान और आत्मीय वक्तव्य ने यूरोपीय दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने भारतीय संस्कृति, खासकर राजस्थानी लोक परंपराओं, रंगों, और मेहमाननवाज़ी के भाव के प्रति गहरी रुचि दिखाई।

अवैध केमिकल कारोबार का भंडाफोड़, लाखों का ज्वलनशील पदार्थ जब्त, एक गिरफ्तार

पाली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सीआईडी क्राइम ब्रांच टीम ने वांटेड अपराधियों और संगठित गिरोहों पर नकेल कसते हुए एक बड़े और खतरनाक अवैध केमिकल कारोबार का पर्दाफाश किया है। इस सनसनीखेज ऑपरेशन में लाखों रुपये का ज्वलनशील बेंजीन केमिकल जब्त किया गया है, और मुख्य सरगना मौके से फरार होने में सफल रहा, जबकि एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन के निर्देशन और उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व पुलिस उप अधीक्षक फूलचंद टेलर और पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत कर रहे थे, जो प्रदेश में वांटेड अपराधियों और संगठित गिरोहों के संबंध में आ–सूचना संकलन और धरपकड़ का कार्य कर रही है।

शनिवार शाम को, टीम के सदस्यों एएसआई बनवारी लाल, हेड कांस्टेबल हेमंत शर्मा, महेश सोमरा और महावीर सिंह को जैतपुरा, पाली स्थित गोदारा होटल के पास अवैध गतिविधियों की पुख्ता जानकारी मिली। सूचना मिलते ही तुरंत थाना गुड़ाएंदला पुलिस को अवगत कराया गया और पुलिस टीम तत्परता से मौके पर पहुंची।

पुलिस ने देखा कि होटल के पास एक खाली प्लॉट में गुजरात पासिंग का एक टैंकर और एक पिकअप वाहन खड़ा था। पिकअप से ड्रम उतारे जा रहे थे और टैंकर से पाइप के जरिए नीले ड्रमों में केमिकल भरा जा रहा था। पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे। पिकअप वाहन कीचड़ में फंस गया, जिससे उसमें सवार लोग खेतों की तरफ भागने में कामयाब रहे।टैंकर चालक नेमाराम देवासी पुत्र तिलोकराम (47) निवासी रायपुर, ब्यावर, ने टैंकर भगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया।

कर्नल राठौड़ के संकल्प की सिद्धि

कालवाड़ में बेटियों के लिए बना कस्तूरबा गांधी आवासीय छात्रावास, शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के कालवाड़ गांव में बेटियों की शिक्षा को नई दिशा देने वाला सपना अब साकार हो चुका है। वर्षों से लंबित और बहुप्रतीक्षित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और अब यहां प्रवेश प्रक्रिया भी आरंभ हो गई है। यह सिर्फ एक भवन नहीं, बल्कि उस सोच और प्रतिबद्धता का परिणाम है, जो क्षेत्रीय सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान को लेकर दिखाया।

कालवाड़ में बना यह आवासीय छात्रावास उन बालिकाओं के लिए वरदान साबित होगा, जो अब तक दूरदराज के गांवों से आने–जाने की समस्या, पारिवारिक संकोच या संसाधनों की कमी के चलते शिक्षा से वंचित रह जाती थीं। अब ये बालिकाएं एक सुरक्षित, अनुशासित और गुणवत्तापूर्ण वातावरण में रहकर पढ़ाई कर सकेंगी और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

इस छात्रावास में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आवास, स्वच्छ पेयजल, पोषणयुक्त भोजन, अध्ययन के लिए शांति पूर्ण वातावरण, पुस्तकालय, खेलकूद का मैदान और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। खास बात यह है कि यहां छात्राओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी गई है, जिससे वे न केवल शिक्षित बनें बल्कि आत्मविश्वास से भी भर सकें। इस परियोजना को धरातल पर लाने में सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। उन्होंने लगातार केंद्र सरकार और संबंधित विभागों से संवाद स्थापित कर इस छात्रावास के लिए बजट की स्वीकृति, निर्माण की गति और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया। कई बार स्वयं निर्माण स्थल का निरीक्षण कर उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कार्य तय समय पर और उच्च गुण–वत्ता के साथ पूर्ण हो।

कर्नल राठौड़ का मानना है कि अगर बेटियां पढ़ेंगी, तो समाज सशक्त बनेगा। यही कारण है कि उन्होंने झोटवाड़ा क्षेत्र में बालिका शिक्षा को अपने विकास एजेंडे का अहम हिस्सा बनाया। इससे पहले भी क्षेत्र में कई सरकारी स्कूलों का नवीनीकरण, डिजिटल क्लासरूम की स्थापना, बालिकाओं के लिए शौचालयों और पुस्तकालयों का निर्माण जैसी योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा चुका है। कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास इसी कड़ी का विस्तार है।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह छात्रावास बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे उन परिवारों को बहुत राहत मिलेगी, जो अब तक अपनी बेटियों को दूर पढ़ने भेजने से हिचकते थे। अब उन्हें यह विश्वास है कि उनकी बेटियों को न केवल अच्छी शिक्षा मिलेगी, बल्कि वह सुरक्षित वातावरण में आत्मनिर्भर बनेंगी। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि यह छात्रावास केवल एक भवन नहीं, बल्कि समाज की सोच में बदलाव का प्रतीक है। यह उन सपनों की नींव है, जो बेटियों की आंखों में पलते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र में और भी बालिका छात्रावास, कौशल विकास केंद्र और वर्किंग वूमेन हॉस्टल की योजनाएं प्रस्तावित हैं, ताकि बेटियों को शिक्षा के साथ–साथ स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी मजबूत बनाया जा सके।

सभी दलों के विधायकों को समान धनराशि नहीं दी गई तो उग्र आंदोलन होगा: सी.बी. सुरेशबाबू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस विधायक दल के नेता सी.बी. सुरेशबाबू ने कहा कि हम राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा धन आवंटन में भेदभाव की निंदा करते हैं। अगर विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के विधायकों को समान धनराशि नहीं दी गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि एआईसीसी महासचिव सीएम रणदीप सिंह सुरजेवाला के बयान के बाद, मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायकों को पत्र लिखकर 50 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान स्वीकृत करने की बात कही है। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी विधायकों को कोई अनुदान नहीं दिया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग से 37.50 करोड़ और अन्य विभागों से 12.50 करोड़ रुपये कांग्रेस विधायकों को आवंटित किए गए हैं। विपक्षी विधायकों को कोई अनुदान नहीं दिया गया है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और अगले विधानसभा सत्र में इस मुद्दे को उठाएंगे। पता चला है कि कांग्रेस विधायकों को 50 करोड़ रुपये, भाजपा विधायकों को 25 करोड़ रुपये और जेडीएस विधायकों को कोई अनुदान नहीं मिलने की चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो हमें कड़ा संघर्ष करना होगा। सत्तारूढ़ दल के विधायकों ने खुद आवाज उठाई है कि राज्य में विकास नहीं हो रहा है।

सरकार अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए पैसा नहीं दे रही है। उन्होंने घोषणा की है कि वे सभी विधायकों को 10 करोड़ रुपये का अनुदान देंगे। लेकिन अधिकारी कह रहे हैं कि वे पहले सत्ताधारी दल के विधायकों को धन देंगे। फिर विपक्षी दल के विधायकों को। 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश करने के बाद राज्य के विकास के लिए पैसा क्यों नहीं है? इस बात पर संदेह है कि क्या सरकार ने पार्टी के केंद्रीय नेताओं को काला तोहफा देने के लिए 50 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान स्वीकृत किया है। विधायकों को अनुदान कांग्रेस कार्यालय से नहीं दिया जा रहा है। इसमें भेदभाव क्यों है, सरकारी पैसा? परियोजनाओं के लिए धन आवंटित करने के लिए आबकारी शुल्क बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में शराब मिल रही है और लड़कियां रो रही हैं। सुरजेवाला ने केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी पर रियल एस्टेट का धंधा करने का आरोप लगाया है। लेकिन सुरजेवाला के करीबी ही रियल एस्टेट चलाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रियल एस्टेट कारोबार को बढ़ावा देने के लिए एक नए हवाई अड्डे का प्रस्ताव रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्य को 4,500 इलेक्ट्रिक बसें दी थीं। मुख्यमंत्री ने आभार व्यक्त करने का शिष्टाचार नहीं दिखाया। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री रहते शुरू हुई एचएमटी फैक्ट्री को पुनर्जीवित करने की पेशकश की है। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि वन विभाग इस काम में बाधा डाल रहा है। मुख्यमंत्री जाल में फँस गए हैं और सुशासन देने में विफल रहे हैं। वह कह रहे हैं कि यह आखिरी चुनाव है। इसलिए, उन्होंने कहा कि अच्छे विकास कार्य होने चाहिए। प्रशासन ऐसा होना चाहिए जिससे किसानों को लाभ हो। करों पर कर लगाने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। युवा युवा निधि पाने में अरुचि दिखा रहे हैं और नौकरी की तलाश में हैं। सरकार को यह समझना चाहिए। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं और छात्र निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करे।

नवजात शिशु को 4 घंटे 50 मिनट में मेंगलूरु से बेंगलूरु पहुंचाया गया

एम्बुलेंस चालक की प्रशंसा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुल्लिया के एक ड्राइवर ने एक नवजात शिशु को इलाज के लिए मेंगलूरु से बेंगलूरु तक सिर्फ 4 घंटे 50 मिनट में एम्बुलेंस से पहुँचाया। सुल्लिया के केवीजी अस्पताल के एक एम्बुलेंस ड्राइवर हनीफ, 15 दिन के एक बच्चे को मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल से आपातकालीन उपचार के लिए बेंगलूरु के जयदेव हृदय उपचार केंद्र ले गए। नवजात शिशु जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित था। जब डॉक्टरों ने बच्चे को जल्द से जल्द ले जाने की सलाह दी, तो माता-पिता ने एम्बुलेंस की माँग की। ड्राइवर हनीफ, जो तुरंत मेंगलूरु पहुँच गया, 17 जुलाई को शाम 4 बजे बच्चे को लेकर रवाना हुआ और रात 8.50 बजे उसे जयदेव अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उसने एम्बुलेंस की भूमिका निभाई। उन्हें मेंगलूरु-पुत्तूर-सुल्लिया-मदिकेरी-मैसूरु होते हुए बेंगलूरु ले जाया गया। एम्बुलेंस को जिस रास्ते से ले जाना था, उसकी जानकारी पहले ही दे दी गई थी। तदनुसार, जनता ने एम्बुलेंस की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने में सहयोग किया। केवीजी एम्बुलेंस वाहन और शिवा एम्बुलेंस चालक शिवा और समीर तथा पुलिस विभाग द्वारा राजमार्ग गश्ती कर्मचारियों के माध्यम से शून्य यातायात व्यवस्था की गई।

दक्षिण कन्नड़ में भारी बारिश, रेड अलर्ट जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ जिले में शनिवार को व्यापक और भारी बारिश हुई। दिन की शुरुआत तेज बारिश के साथ हुई, जो बाद में थोड़ी कम हो गई।

एहतियात के तौर पर, मेंगलूरु शहर, उल्लाल और बंटवाल तालुका के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। बंटवाल, बीसी रोड, कल्लडका, विट्टल, कन्याना, बेल्टांगडी, धर्मस्थल, मदनथयार, उप्पिनंगडी, पुत्तूर, सुल्लिया, सुब्रह्मण्य, पंजा, कोल्लमोगरू, कडाबा, उल्लाल, तलपडी, सूरतकल, मूडबिद्री और बाजपे सहित जिले के विभिन्न हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। शहर में सुबह अच्छी बारिश हुई, लेकिन दिन भर बादल छाए रहे और रुक-रुक कर बारिश होती रही। बचाव दल तैनात किए गए हैं, जिनमें मेंगलूरु में एसडीआरएफ और नागरिक सुरक्षा के 15 कर्मी, सुब्रह्मण्य में 10 और पुत्तूर में 25 एनडीआरएफ कर्मी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 26 नावों को आपातकालीन उपयोग के लिए स्टैंडबाय पर रखा गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तटीय कर्नाटक में रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें अरब सागर में तेज हवाओं और ऊँची लहरों के साथ भारी बारिश की आशंका जताई गई है। आईएमडी ने आने वाले दिनों में और तेज बारिश की आशंका जताते हुए उडुपी जिले के लिए रेड अलर्ट सोमवार तक बढ़ा दिया है। शनिवार को बिंदूर, कुंदापुर, करकला, हेबरी, मणिपाल, उडुपी, मालपे, कोटा, ब्रह्मवर, काटापडी, शिरवा, कौप और पदुबिद्री जैसे इलाकों में अच्छी बारिश हुई। सुबह से ही पूरे क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी और आसमान बादलों से घिरा हुआ था।

हाईकमान ने शिवकुमार को अहंकारी मंत्रियों को कैबिनेट से हटाने का निर्देश दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आलाकमान ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को निर्देश दिया है कि वे राज्य कांग्रेस सरकार को शर्मसार करने वाले मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटाने पर गंभीरता से विचार करें। कुछ मंत्री बार-बार विरोधाभासी बयानों और व्यवहार से सरकार को शर्मसार कर रहे हैं। उन्हें जितनी बार भी निर्देश दिए गए हैं, वे इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

आलाकमान ने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया है कि वे अपनी मनमानी कर रहे हैं क्योंकि उनका एक गॉडफादर है। बताया जा रहा है कि आलाकमान ने पार्टी को निर्देश दिया है कि वे समूह में काम करने वालों पर लगाम लगाएँ और यह संदेश दें कि आलाकमान ही एकमात्र गॉडफादर है। कोई और बड़ा नहीं है, और समूह में काम करने वालों पर लगाम लगाएँ। मंत्री के.एन. राजन्ना, जमीर अहमद खान और कई अन्य अपने बयानों से कांग्रेस पार्टी को शर्मसार कर रहे हैं और जेडीएस व भाजपा दलों को आलोचना का हथियार मुहैया करा रहे हैं। बार-बार चेतावनी के बावजूद, मंत्री अपना व्यवहार नहीं बदल रहे हैं। इसलिए, आलाकमान ने सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार से आग्रह किया है कि वे अहंकारी मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटाएँ और कम से कम उत्साही युवाओं को जगह दें। डी.के. शिवकुमार ने इस संदेश को सकारात्मक रूप से लिया है, सिद्धरामैया ने अपने समर्थक मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटाने से इनकार कर दिया है और फिलहाल मंत्रिमंडल में फेरबदल का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने पलटवार करते हुए संदेश दिया है कि वे इस तरह के किसी भी कदम से सहमत नहीं होंगे। हाल ही में, सिद्धरामैया ने आलाकमान के रुख के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए अपनी अलग राजनीति शुरू कर दी है। ऐसी अफवाहें हैं कि ऐसा व्यवहार हो रहा है मानो वे कांग्रेस स्तर पर सबसे बड़े नेता हों और आलाकमान के नेताओं के लिए इसे बर्दाश्त करना शर्मनाक है। हाल के कुछ कार्यक्रमों में भी इसी तरह का व्यवहार देखा गया है। पता चला है कि सिद्धरामैया और उनके मंत्री निगम-मंडलों की नियुक्ति और विधान परिषद सदस्यों की नियुक्ति समेत कई मुद्दों पर आलाकमान के रुख के विपरीत रुख अपना रहे हैं। इस प्रकार, सूत्रों ने कहा कि सिद्धरामैया को कमजोर करने के लिए हाईकमान मंत्रिमंडल में फेरबदल के बहाने उनके समर्थकों को छोड़कर धीरे-धीरे सिद्धरामैया को किनारे करने की साजिश कर रहा है।

नंदिनी दूध अब नई पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग में बेचा जाएगा

भारत में अपनी तरह का पहला कदम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) अपने लोकप्रिय नंदिनी दूध ब्रांड की पैकेजिंग में एक बड़ा बदलाव लाने जा रहा है। इसके तहत पारंपरिक पॉलीथीन कवर की जगह बायोडिग्रेडेबल, पर्यावरण-अनुकूल विकल्प इस्तेमाल किए जाएँगे। यह भारत में अपनी तरह की पहली पहल है। वर्तमान में पॉलीथीन में पैक किया जाने वाला नंदिनी दूध, जिसे सड़ने में कई साल लगते हैं, जल्द ही मक्के और गन्ने से बने बायोडिग्रेडेबल कवर में उपलब्ध होगा। ये पर्यावरण-अनुकूल कवर मिट्टी में फेंके जाने के 90 दिनों के भीतर सड़ जाते हैं। इस पहल का संचालन बेंगलूरु मिल्क यूनियन लिमिटेड (बीएमयूएल) द्वारा किया जा रहा है और इसे इस महीने के अंत में बेंगलूरु में लॉन्च किया जाएगा। आने वाले महीनों में इसे पूरे कर्नाटक में विस्तारित किया जाएगा। हालाँकि राज्य सरकार ने पर्यावरण पर इसके हानिकारक प्रभाव के कारण प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन अब तक पॉलीथीन दूध के पैकेट इससे मुक्त थे, क्योंकि दैनिक डोरस्टेप डिलीवरी का कोई व्यवहार्य विकल्प नहीं था। बायोडिग्रेडेबल कवर की उपलब्धता के साथ, केएमएफ ने पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने का फैसला किया है। कनकपुरा में शिवनहल्ली के पास बीएमयूएल के मेगाडेयरी प्लांट में बायोडिग्रेडेबल पैकेट्स का उत्पादन किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि विदेशी तकनीक से विकसित ये कवर अन्य जैविक पदार्थों की तरह पर्यावरण में तेजी से विघटित हो जाते हैं। पारंपरिक पॉलीथीन कवरों के विपरीत, जिन्हें विघटित होने में वर्षों लगते हैं और जो पर्यावरण प्रदूषण में काफी वृद्धि करते हैं, नए बायोडिग्रेडेबल दूध कवर प्लास्टिक कचरे के बोझ को नाटकीय रूप से कम करेंगे। प्रतिदिन लाखों दूध पैकेटों के उपयोग को देखते हुए, इस बदलाव से पर्यावरण पर सार्थक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इस बदलाव को शुरू करने के लिए, बीएमयूएल ने पायलट चरण के लिए 2 लाख बायोडिग्रेडेबल कवर का ऑर्डर दिया है। यदि सफल रहा, तो नंदिनी दूध की सभी पैकेजिंग चरणबद्ध तरीके से इन पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बनेगी। हालाँकि बायोडिग्रेडेबल कवर सामान्य पॉलीथीन से महंगे हैं और इन्हें आयात करना पड़ता है, बीएमयूएल ने मूल्य निर्धारण की तुलना में पर्यावरणीय चिंताओं को प्राथमिकता देते हुए इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया है। फेडरेशन का मानना है कि दीर्घकालिक लाभ शुरुआती लागत से कहीं अधिक हैं। भारत के डेयरी क्षेत्र में अग्रणी गुजरात के अमूल ने भी अभी तक ऐसा कोई बदलाव नहीं किया है। बीएमयूएल देश में बायोडिग्रेडेबल दूध पैकेजिंग अपनाने वाला पहला ब्रांड बन गया है। इस पहल का आधिकारिक शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएमयूएल के निदेशक डी. के. सुरेश ने किया, जो स्थायी डेयरी वितरण की दिशा में एक साहसिक कदम है।

चंदन मिश्रा मर्डर केस में शूटर तौसीफ, नीशू समेत चार गिरफ्तार

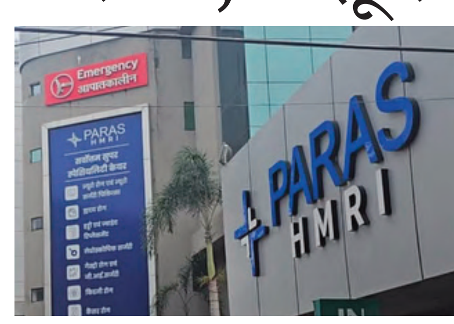

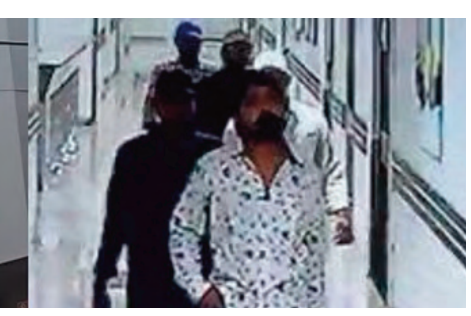

पटना (एजेंसियां)। पटना के पारस हॉस्पिटल में हुए हत्याकांड में बिहार पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने कोलकाता में छापेमारी कर मुख्य शूटर तौसीफ खान उर्फ बादशाह, नीशू खान समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस टीम ने कोलकाता के गेस्ट हाउस में छापेमारी के दौरान एक महिला को भी हिरासत में लिया है। चर्चा है कि इस की कार्रवाई के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच गोलीबारी भी हुई। इसमें एक आरोपी भी घायल हुआ है। पुलिस ने कुछ अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है। इन लो-गों से भी पूछताछ चल रही है। इधर, बिहार पुलिस की टीम ने चार आरोपियों को पटना लाने से पहले मेडिकल जांच के लिए एसएसकेएम अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद इन्हें आलिपोर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश के बाद चारों को रिमांड पर लेकर पुलिस टीम पटना आएगी।

हालांकि, पटना पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि एसटीएफ के सहयोग से चंदन मिश्रा हत्याकांड में मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह, निशु खान समेत चार लोगों को कोलकाता में हिरासत में लिया गया है। पुलिसिया पूछताछ में पता चला कि निशु खान के आवास पर इस हत्या की साजिश रची गई थी। घटना को अंजाम मुख्य रूप से तौसीफ उर्फ बादशाह द्वारा दिया गया है। इस मामले में अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ चल रही है।

पुलिस सूत्रों की मानें तो गुप्त सूचना मिली थी कि चंदन मिश्रा को गोली मारने वालों में से एक तौसीफ अपने दोस्तों के साथ कोलकाता के आनंदपुरी इलाके में एक गेस्ट हाउस में छिपा हुआ था। इसके बाद एसटीएफ और कोलकाता पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। इस दौरान तौसीफ, नीशू खान, हर्ष उर्फ हरीश कुमार, भीम कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इनके अलावा पुलिस ने एक महिला को भी हिरासत में लिया था। वह तौसीफ के साथ थी।

पटना के पारस अस्पताल में आनंदपुर क्षेत्र में हुई फायरिंग मामले में गवाह कृष्ण घोष ने कहा कि शुक्रवार शाम 7:30 बजे, हमने एक शोर सुना, तो हम वहां गए और देखा कि पुलिस आ गई थी। एक अपराधी हथियार लेकर गेस्टहाउस में घुस गया था। इसलिए पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। मैंने कोई गोली चलने की आवाज नहीं सुनी। वहीं एक और गवाह, मुनमुन ने कहा कि शुक्रवार देर शाम जब मैं ऑफिस से वापस आई, तो मैंने देखा कि एक आदमी एंबुलेंस में वहां आया और एक दूसरे आदमी को ले गया, जिसकी टांग पर चोट थी। मुझे नहीं पता वहां क्या हुआ? हम अब बहुत डर गए हैं क्योंकि हम अक्सर इस गली से ऑफिस जाते हैं और अपने बच्चों के साथ रहते हैं। इस घटना के कारण हम पूरी रात सो नहीं सके।

करंट की चपेट में आकर किसान की मौत

शेखपुरा (एजेंसियां)। शेखपुरा जिले में एक बार फिर करंट लगने से किसान की मौत हो गई है। घटना जिले के बाउघाट थाना क्षेत्र के प्राणपुर गांव की है, जहां रविवार की सुबह एक किसान शौच के लिए बधार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वे टूटे हुए बिजली के तार की चपेट में आ गए, जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक की पहचान प्राणपुर गांव निवासी 50 वर्षीय दिलीप महतो के रूप में हुई है, जो अर्जुन महतो के पुत्र थे।

बताया जा रहा है कि घटना के लगभग दो घंटे बाद एक स्थानीय बच्चे ने शव देखा और इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। दिलीप महतो की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इस हादसे के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति गहरा आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में विद्युत पोलों की भारी कमी है। सिंचाई के लिए लोग असुरक्षित ढंग से बिजली का उपयोग करने को मजबूर हैं, जिससे लगातार हादसे हो रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि बीते एक महीने में करंट लगने से यह तीसरी मौत है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

इस संबंध में बाउघाट थानाध्यक्ष शंकर कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेखपुरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले में लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com